नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शुक्रवार 5 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 19 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

मुख्यमंत्री ने श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अधिकरियों के साथ की समीक्षा बैठक

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिकता : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस क्रम में उन्होंने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास, रोजगार सृजन और प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य के असंगठित, निर्माण एवं प्रवासी श्रमिकों का डाटाबेस तीन माह के भीतर अद्यतन किया जाए और देश के विभिन्न राज्यों में कार्यरत झारखंड के श्रमिकों की पूरी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री ने विभागीय योजनाओं, रोजगार सृजन कार्यक्रमों, कौशल विकास प्रशिक्षण, नियोजन सेवाओं और श्रमिक कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर

अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए विशेष पहल करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए देश के विभिन्न राज्यों में हेल्पलाइन सेंटर स्थापित करने, श्रमिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और ई-श्रम पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों तक विभाग की सीधी पहुंच होनी चाहिए ताकि किसी भी परिस्थिति में उनकी सहायता की जा सके। प्रवासी श्रमिकों की सुविधा के लिए झारखंड राज्य प्रवासी सुलभ सहायता योजना के तहत नोएडा, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और मुंबई में प्रवासी सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ये केंद्र अन्य राज्यों और विदेशों में कार्यरत श्रमिकों को सहायता उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने श्रमिक निबंधन अभियान को तेज करने का निर्देश देते हुए कहा कि कैंप लगाकर श्रमिकों का पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कराया जाए। उन्होंने मनरेगा श्रमिकों के निबंधन, सुरक्षा किट, हेलमेट, जूते और ग्लव्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़े, इसके लिए मजबूत प्लेसमेंट व्यवस्था विकसित की जाए। बड़ी कंपनियों के विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त पेशेवरों के अनुभव का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने की भी रूपरेखा तैयार करने को कहा गया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड की पहचान केवल श्रमिक आधारित राज्य के रूप में नहीं बल्कि आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। पलायन रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने और श्रमिकों के सत्यापन की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया गया।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धनबाद आईटीआई से प्रशिक्षित होकर जबलपुर में कार्यरत सूरज कुमार और लोहरदगा के मोजाइक स्किल ट्रेनिंग सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर पुणे में कार्यरत अनिमा कुमारी से बातचीत कर उनकी कार्य स्थितियों और रोजगार अनुभवों की जानकारी ली। दोनों ने प्रशिक्षण के बाद बेहतर रोजगार मिलने पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे ट्रैक पर मिला तीन दोस्तों का शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। बोकारो रेलवे स्टेशन से करीब 8-9 किलोमीटर दूर राधानगर पंचायत के लावाटांड़ क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर तीन युवकों के शव मिले हैं। सूचना मिलते ही जीआरपी बोकारो पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह घटना पोल संख्या 398/16-17 के पास हुई। घटनास्थल से लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक काले रंग की मोटरसाइकिल, शराब की बोतलें और मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में तीनों युवकों की मौत ट्रेन की चपेट में आने से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक मौत के स्पष्ट कारणों की पुष्टि नहीं की है। मृतकों में एक की पहचान बबलू सोरेन (19), पिता सूरजलाल सोरेन, निवासी मडवाडीह, टीकाहारा, बरकी पुनु गांव, गोमिया प्रखंड के रूप में हुई है। वहीं अन्य दो मृतकों में दीपक सोरेन (20) और बाबूराम मुर्मू (19) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार तीनों युवक दैनिक मजदूरी का कार्य करते थे और आपस में दोस्त थे। पुलिस को घटना की सूचना सुबह करीब 3:30 बजे मिली थी। आशंका है कि यह घटना देर रात 1:30 से 2:00 बजे के बीच हुई होगी। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की गहन जांच कर रही है। मृतक बबलू सोरेन के परिजनों के साथ पहुंचे महुआटांड पंचायत के उप मुखिया छोटे राम मुर्मू ने बताया कि बबलू का एक लड़की से प्रेम संबंध था और वह रात में उससे बात करता था। परिजनों के अनुसार रात करीब 12 बजे उसकी अंतिम बार बात हुई थी। वहीं मृतक दीपक सोरेन के भाई ने पुलिस को बताया कि तीनों दोस्त शाम 7 बजे एक साथ बैठे थे। बाद में एक फोन आने पर वे किसी से मिलने गए थे। पुलिस फिलहाल हर पहलू से मामले की जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि यह एक दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन ने कोयला विक्रेता को रौंदा

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले की संघरी घाटी में गुरुवार सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार एक कोयला विक्रेता की मौत हो गई। एक अज्ञात भारी वाहन ने उसे कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कोयला विक्रेता अपनी दैनिक आजीविका कमाने के लिए घर से निकला था। मृतक की पहचान हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के शिवाडी गांव निवासी 40 वर्षीय महेंद्र प्रसाद महतो पिता बासुदेव महतो के रूप में की गई है।

इलाज के दौरान बच्चे की मौत, हंगामा

गोड्डा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित लाइफ केयर अस्पताल में इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत के बाद परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। घटना के विरोध में परिजनों ने गोड्डा-भागलपुर मुख्य सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया। मृतक की पहचान घटियारी निवासी विवेक कुमार के रूप में हुई है। बच्चे के पिता श्याराम साह ने बताया कि विवेक 30 मई से बीमार था।

महिला ने फांसी लगा की आत्महत्या

चाईबासा (नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफस्सिल थाना अंतर्गत डीलियामार्चा गांव स्थित बासा टोली में 36 वर्षीय महिला बिपाशा सोय ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना गुरुवार सुबह सामने आई, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बिपाशा सोय का शव रस्सी के फंदे से लटका हुआ पाया।

युवक की तालाब में डूबने से मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मरिचो पंचायत अंतर्गत पारघो गांव में 35 वर्षीय दिलीप हांसदा की तालाब में डूबने से मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि बुधवार दोपहर वह गांव के बाहर स्थित तालाब में स्नान करने गए थे लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिवार के लोगों ने उनकी खोजबीन शुरू की लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार सुबह ग्रामीणों की मदद से तालाब में फिर से खोजबीन की गई। काफी मशक्कत के बाद दिलीप का शव तालाब से बरामद किया गया।

पलामू माइंस में डूबे युवक का शव मिला

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के सोहया पहाड़ स्थित दमदमी गांव के पास एक बंद माइंस के पानी भरे गहरे गड्ढे में डूबे पतरा खुर्द निवासी लवकुश कुमार गुप्ता (24) का शव लगभग 24 घंटे बाद गुरुवार को पानी की सतह पर उपलाता मिला।

भाजपा विधायक के चालक की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। जिले में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प ने एक व्यक्ति की जान ले ली। इस घटना में भाजपा विधायक नीरा यादव के चालक राजकुमार यादव की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोग भी घायल हो गए। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार जमीन संबंधी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान राजकुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य घायलों का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा विधायक नीरा यादव अस्पताल पहुंचीं और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने मृतक के परिजनों को सांत्वना दी और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। अस्पताल में बातचीत के दौरान विधायक नीरा यादव ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड में आमलोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं और अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने राज्य सरकार से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि झड़प में शामिल सभी लोगों की पहचान की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

रेल दुर्घटना : मालगाड़ी के 15 डिब्बे पटरी से उतरे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के राजहरा रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा रेल हादसा हुआ। एक मालगाड़ी के 15 डिब्बे पटरी से उतर गए जिससे अप लाइन पर परिचालन पूरी तरह प्रभावित हुआ और रेल परिचालन ठप हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर रेलवे ने बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया। वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। रेलवे के हाजीपुर जोन को घटना की जानकारी दे दी गई है। टीआई अनिल कुमारी तिवारी और डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन के प्रबंधक उमेश कुमार ने घटना की पुष्टि की है। दुर्घटना को लेकर रेलवे ने बुलेटिन जारी किया है और बताया है कि 15 बैगन पटरी से उतरी है। रांची-सासाराम एक्सप्रेस और बरवाडीह-डेहरी ऑन सोन पैसेंजर ट्रेन को गुरुवार को रद्द कर दिया गया है। राजहरा रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी के पटरी उतरने के बाद कई ट्रेनों को डाइवर्ट और कैंसिल किया गया है। रेलवे की ओर से बताया गया है कि

बरवाडीह-डेहरी पैसेंजर 53357 को बरवाडीह, रांची चोपन एक्सप्रेस 18613 को बरवाडीह, गोमो चोपन पैसेंजर को टोरी रेलवे स्टेशन तक ही चलेगी। वहीं हटिया-आनंद विहार झारखंड एक्सप्रेस को बरकाकाना हजारीबाग गया गढ़वा के रास्ते चलाया जाएगा। इसी तरह 20407 रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को बरकाकाना-गया-दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते डाइवर्ट किया गया है जबकि पलामू एक्सप्रेस 13347 को बरकाकाना-हजारीबाग-कोडरमा गया के रास्ते डायवर्ट किया गया है। वहीं 19607 कोलकाता मदर एक्सप्रेस को धनबाद-गोमो-गया एवं 18309 संबलपुर जम्मू तवी एक्सप्रेस को गोमो गया दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते चलाया जाएगा जबकि 11448 हावड़ा-भोपाल शक्तिपुंज एक्सप्रेस को धनबाद-गोमो-गया-गढ़वा के रास्ते डायवर्ट किया गया है। वहीं सासाराम-रांची एक्सप्रेस 18636 को रद्द कर दिया गया है। बताया जाता है कि कोयले से लदी मालगाड़ी टोरी से मुगलसराय जा रही थी तभी राजहरा रेलवे स्टेशन के पास 15 डिब्बे पटरी से उतर गए। मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरने के बाद परिचालन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। मालगाड़ियां और कई पैसेंजर ट्रेनें अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर रुकी हुई हैं। गौरतलब हो कि रेलवे का यह इलाका सेंट्रल इंडस्ट्रियल कोर का हिस्सा है और धनबाद रेलवे डिवीजन के तहत आता है। मालगाड़ी के पटरी से उतरने से कई ट्रेनों का परिचालन रुक गया है। राजहरा रेलवे स्टेशन से रोजाना लगभग 100 से 110 पैसेंजर और मालगाड़ियां गुजरती हैं। इस स्टेशन से रोजाना लगभग तीन दर्जन पैसेंजर ट्रेनें गुजरती हैं।

चार दिनों से लापता हैं दो जुड़वा भाई

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड की राजधानी रांची में बच्चों के लापता होने की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। ताजा मामला धुर्वा थाना क्षेत्र का है, जहां शालीमार बाजार इलाके से दो जुड़वां भाई पिछले चार दिनों से लापता हैं। परिवार ने बच्चों की काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। लापता बच्चों के नाम करण शर्मा और अर्जुन शर्मा हैं। दोनों की उम्र 12 वर्ष है और वे जुड़वां भाई हैं। परिजनों के अनुसार दोनों बच्चे 1 जून 2026 की दोपहर करीब दो बजे घर से निकले थे, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा है। बच्चों के अचानक गायब होने से परिवार की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। चार दिन बीत जाने के बाद भी दोनों बच्चों का कोई सुराग नहीं मिलने से परिजन परेशान हैं।

बीआइटी मेसरा ने खत्म किया झारखंड के छात्रों के लिए रिजर्व 50 फीसदी स्टेट कोटा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थान बीआईटी मेसरा द्वारा झारखंड के विद्यार्थियों के लिए लागू 50 प्रतिशत होम स्टेट (स्टेट) कोटा समाप्त किए जाने के फैसले ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस निर्णय के बाद राज्य के छात्र, अभिभावक और विभिन्न छात्र संगठन विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि इस फैसले से झारखंड के हजारों छात्रों के लिए देश के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक बीआईटी मेसरा में प्रवेश का रास्ता और कठिन हो जाएगा। वहीं संस्थान की ओर से प्रवेश प्रक्रिया को राष्ट्रीय स्तर की मेरिट आधारित व्यवस्था के अनुरूप बनाने की दिशा में उठाया गया कदम बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बीआईटी मेसरा में प्रवेश पूरी तरह राष्ट्रीय स्तर की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। अब संस्थान में दाखिला संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण और सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड की काउंसलिंग के माध्यम से ऑल इंडिया रैंक के आधार पर होगा। इसके साथ ही झारखंड के छात्रों को मिलने वाला 50 प्रतिशत स्टेट कोटा समाप्त हो गया है। बीआईटी मेसरा लंबे समय से झारखंड के छात्रों के लिए तकनीकी शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है। स्टेट कोटा व्यवस्था के तहत राज्य के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के साथ-साथ स्थानीय अवसर भी मिलते थे। अब इस व्यवस्था के समाप्त होने से छात्रों और अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है। कई अभिभावकों का मानना है कि इससे राज्य के ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्रों पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। दरअसल बीआईटी मेसरा और झारखंड सरकार के बीच स्टेट कोटे के लिए एक एमओयू हुआ था। इसके तहत संस्थान की 50 फीसदी सीटें स्थानीय छात्रों के लिए आरक्षित थे लेकिन दो साल पहले ही यह एमओयू खत्म हो चुका है। समझौता खत्म होने के बाद बीआईटी मेसरा की ओर से कई बार झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को पत्राचार किया गया लेकिन एमओयू रिन्यू नहीं किया गया। वहीं यह भी बताया जा रहा है कि झारखंड सरकार की तरफ से संस्थान को दिया जा रहा आर्थिक सहयोग भी लंबे समय से बंद है। इस कारण बीआईटी मेसरा ने अब ये फैसला लिया है।

कॉल कर बुलाने के बाद प्रेमिका ने ही की थी प्रेमी की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद पुलिस ने 31 मई को दामोदर नदी किनारे मिले 24 वर्षीय युवक दिलशाद के शव की गुत्थी सुलझा ली है। इस मामले में मृतक की प्रेमिका को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार वारदात की वजह युवती की शादी तय होने के बाद प्रेमी द्वारा परेशान करना था। इस घटना में शामिल युवती का मंगेतर फिलहाल फरार है। सिंदरी एसडीपीओ प्रकाश चंद्र महतो ने बताया कि दिलशाद और कोमल (21) पहले से प्रेम संबंध में थे। इसी बीच कोमल की शादी दूसरे युवक रोशन कुमार से तय हो गई। एसडीपीओ के अनुसार शादी तय होने के बाद दिलशाद लगातार कोमल को परेशान कर रहा था। इसी से परेशान होकर कोमल और उसके होने वाले पति ने मिलकर दिलशाद की हत्या की साजिश रची। कोमल ने कॉल कर दिलशाद को भौरा ओपी क्षेत्र के श्मशान घाट के पास मिलने के लिए बुलाया। यहीं पर कोमल और रोशन ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस को एक शेड से दिलशाद का शव बरामद हुआ था। मामले की जांच के लिए सिंदरी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर गहन छानबीन की जिससे हत्या की साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस ने झरिया के कोईरी बांध निवासी मुख्य साजिशकर्ता और आरोपी कोमल वर्णवाल को गिरफ्तार कर लिया है। कोमल की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया खून लगा चाकू, मृतक का मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है।

पलामू में हाइटेक तरीके से पेट्रोलिंग करेगी पुलिस, मिली नई बाइक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडल के मुख्यालय मेदिनीनगर, चैनपुर और सदर थाना क्षेत्र में पुलिस हाइटेक तरीके से पेट्रोलिंग करेगी। पेट्रोलिंग के माध्यम से अपराध, गैर कानूनी गतिविधियों पर निगरानी की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मुख्यालय के द्वारा पलामू पुलिस को 36 हाइटेक बाइक उपलब्ध करवाई गई है। बाइक में जीपीएस सिस्टम लगा है और यह पूरी तरह से पुलिस कंट्रोल रूम से जुड़ा हुआ है। पलामू पुलिस लाइन में आयोजित एक समारोह में पलामू रेंज के डीआईजी किशोर कौशल, एसपी कपिल चौधरी ने जवानों को बाइक सौंपी है। 12 बाइक टाउन थाना, छह बाइक चैनपुर, छह बाइक सदर थाना, 10 बाइक पुलिस चेकिंग पॉइंट और दो बाइक ट्रैफिक को दी गई है। सभी बाइक डायल 112 और थाना से सीधे तौर पर जुड़ेंगे। किसी भी आपदा की स्थिति में सभी को तुरंत जानकारी मिलेगी ताकि वह कार्रवाई कर सकें। डीआईजी किशोर कौशल ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा और सीएम

के निर्देश पर सभी जिलों को चार पहिया वाहन और बाइक उपलब्ध करवाए गए हैं। इस पहल से किसी भी आपदा की स्थिति में लोगों को मदद मिल पाएगी। पेट्रोलिंग और पुलिस के विजिबल उपस्थिति लोगों के बीच में रहेगी। बाइक से पुलिस की उपस्थिति और पहुंच बढ़ेगी। इधर एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि 36 बाइक दिए गए हैं। 12 टाउन थाना, 6 बाइक सदर, 6 बाइक चैनपुर, 10 बाइक चेकिंग पॉइंट जबकि दो बाइक ट्रैफिक विभाग को दी गई है। दरअसल पुलिस ने 5 स्थाई चेकिंग पॉइंट की भी शुरुआत की है और जवानों को तैनात किया गया है। चेकिंग पॉइंट से सुरक्षा घेरा तैयार हुआ है।

C M Y K

संक्षिप्त समाचार

लावारिस बच्चे का रेस्क्यू, सीडब्ल्यूसी को सौंपा गया

जमालपुर (मुंगेर)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अभयपुर रेलवे स्टेशन पर देर शाम रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता से एक लावारिस बच्चे को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। लगभग आठ वर्षीय यह बच्चा स्टेशन परिसर में अकेले घूमता हुआ पाया गया। पूछताछ के दौरान वह अपना नाम, पता या परिजनों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका। आरपीएफ के कांस्टेबल दिनेश कुमार तोमर ने ड्यूटी के दौरान बच्चे को अकेले भटकते देखा। स्थिति संदिग्ध लगने पर उन्होंने बच्चे को अपने संरक्षण में लेकर पूछताछ की, लेकिन बच्चा काफी डरा-सहमा था और कुछ भी बताने में असमर्थ रहा। इसके बाद आरपीएफ ने उसे सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। बाद में बच्चे को जमालपुर आरपीएफ पोस्ट के माध्यम से मुंगेर स्थित चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया गया। आरपीएफ यार्ड पोस्ट के प्रभारी इंस्पेक्टर एसके दास ने बताया कि बच्चे के परिजनों का पता लगाने के लिए प्रयास जारी हैं।

आशा दिवस पर मोबाइल एकेडेमी सर्टिफिकेट वितरित

आदापुर (पूर्वी चम्पारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आदापुर में गुरुवार को आशा दिवस का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया,जिसमें विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी जिसमें बीसीएम गुड्डू कुमार के द्वारा मोबाइल

एकेडेमी कोर्स पूरा करने वाली आशा को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया साथ ही ड्यू तथा सर्वे की गहनता से जाँच कर छुटे हुए गर्भवती एवं बच्चों को जोड़ने को कहा गया एवं परिवार नियोजन के सरल उपाय के बारे में चर्चा की गई साथ ही टीबी कार्यक्रम के तहत टीबी जाँच पर विस्तृत चर्चा की गई वही डंकन हॉस्पिटल रक्सौल से आए चेतना प्रोजेक्ट की टीम द्वारा पैलेटीव केयर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें उन्होंने कैंसर की सही देखभाल,शुरूआती अवस्था में पहचान के बारे में जानकारी दी इस दौरान बीसीएम गुड्डू कुमार,वरीय उपचार पर्यवेक्षक पप्पू कुमार राय, एएनएम जैमुनि,रोहित कुमार,आशा फैसिलिटेटर जमाले आरा,रीता कुमारी,सकिला खातून,रूना देवी,सोनी देवी,सुधा देवी,मंजू देवी,सुनिता कुमारी जायसवाल आशा स्वेता पटेल,सीमा देवी,सुनीता कुमारी,सरिता देवी,मंजू देवी,राजकुमारी देवी,शकुन्तला कुमारी,आभा देवी,उर्मिला कुमारी,सावित्री देवी,बबिता कुमारी,अंजु कुमारी,निभा देवी समेत अन्य आशा कर्मी मौजूद थीं।

रेलवे ट्रैक से अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल थाना क्षेत्र में सीतामढ़ी-रक्सौल रेलखंड पर रेलवे ट्रैक के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सुबह स्थानीय लोगों और मॉर्निंग वॉक पर निकले ग्रामीणों ने रक्सौल स्थित सौनाहा माई मंदिर के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा देखा। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस और रेलवे प्रशासन को दी गई। सूत्रों ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला किसी ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत होता है। शव का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह क्षत-विक्षत होने के कारण मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक की उम्र लगभग 30 से 40 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। वह काले रंग की जींस, सफेद शर्ट और काली चप्पल पहने हुए था। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

स्कॉर्पियो और टोटो की टक्कर में एक की मौत

कदवा/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बीती रात कदला थाना क्षेत्र के चपरघट - कुर्सेल मुख्य सड़क पर कचौरा चौक के पास स्कॉर्पियो और टोटो के आमने सामने की टक्कर में तीन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने का मामला प्रकाश में आया है।वहीं बताया गया है कि इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एक टोटो पर सवार चार लोग कचौरा की ओर जा रहे थे।कचौरा चौक के पास कुर्सेल की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा एक स्कार्पियो ने से चपरघट के तरफ आ रही थी जैसे हीं कचौरा चौक के पास पहुंच तो तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर टोटो को सामने से टक्कर मार दिया। घटना में टोटो सवार चारो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।घायलों की पहचान कचौरा निवासी प्रमोद विश्वास पिता कारु विश्वास, विशाल कुमार (9)पिता प्रमोद विश्वास, यशोदा देवी (32) पति दिनेश ठाकुर और प्रताप कुमार ठाकुर पिता दिनेश ठाकुर के रुप में हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कदवा में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने चारो का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।परिजनों ने घायलों को पूर्णियां ले गये। बताया गया है कि इलाज के दौरान यशोदा देवी की मौत हो गई।घटना को लेकर कचौरा गांव तथा परिजनों में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को जप्त कर लिया गया है।आवेदन प्राप्त होने के बाद मामला यातायात थाना को भेज दिया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

कुरसेला/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कटिहार-बरौनी रेलखंड पर कुरसेला स्टेशन के तीनघरिया और मजदिया रेलवे ढाला के बीच आउटर सिग्नल के समीप दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से एक

युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद पहुंचे परिजन शव लेकर फरार हो गए। मृतक युवक गांधीग्राम बिंद टोली का निवासी बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर आरपीएफ मौके पर पहुंची। लेकिन वहां न तो शव मिला और न ही किसी तरह का साक्ष्य बरामद हुआ। आरपीएफ कांस्टेबल संजीव कुमार ने बताया कि स्टेशन मास्टर द्वारा सूचना दी गई थी कि किलोमीटर 38/6 के पास एक व्यक्ति रन ओवर हो गया है। स्टेशन मास्टर के मेमो के आधार पर जब वे मौके पर पहुंचे तो वहां कोई डेड बॉडी नहीं मिली और घटनास्थल पर किसी तरह का कोई साक्ष्य भी नहीं दिखा। बताया जाता है कि घटना के बाद कुछ लोगों द्वारा मृतक युवक की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल की गई। जिसके बाद हादसे की जानकारी क्षेत्र में फैली। रेल पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव नहीं मिलने के कारण घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीण सूत्रों के मुताबिक परिजनों द्वारा आनन फानन में युवक के शव का दाह संस्कार कर दिया गया।

559.375 ली. विदेशी शराब के साथ वाहन जब्त

कदवा/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शराब तस्करी के विरुद्ध कदवा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने 559.375 लीटर विदेशी शराब सहित वाहन जब्त कर लिया है।हालांकि शराब तस्कर भागने में कामयाब रहा है।जानकारी के अनुसार कदवा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार

पर बीती रात पुलिस ने कुम्हड़ी चौक पर डब्लूबी 26 सी 6413 नंबर के एक चार पहिया वाहन को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर शराब तस्कर चालाकी के साथ वाहन छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांडों के विदेशी शराब बरामद हुआ। पुलिस शराब सहित वाहन को जब्त कर थाना ले आई। गिनती के क्रम में 559.375 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि एक बंगाल नंबर के स्कॉर्पियो को भारी मात्रा में शराब के साथ जब्त किया गया है।जिससे विभिन्न ब्रांडों के 559.375 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ है।उन्होंने बताया कि मामले को लेकर थाना में मध निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रेतर कारवाई की जा रही है।थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में मध निषेध अधिनियम को शत-प्रतिशत लागू करने को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है।शराब विक्रेता, तस्कर एवं पियक्कड़ों के विरुद्ध कारवाई भी की जा रहक है।उन्होंने लोगों से अवैध शराब बिक्री या पीकर हंगामा करने वालों की सूचना देने की अपील की है।

आग लगने से एक घर जलकर राख

कुरसेला /कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के शाहपुर धर्मी पंचायत के कटरिया गांव में बुधवार की रात विजयकांत झा के घर में अचानक आग लग गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बाल्टी और मोटर के सहारे पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची मिनी दमकल से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।अगलगी में घर का सामान,कपड़े, फर्नीचर समेत करीब ढाई लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जलकर राख हो गई। पीड़ित परिवार के अनुसार घर में रखे जेवर और नगदी भी आग की भेंट चढ़ गए।

जिला फेसिंग चैंपियनशिप का सांसद ने किया उद्घाटन

खेल से व्यक्तित्व का विकास ही नहीं होता बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा भी : राधामोहन सिंह

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ईस्ट चंपारण फेंसिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित जिला फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 - 27 का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री मोतिहारी सांसद राधा मोहन सिंह ने गुरुवार को खेल भवन में किया। अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि तलवारबाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, साहस, त्वरित निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। यह खेल खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी सशक्त बनाता है। आज के युवा यदि खेलों से जुड़ते हैं तो वे न केवल अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी प्रेरणा बनते हैं। पूर्वी चम्पारण के तीन खिलाड़ी शिवम कुमार, रवि कुमार यादव एवं केशर राज ने एशियन चैंपियनशिप एवं वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेकर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। मोतिहारी की केशर राज ने दिसम्बर- 2025 में महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में अंडर -17 आयुवर्ग में रजत पदक हासिल किया। फरवरी- 2026 में खिलाड़ी रवि कुमार यादव ने मणिपुर में आयोजित राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में अंडर -19 आयुवर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। हरसिद्धि के शिवम कुमार ने नेशनल गेम्स उत्तराखण्ड में कांस्य पदक हासिल कर मेडल लाओ नौकरी पाओ योजना के तहत बिहार सरकार में नौकरी पाई। जिला के दो तलवारबाजी खिलाड़ी रवि कुमार यादव एवं केशर राज को खेलो इण्डिया स्कीम के तहत आवासीय प्रशिक्षण के लिए आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट, पुणे के लिए चयनित किया गया है।दो खिलाड़ी अमूल परासर एवं आदित्य रंजन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के माध्यम से गुजरात के विजयी भारत स्पोर्ट्स एके-डमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। जिला के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने तलवारबाजी खेल में दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय पदक हासिल किया है।एथलेटिक्स खेल में सीनियर आयुवर्ग में 400 मीटर की दौड़ में पूर्वी चम्पारण के सेतु मिश्रा ने बेहतर प्रदर्शन किया। जिसके आधार पर उनका चयन एशियन रिले चैंपियनशिप एवं एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए किया गया है। कबड्डी खेल में पूर्वी चम्पारण के आदित्य कुमार ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व किया है। मौके पर जिलाध्यक्ष पवन राज, डिप्टी मेयर डॉ० लालबाबू प्रसाद, पार्षद प्रतिनिधि रोचक झा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बेलौन पैक्स अध्यक्ष बने नरेशचंद्र दास

सालमारी/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बलिया बेलोन क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलौन में नरेश चंद्र दास 567 मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 275 मतों से हरा कर पैक्स अध्यक्ष चुने जाने पर समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अबीर, गुलाल लगा कर फुल माला पहना कर उन्हें जीत की बधाई दी। प्रदीप कुमार दास ने बताया की बेलौन पंचायत में पैक्स के सदस्य पद पर गोपाल कृष्ण राय, संजय कुमार दास, रीना देवी, राजकुमार कर्मकार, मोनी देवी, रूकमनी देवी, मरजीना बेगम, श्याम सुंदर महतो आदि सदस्य निर्विरोध चुने गये है। साथ ही पैक्स मतदाताओं ने सुझबुझ का परिचय देते हुए नरेश चन्द्र दास एकतरफा मुकाबला में जीत दर्ज किये। यह जीत उनके इमानदारी का नतीजा है। वह वर्ष 2021 से लगातार पैक्स अध्यक्ष पद पर हैं। नवनिर्मित पैक्स अध्यक्ष निस्वार्थ भाव से हमेशा काम करते रहे हैं। वह किसानों के हक के लिए हमेशा आवाज बुलंद किये हैं। यही कारण है की वह दोबारा पैक्स अध्यक्ष चुने गये हैं। नवनिर्मित पैक्स अध्यक्ष नरेश चन्द्र दास ने जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की लोगों के विश्वास पर खड़ा उतरने का प्रयास रहेगा। सभी लोगों को साथ ले कर चलने की बात कही। किसानों के हक के लिए हमेशा आवाज बुलंद करेंगे। सभी लोगों को पैक्स के माध्यम

से लाभ मिलेगा। समर्थक गोपाल कृष्ण राय, राजीव कुमार, आदर्श अग्रवाल,अमित अग्रवाल, सत्यप्रिय साह, अकील, रंजीत श्रीवास्तव, उमाकांत सिंह, सुनील मंडल, राजीव घोष, सोचेन, अमरेंद्र, श्रवण कुमार, पंकज, अमरनाथ, सुप्रकाश, होरेन, दशरथ, मुकेश कुमार, सोपन, प्रमोद, अशोक, अजय, सताई बोसाक, सोयेब, साबीर इस्लाम, रामसुंदर, शमभुनाथ, संजय, पवन, धर्मेंद्र राय आदि ने जीत की बधाई दी है।

बैंक के नए नियम से उपभोक्ता परेशान, ऐसे नियम को वापस लेने की मांग

मनसाही/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सरकारी बैंकों के नए नए नियम से आम बैंक उपभोक्ता परेशान हैं । ऐसा ही एक नया नियम आरबीआई के द्वारा लागू किया गया जिसकी जानकारी ना तो बैंक उपभोक्ता को हैं और ना ही किसी बैंक में इसको लेकर कोई सूचना ही चिपका हुआ हैं। इस नए नियम के तहत अगर आपके किसी बैंक में बचत खाते हैं, और अगर उसमें एक महीने में तीन बार से अधिक पैसा जमा करते हैं तो आप के बचत खाते से बैंक हर कैश जमा के रूप में 59 रुपए काट रहे हैं। बैंक के इस नए नियम से आम उपभोक्ता परेशान हैं और इसे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को बचत करने की प्रवृत्ति को रोकने और गरीब को परेशान करने वाला नियम बताया हैं। हफलागंज के बिहार ग्रामीण बैंक के उपभोक्ता ने बताया कि बैंक के इस नियम से वे लोग परेशान हैं,वेलोग अपने अपने रोजी रोजगार कर छोटी-छोटी बचत करते हुए हर महीने थोड़ी-थोड़ी पैसा बैंक में जमा करते हैं मगर अब बैंक वाले तीन से ज्यादा बार पैसा जमा करने पर हर जामा पर 59 रुपए काट रहे हैं,

हथियार एवं आरोपित की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस कर रही छापेमारी

एक रेल क्वार्टर से रची गई थी घटना की सारी पटकथा

जमालपुर (मुंगेर)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जमालपुर थाना क्षेत्र के रेल कॉलोनी रामपुर के एक क्वार्टर में शराब की पार्टी में चली गली में घायल हुए रेलकर्मी राहुल झा के मामले में दर्ज हुए प्राथमिक के आरोपी की गिरफ्तारी 2 दिन बीत जाने के बावजूद नहीं होने से कॉलोनी वासी डरे शहर में दिख रहे हैं। इधर जिस हथियार से रेलकर्मी को गोली मारी गई वह हथियार आखिर किसका था कहां से आया ऐसे कई सवालों को सुलझाने को लेकर जमालपुर पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के साथ हथियार की बरामद की को लेकर जांच पड़ताल एवं छापेमारी कर रही है। इधर रेल कॉलोनी के एक क्वार्टर में पहली बार इस तरह की घटना घट जाने से परिवार के बीच दहशत का माहौल देखा जा रहा है। इधर रेल कर्मी राहुल झा को गोली मारने के बाद रेल कर्मी साजन यादव का पुत्र सनी यादव को संरक्षण देने वाला अपराध कमी आज भी रेल कॉलोनी में नजर बंद होकर रह रहे हैं। कहां जा रहा है कि जी हथियार से गोलीबारी की घटना हुई है वह हथियार सनी को कॉलोनी में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर अपराधी के द्वारा दिया गया था। हालांकि घटना के बाद साजन यादव के क्वार्टर संख्या 488 एबी को जब से जमालपुर पुलिस ने सील किया है तभी से आसपास के रेलकर्मी एवं उनके परिवार राहत की सांस जरूर लिए हैं। क्योंकि साजन यादव एवं उनका बेटा जब से कॉलोनी में रह रहा था तब से लोग पूरी तरह भयभीत थे। इधर गोलीबारी की घटना के बाद रेल कर्मी राहुल झा ने रेल कर्मी के पुत्र सनी यादव सहित अन्य पर मामला दर्द तो जरूर करवाया है पर प्राथमिक की दर्ज होने के बाद प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आरोपित की ओर से राहुल झा पर केश मैनेज करवाने को लेकर कॉलोनी के ही एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी को जिम्मेदारी सौपी है। अब देखना है कि जमालपुर पुलिस हो या आरपीएफ कॉलोनी में रहने वाले उसे सफेद पोस्ट अपराधी के गिरेबान तक पुलिस की क्या कार्रवाई होती है यह तो समय ही बताएगा। बरहाल सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद ने कॉलोनी वासियों एवं घायल रेल कर्मी एवं उनके परिवार को पूरी तरह अस्वस्थ करते हुए कहा है कि जल्द ही आरोपित की गिरफ्तारी किया जाएगा और सनी यादव को संरक्षण देने वाले पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण योजनाओं को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

मुंगेर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) की वार्षिक कार्य योजना की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।बैठक के दौरान यूको आरसेटी के निदेशक ने संस्थान द्वारा वर्तमान में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ब्यूटी पार्लर, गाय पालन, डेयरी प्रबंधन सहित विभिन्न रोजगारपरक क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग भी उपलब्ध कराया जाता है।जिलाधिकारी ने संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ अधिक से

अधिक ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं बेरोजगार व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के इच्छुक लाभार्थियों को अपने निकट ही प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध हो सके। साथ हीं ऐसे प्रशिक्षण प्राप्त लोगों को उद्योग विभाग से सम्पर्क कराकर उन्हें विभिन्न रोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में भी पहल करने के निदेश दिए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार, पात्र लाभार्थियों की पहचान तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि कौशल विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सकता है तथा युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। बैठक में संस्थान की उपलब्धियां, प्रशिक्षणार्थियों की संख्या, आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं रोजगार सृजन की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का आरोप

बारसोई/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के आबादपुर थाना क्षेत्र के बालूखोदा गांव में दहेज के लिए एक विवाहिता की हत्या कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मृतका के भाई ने पति,सास-ससुर समेत आठ लोगों के उपर शक जताया है। जानकारी के अनुसार मृतका अफसाना खातून की शादी करीब 10 वर्ष पूर्व बालूखोदा निवासी शाह आलम के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों के तीन बच्चे भी हुए। मृतका के भाई मोहम्मद कादिर ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही शाह आलम,उनके पिता मोहम्मद इस्लाम तथा अन्य परिजन दहेज की मांग को लेकर उनकी बहन को लगातार प्रताड़ित करते थे। इस संबंध में कई बार पंचायत भी हुई। लेकिन आरोपितों के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। मृतका की भाई कादिर ने कहा है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उनकी बहन की हत्या कर दी गई। उन्होंने पति शाह आलम,सास -ससुर सहित आठ लोगों के उपर आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही आबादपुर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी।

जेनिथ पब्लिक स्कूल, जोगबनी में छात्राओं के लिए पॉक्सो एक्ट एवं किशोरावस्था जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अररिया/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जेनिथ पब्लिक स्कूल, जोगबनी में छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों के प्रति

जागरूक बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'पॉक्सो एक्ट एवं लड़कियों में उम्र के साथ होने वाले बदलाव' रहा। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अररिया जिले की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रेशमा अली (फारबिसगंज) तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कुद्दूस अली थे। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की अंग्रेजी शिक्षिका पायल लड्ढा ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के निदेशक खुर्शीद खान ने दोनों अतिथियों का बुके, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों, विशेषकर छात्राओं को उनके अधिकारों, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की भी जानकारी प्रदान करता है ताकि वे आत्मविश्वासी एवं सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकें। मुख्य अतिथि डॉ. रेशमा अली ने अपने संबोधन में किशोरावस्था के दौरान लड़कियों में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मासिक धर्म, व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य तथा आत्मविश्वास जैसे विषयों पर छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर में होने वाले बदलाव एक स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसके बारे में सही जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने माता-पिता, शिक्षकों या चिकित्सकों से खुलकर बात करने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. कुद्दूस अली ने बच्चों के स्वास्थ्य, मानसिक विकास तथा सुरक्षित वातावरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी होनी चाहिए ताकि वे किसी भी प्रकार के शोषण या दुर्व्यवहार की स्थिति में उचित कदम उठा सकें। उन्होंने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम की संचालिका पायल लड्ढा ने पॉक्सो एक्ट की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह कानून बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न एवं अन्य अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने छात्राओं को 'गुड टच और बैड टच' की पहचान, अपनी सुरक्षा के उपाय तथा किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत भरोसेमंद व्यक्तियों को जानकारी देने के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण भाग प्रश्नोत्तर सत्र रहा, जिसमें छात्राओं ने खुलकर अपने मन में उठने वाले विभिन्न प्रश्न पूछे।

1984 से लगातार निर्विरोध चुने जा रहे इंद्रमणि सिंह, फिर बने पैक्स अध्यक्ष

मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत जमला पैक्स (प्रखंड झ मोतिहारी सदर) के चुनाव में वरिष्ठ अधिवक्ता, समाजसेवी एवं राजपूत समाज के सम्मानित अभिभावक इंद्रमणि सिंह उर्फ राजकुमार सिंह एक बार फिर निर्विरोध पैक्स अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उनकी इस ऐतिहासिक जीत पर क्षेत्र में खुशी की लहर है तथा समर्थकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

विशेष बात यह है कि इंद्रमणि सिंह वर्ष 1984 से लगातार पैक्स अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित होते आ रहे हैं। चार दशक से अधिक समय तक लगातार निर्विरोध चुना जाना उनके प्रति जनता के अटूट विश्वास, लोकप्रियता और समाजसेवा के प्रति समर्पण का परिचायक माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने हमेशा किसानों, जरूरतमंदों और समाज के सभी वर्गों के हित में कार्य किया है, जिसके कारण उन्हें लगातार जनसमर्थन मिलता रहा है। इस चुनाव में केवल अध्यक्ष पद ही नहीं, बल्कि पैक्स के सभी 11 सदस्य भी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जो क्षेत्र में आपसी सौहार्द, संगठनात्मक एकता और जनविश्वास का अनूठा उदाहरण माना जा रहा है। इंद्रमणि सिंह के निर्विरोध निर्वाचन पर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। शुभचिंतकों ने भगवान श्रीराम एवं मां भवानी से प्रार्थना की है कि वे उन्हें दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं समाजसेवा की निरंतर शक्ति प्रदान करें, ताकि वे आगे भी किसानों और समाज के हित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहें।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम औषधालय सह शाखा की बीमित कर्मचारी को अपंगता लाभ

कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बीमित व्यक्ति मनोरंजन सिंघा कर्मचारी, मेसर्स सर्विटम माइक्रोफाइनेंस प्रा. लिमिटेड को रोजगार चोट के कारण स्थायी अपंगता लाभ प्रदान किया गया। 23.01.2025 को श्री सिंघा अपने कार्यालयीय कार्य के दौरान ऋण वसूली के उपरांत कार्यालय लौट रहे थे,

इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उन पर हमला कर नकदी से भरा बैग छीन लिया गया तथा उन्हें गोली मार दी गई। इस घटना में उन्हें गंभीर गोली लगने की चोटें आईं। जिसके कारण वे वर्तमान में कार्य करने में असमर्थ हैं।दुर्घटना प्रतिवेदन प्राप्त होने के पर ईएसआईसी द्वारा मामले की विस्तृत जांच की गई तथा इसे रोजगार चोट के रूप में अनुमोदित किया गया। उनका मेडिकल बोर्ड आयोजित किया गया। जिसमें उनकी स्थायी शारीरिक अक्षमता 90 प्रतिशत निर्धारित की गई। ईएसआईसी द्वारा उन्हें स्थायी अपंगता लाभ के रूप में लगभग ₹305 प्रतिदिन, लगभग ₹9,150 प्रति माह का भुगतान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ₹1,48,889 की बकाया राशि का भी भुगतान किया गया है। शाखा प्रबंधक मनीष राज रंजन कटिहार ने श्री सिंघा से सहानुभूति प्रकट की तथा उन्हें स्थायी अपंगता अनुमोदन पत्र प्रदान किया।

बंद पड़े उद्योगों को खुलवाने के लिए बड़ा जनआंदोलन करेगी कांग्रेस : राजेश कुमार

कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार ने जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को पुनर्जीवित और मजबूत बनाने के पार्टी के अटूट संकल्प को दोहराया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकताओं में नया जोश फूंकते हुए कहा कि कांग्रेस का आगामी लक्ष्य केवल सांगठनिक ढांचे का विस्तार करना मात्र नहीं है, बल्कि जनता के बीच जाकर पार्टी की उस पुरानी पहचान और ऐतिहासिक विश्वास को फिर से स्थापित करना है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रीढ़ रही है। इसके साथ ही उन्होंने कटिहार के बंद पड़े उद्योगों का मुद्दा उठाते हुए केंद्र और बिहार सरकार

की औद्योगिक नीतियों पर तीखा हमला बोला। राजेश कुमार ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा पूरे देश में व्यापक स्तर पर 'संगठन सृजन अभियान' चलाया जा रहा है। यह अभियान कोई महज औपचारिक या कागजी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि संगठन की जड़ों को गांव, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर तक गहराई से मजबूत बनाने का एक ईमानदार प्रयास है। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य एक ऐसे सक्रिय संगठन का निर्माण करना है, जिसमें अग्रिम पंक्ति के जमीनी कार्यकताओं की सीधी भागीदारी और भूमिका सुनिश्चित हो सके। प्रदेश अध्यक्ष ने एलान किया कि कांग्रेस अब इस बदहाली पर चुप नहीं बैठेगी। बंद उद्योगों को पुनः चालू कराने की मांग को लेकर पार्टी जल्द ही एक व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी, जिसके तहत कार्यकर्ता जनता के साथ मिलकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे। इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम और राष्ट्रीय सचिव पूनम पासवान ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष शहरी संजय कुमार सिंह, मनिहारी विधायक मनोहर प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक शकील अहमद खान, जिला प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला, सौरभ कुमार, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर डॉ. विपिन कुमार सिंह,महिला नेत्री मीनाक्षी श्वेता, नगर अध्यक्ष पुतुल सिंह,रिंकू मिश्रा सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

CMYK

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की उपायुक्त ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 को लेकर सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कार्यक्रम से संबंधित दिशा-निर्देशों, प्रक्रियाओं एवं कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी साझा की गयी। उपायुक्त श्री शेखावत ने बताया कि 20 जून 2026 से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ होगा, जो 07 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि इस अवधि में बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें मतदाताओं का पूर्व से अंकित विवरण दर्ज रहेगा। मतदाताओं को अपने अद्यतन फोटोग्राफ चिपकाकर हस्ताक्षर अथवा अंगूठे का निशान लगाते हुए उक्त प्रपत्र बी.एल.ओ. को वापस करना होगा। बैठक में बताया गया कि जिन मतदाताओं द्वारा हस्ताक्षरित गणना प्रपत्र बी.एल.ओ. को वापस कर दिया जाएगा, उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में यथावत रखा जाएगा, भले ही उनका मैपिंग कार्य पूर्ण हुआ हो अथवा नहीं। वहीं, जिन मतदाताओं का मैपिंग कार्य पूर्ण नहीं हो पाएगा, उन्हें निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी स्तर से नोटिस निर्गत किया जाएगा। ऐसे मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों में से आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना होगा, जिसके उपरांत उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने अथवा गणना प्रपत्र वापस नहीं करने की स्थिति में संबंधित मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलोपित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस संपूर्ण प्रक्रिया में बी.एल.ओ. की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सभी संबंधित पक्षों के समन्वय एवं सहयोग से इस कार्य को पारदर्शी एवं सफल बनाया जाएगा। बैठक में राजनीतिक दलों को बी.एल.ए.-2 की नियुक्ति एवं उसका विवरण उपलब्ध कराने के संबंध में भी निर्देश दिये गये। उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि जिन दलों द्वारा अब तक बी.एल.ए.-2 का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है, वे अविलंब निर्धारित प्रपत्र में संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि सभी बी.एल.ए.-2 को समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार, छत्तरपुर अनुमंडल पदाधिकारी गणेश महतो, विभिन्न ईआरओ, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिमला कुमारी, राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष धनंजय पासवान, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे

दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह

नवीन सिन्हा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों के बीच दांतों एवं मसूड़ों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर देखभाल और नियमित जांच से अधिकांश दंत रोगों को रोका जा सकता है। इसी विषय पर हजारीबाग के कृष्णापुरी, मटवारी स्थित परफेक्ट स्माइल डेंटल क्लीनिक के संस्थापक एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने लोगों को दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि दांत केवल भोजन चबाने के लिए ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि लोगों में अक्सर दांतों में सड़न, मसूड़ों से रक्तस्राव, मुंह की दुर्गंध, संवेदनशीलता और दांतों के असामान्य आकार जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इनका प्रमुख कारण मौखिक स्वच्छता की अनदेखी और असंतुलित खानपान है। उन्होंने सलाह दी कि प्रत्येक व्यक्ति को दिन में कम से कम दो बार ब्रश करना चाहिए तथा नियमित रूप से दांतों की सफाई और जांच करानी चाहिए। अधिक मीठे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचना और तंबाकू एवं धूम्रपान से दूरी बनाना भी दांतों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। बच्चों में दंत स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता को कम उम्र से ही बच्चों में अच्छी आदतें विकसित करनी चाहिए। नियमित ब्रशिंग और संतुलित आहार बच्चों के दांतों को लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि दांतों और मसूड़ों का स्वास्थ्य शरीर के समग्र स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। कई बार मुंह के संक्रमण अन्य शारीरिक समस्याओं का कारण भी बन सकते हैं। इसलिए छोटी-सी समस्या को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

आम बिक्री केंद्र का डीडीसी ने किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू समाहरणालय परिसर में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा आम बिक्री केंद्र का शुभारंभ उप विकास आयुक्त सादात अनवर द्वारा फीता काटकर किया गया। बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत जिले में आम्रपाली, तोतापरी एवं सुवर्णरेखा प्रजाति के आम का इस वर्ष अच्छा उत्पादन हुआ है, जिससे जिले के किसान काफी उत्साहित हैं। किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य उपलब्ध कराने तथा स्थानीय लोगों तक प्राकृतिक रूप से पके एवं गुणवत्तापूर्ण आम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष पहली बार जेएसएलपीएस के फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आम बिक्री केंद्र की शुरुआत की गई है।आज मेदिनीनगर एवं लेस्लीगंज में आम बिक्री केंद्र का शुभारंभ किया गया। यहां जिले के किसानों को बिना किसी केमिकल से पकाए गए ताजे एवं प्राकृतिक आम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्तमान में आम की खुदरा बिक्री 40 रुपये प्रति किलो तथा थोक बिक्री 30 रुपये प्रति किलो की दर से की जा रही है।यह पहल आम उत्पादक किसानों को बेहतर बाजार एवं उचित मूल्य उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। साथ ही इससे जुड़ी महिलाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है।मेदिनीनगर महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा समाहरणालय परिसर तथा लेस्लीगंज फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा प्रखंड कार्यालय परिसर में कैनोपी के माध्यम से आम की बिक्री की जा रही है।उद्घाटन कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनीता सी. केरकेट्टा, मनरेगा पीओ, जिला वित्त प्रबंधक, जिला आजीविका प्रबंधक, जिला प्रबंधक ईपी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, फोन के माध्यम से करते थे शिकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत बिराजपुर जंगल में छापेमारी कर यह सफलता हासिल की गई प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ साइबर अपराधी फोन के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर थाना गिरिडीह के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे फर्जी डिलीवरी .ऐपक, रे ई-चालान .एनबी 4.ऐपक , कस्टमर सप्पोर्ट .ऐपक , इंडसइंड बैंक ई .ऐपक तथा हॉस्पिटल अपॉइंटमेंट बुकिंग .ऐपक जैसे मोबाइल एप के जरिए लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाते थे।

इस संबंध में साइबर थाना कांड संख्या 19/2026 दिनांक 04.06.2026 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है गिरफ्तार आरोपी सुरेंद्र कुमार मंडल (27 वर्ष), ग्राम- जुरपनिया, थाना बेंगाबाद, जिला गिरिडीह एकराम अंसारी (28 वर्ष), ग्राम घाघरा, थाना मारगोमुंडा, जिला देवघर। बरामद सामग्री 08 मोबाइल फोन 07 सिम कार्ड छापेमारी दल में शामिल पुलिसकर्मी पुनि रामेश्वर भगत, थाना प्रभारी साइबर थाना गिरिडीह पुनि पुनीत कुमार गौतम, साइबर थाना गिरिडीह सअनि विजय भुइयां, साइबर थाना गिरिडीह सअनि गजेन्द्र कुमार, साइबर थाना गिरिडीह आरक्षी रविन्द्र कुमार, साइबर थाना गिरिडीह आरक्षी 140 सुपाल मंडल, साइबर थाना गिरिडीह पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा साइबर अपराध से जुड़े अन्य नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है। इस कार्रवाई को साइबर अपराध के खिलाफ गिरिडीह पुलिस की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

पीआईयू के कर्मचारियों ने नौकरी से निकाले जाने के विरोध में एनएचएआई के प्रोजेक्ट कार्यालय पर दिया धरना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पीआईयू के कर्मचारियों ने नौकरी से निकाले जाने के विरोध में एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर कार्यालय पर धरना दिया। गुरुवार को चौथे दिन प्रोजेक्ट डायरेक्टर के कार्यालय पर कर्मचारियों ने रोषपूर्ण नारे लगाए। कर्मचारियों ने - मनमानी तरीके से हाजरी काटना बंद करो..., साइट इंजीनियरों के टर्मिनेशन ऑर्डर रद्द करो..., कार्यालय के कर्मचारियों को हटाकर अपने चहेते बाहरी व्यक्तियों को काम पर रखना बंद करो... जैसे कई रोषपूर्ण नारे लगा रहे थे। मौके पर मौजूद एनएचएआई पीआईयू के कर्मचारी मितेश कुमार ने कहा कि एनएचएआई डालटनगंज के प्रोजेक्ट डायरेक्टर गलत तरीके से पीआईयू के कर्मचारियों को एक-एक कर नौकरी से निकालना शुरू कर दिया है। अभी पदस्थापन एक महीने भी नहीं हुए हैं कि पीआईयू में कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को हटाकर अपने चहेते बाहरी आदमी को नौकरी पर रख रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं चलेगा।

इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। मौके पर सतीश कुमार ने कहा कि कार्यालय में मौजूद रहने के बावजूद प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने कई कर्मचारियों की हाजिरी को काट दिया है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर का यह कदम अत्यंत ही दुर्भावनापूर्ण है। अभिषेक कुमार ने कहा कि साइट इंजीनियर, कर्मचारी व अमीन को टर्मिनेट कर दिया गया है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर का यह कदम तानाशाही को दर्शाता है। लेकिन यह तानाशाही नहीं चलने वाला है। जब तक टर्मिनेशन के आर्डर निरस्त नहीं किए जाते धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। कर्मचारी रतुल कुमार दुबे ने कहा कि प्रोजेक्ट डायरेक्टर कर्मचारियों व उनके भविष्य का सम्मान करें। कहा कि वे देश का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाते हैं। वे सभी एक साथ न्याय व सम्मान के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मौके पर आशित कुमार दुबे, पंकज कुमार सिंह, मनोहर कुमार, पवन दुबे, हिमेश कुमार सिंह, आदर्श राज, अनुज वर्मा, कौशल कुमार, सनील राम, प्रमोद कुमार, अमित कुमार, कर्नल राज, सुधांशु राज, राजेश प्रसाद व राजू राम शामिल थे।

एक व्यक्ति, एक संकल्प व हरित क्रांति की आधी सदी, डॉ. कौशल किशोर जायसवाल का वनराखी आंदोलन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पर्यावरण संरक्षण की चर्चा नहीं होती थी, तब पलामू की धरती से एक युवा ने प्रकृति को बचाने का संकल्प लिया। वर्ष 1966 के भीषण अकाल ने उसके मन पर ऐसी छाप छोड़ी कि उसने अपना जीवन जंगल लगाने, वृक्ष बचाने व पर्यावरण जागरूकता के लिए समर्पित कर दिया। उस समय का युवा आज देश-विदेश में पर्यावरणविद के रूप में पहचान बना चुके डॉ. कौशल किशोर जायसवाल हैं। इनके वनराखी मूवमेंट ने इस वर्ष अपने गौरवशाली 50 वर्ष पूरे किए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में वनराखी आंदोलन की स्वर्ण जयंती समारोह श्रृंखला आयोजित की जा रही है। पर्यावरण धर्म व वृक्ष संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने वाले डॉ. कौशल का अभियान आज सीमाओं को लांघकर अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है।

डा. कौशल को अकाल से प्रभावित होकर पर्यावरण को बनाया जीवन का धर्म

डॉ. कौशल बताते हैं कि 1966 के महाअकाल ने उन्हें प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को समझने का अवसर दिया महसूस किया कि जल, जंगल व पर्यावरण के बिना मानव सभ्यता का अस्तित्व संभव नहीं है। इसी सोच ने उन्हें पर्यावरण धर्म व वनराखी मूवमेंट की स्थापना के लिए प्रेरित किया। डा कौशल का मानना है कि ऊपर सूर्य देव व नीचे वृक्ष देव हैं। यदि ये दोनों नहीं रहेंगे तो पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है।

पांच दशक का संघर्ष, लाखों पौधों का दिया हरित संदेश

पिछले छह दशक में डॉ. कौशल ने देश के 26 राज्यों के 181 जिलों के साथ-साथ नेपाल, भूटान, म्यांमार, सिंगापुर, मलेशिया, अज़रबैजान, थाईलैंड, इंडोनेशिया, जापान और वियतनाम सहित कई देशों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाया है। उनके नेतृत्व में अब तक लगभग 59 लाख पौधों का निःशुल्क वितरण एवं रोपण किया जा चुका है। वहीं 26 लाख से अधिक वृक्षों पर रक्षाबंधन कर उन्हें संरक्षण का प्रतीक बनाया गया है। उनका मानना है कि वृक्ष केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं बल्कि परिवार के सदस्य हैं और उनकी रक्षा हमारा नैतिक दायित्व है।

जनसेवा के लिए बढ़ा कदम, सौरभ प्रकाश 'रिक्कू' को मिली नई जिम्मेदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक मजबूती और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर विधायक प्रदीप प्रसाद ने युवा समाजसेवी सौरभ प्रकाश उर्फ़ 'रिक्कू' को नगर पश्चिमी क्षेत्र का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस घोषणा के बाद क्षेत्र के लोगों और उनके शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। सौरभ प्रकाश लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। आम लोगों की समस्याओं को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी रही है। इसी सक्रियता और जनसंपर्क को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

नियुक्ति के बाद सौरभ प्रकाश ने विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता और जनप्रतिनिधि के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से उठाकर उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करेंगे तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि सौरभ प्रकाश की सक्रियता, सामाजिक प्रतिबद्धता और जनसंपर्क क्षमता नगर पश्चिमी क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी के साथ वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। क्षेत्र के नागरिकों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि नई जिम्मेदारी मिलने के बाद सौरभ प्रकाश जनहित के मुद्दों को और मजबूती से उठाएंगे तथा लोगों की समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

किसी हाल में नहीं टूटना चाहिए गांव की मिट्टी व अपनों से संपर्क : अविनाश वर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड के संरक्षक अविनाश कुमार वर्मा ने अपने 53 वें जन्मदिन पर बधाई देने वाले परिवार के सदस्यों, मित्र साथियों के साथ भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों, पलामू चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्री के सदस्यों, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड के सदस्यों, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के सदस्यगण, प्रेस मीडिया के मित्रगण, मेदनीनगर नगर निगम की

मेयर के साथ बधाई देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट किया है। विदित हो कि अविनाश कुमार वर्मा पिछले 30 वर्षों से लगातार सामाजिक, राजनीतिक संस्थाओं एवं कई संगठनो से जुड़कर समाज में अपने आप को स्थापित करने का काम किया है। पिछले कई वर्षों से अपने जन्म दिवस के अवसर पर अपने पैतृक गांव बिहार राज्य में स्थित रोहतास जिले के तिलौथू गांव जाकर अपने कुलदेव की पूजा के साथ वहां निवास करने वाले परिवारजन व सगे- संबंधियों के साथ जन्म दिवस मनाने की परंपरा को शुरू किया है वह जारी है। अविनाश वर्मा ने कहा कि आज की भाग दौड़ में जहां हम सब शहरी क्षेत्र में कई कार्यक्रमों का निष्पादन कर देते हैं। मगर गांव की मिट्टी के साथ अपनों से दूर होते जाते हैं। इसलिए यथासंभव सभी को प्रयास करना चाहिए कि किसी भी हाल में गांव व अपनों से संपर्क ना टूटे।

जाति आधारित जनगणना एवं आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी की मांग को लेकर 5 जून को धरना-प्रदर्शन

गिरिडीह/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जनगणना के तहत मकान सूचीकरण का कार्य किया जा रहा है, किंतु इस प्रक्रिया में ओबीसी अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जानकारी नहीं ली जा रही है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा का मानना है कि इससे देश की आधे से अधिक आबादी की वास्तविक सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का आकलन नहीं हो सकेगा मोर्चा लंबे समय से ओबीसी सहित सभी जातियों की जाति आधारित जनगणना कराने तथा आबादी के अनुपात में शासन और प्रशासन में भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग को लेकर संघर्षरत है इसी मांग के समर्थन में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के आह्वान पर 5 जून 2026 को देशभर के जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में गिरिडीह जिला समाहरणालय, पपरवाटांड़ में जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार पटवा के नेतृत्व में प्रातः 11:00 बजे से धरना-प्रदर्शन किया जाएगा मोर्चा सामाजिक न्याय में विश्वास रखने वाले सभी एससी, एसटी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक समुदायों से अपील करता है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करें तथा जाति आधारित जनगणना की मांग को मजबूत बनाएं।

मिर्जागंज में सजेगा लाहेरी समाज का चुनावी मंच, तैयारियां अंतिम चरण में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड लाहेरी समाज का दो दिवसीय प्रांतीय महासम्मेलन सह चुनाव आगामी 6 एवं 7 जून को जमुआ प्रखंड के मिर्जागंज स्थित सूर्य मंदिर विवाह भवन में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों में उत्साह का माहौल है तथा तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।इस महाधिवेशन में समाज की नई प्रांतीय कमेटी के गठन के लिए चुनाव कराया जाएगा। साथ ही पहली बार महिला विंग के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पदों के लिए भी चुनाव होने जा रहा है, जिसे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है आयोजन को सफल बनाने के लिए वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत लाहेरी अपने सहयोगियों के साथ लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है ताकि प्रदेशभर से आने वाले प्रतिनिधियों और समाज के लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े इधर, चुनावी माहौल के बीच समाज के भीतर कुछ मतभेद भी सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, पूर्व कमेटी के कुछ सदस्य आयोजन और चुनावी प्रक्रिया को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। विरोध के इन स्वर के बाद समाज के भीतर चुनावी प्रक्रिया और संगठनात्मक गतिविधियां चर्चा का विषय बनी हुई हैं।हालांकि, सभी विवादों और विरोध के बावजूद रंजीत लाहेरी और उनकी टीम सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का दावा कर रही है। अब पूरे झारखंड के लाहेरी समाज की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि यह चुनाव और महासम्मेलन कितनी सफलता और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न होता है।कार्यक्रम की तैयारियों में गोपाल लाहेरी, शंकर लाहेरी, शशि लाहेरी, धीरज लाहेरी, ध्रुव लाहेरी, चांदू लाहेरी, बासु लाहेरी, झगरु लाहेरी, भोला कुमार लाहेरी, नरेश लाहेरी, शंभू लाहेरी, प्रवीण लाहेरी और पवन लाहेरी सहित झारखंड के विभिन्न जिलों से जुड़े समाज के कई सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

थरथरी में बंद घर से लाखों की संपत्ति चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। थरथरी थाना क्षेत्र के अस्ता गांव में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी की चोरी कर ली। घटना के समय मकान मालिक अपने परिवार के साथ राज्य से बाहर थे। मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, घर के मालिक विजय पांडेय कई वर्षों से जीविकोपार्जन के लिए प्रयागराज में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी अनुपस्थिति

का फायदा उठाकर चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पीड़ित की बेटी मुस्कान पांडेय ने थरथरी थाना में दिए आवेदन में बताया कि चोरों ने घर के केवल उन तीन कमरों के ताले तोड़े, जिनमें नकदी, जेवरात और अन्य मूल्यवान सामान रखे हुए थे। इससे आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों को घर की पूरी जानकारी थी और उन्होंने पूर्व नियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। ग्रामीणों के अनुसार, घर का मुख्य दरवाजा पिछले दो दिनों से खुला हुआ था। लगातार दरवाजा खुला रहने पर लोगों को संदेह हुआ, जिसके बाद चोरी की घटना का पता चला। चूंकि परिवार गांव में नहीं रहता है, इसलिए चोरी कब हुई, इसका सही समय फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना की सूचना मिलते ही थरथरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थानाध्यक्ष साजिद अख्तर ने बताया कि मुस्कान पांडेय द्वारा चोरी की लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। मामले के खुलासे के लिए डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया और घटनास्थल से सुराग जुटाने का प्रयास किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। जल्द ही चोरी में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पक्की सड़क के बिना गांव का विकास अधूरा : ई. अनिल चौधरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ चकमंजो गांव की बदहाल सड़क व्यवस्था एक बार फिर विकास के दावों पर सवाल खड़े कर रही है। कांग्रेस के जिला महासचिव ई. अनिल चौधरी ने गांव का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और कहा कि "पक्की सड़क के बिना किसी भी गांव का समुचित विकास संभव नहीं है। दुर्भाग्य की बात है कि आज भी चकमंजो जैसे गांव बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं ई. अनिल चौधरी मतदाता गहन पुनरीक्षण एसआईआर जागरूकता अभियान के तहत गांव पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने गांव की जर्जर सड़क की स्थिति देखी और ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से सड़क निर्माण की मांग विधायक और सांसद के समक्ष रखी जाती रही है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व सांसद अन्नपूर्णा देवी ने भी सड़क निर्माण के लिए कोई ठोस पहल नहीं की। उनका कहना है कि केवल राज्य सरकार को अनुशंसा भेजने से समस्या का समाधान नहीं हुआ और गांव आज भी खराब सड़क की समस्या से जूझ रहा है ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी होती है। कई बार मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में दिक्कतें आती हैं। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि खराब सड़क के कारण कई परिवारों के वैवाहिक रिश्तों पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। उनके अनुसार यह केवल सड़क का मामला नहीं, बल्कि गांव के सम्मान, विकास और सामाजिक जीवन से जुड़ा मुद्दा है गांववासियों ने ई. अनिल चौधरी से इस समस्या को प्रमुखता से उठाने की मांग की। इस पर उन्होंने आश्वासन दिया कि सड़क निर्माण के लिए संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों के समक्ष मामला मजबूती से रखा जाएगा तथा समाधान होने तक संघर्ष जारी रहेगा।ग्रामीणों ने सरकार और जनप्रतिनिधियों से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग करते हुए कहा कि चकमंजो गांव को अब और उपेक्षा का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए।

गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला इलाका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खुसरूपुर। पटना के खान सर के कोचिंग पर हुए हमले की आग भी ठंडी भी नहीं हो सकी कि जिले के खुसरूपुर थाना क्षेत्र स्थित चैनपुर गांव गुरुवार की सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। बालू-गिट्टी आपूर्ति में कमीशनखोरी को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक संघर्ष में बदल गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि सरेआम 50 राउंड से अधिक फायरिंग की गई। इस घटना में एक 12 वर्षीय बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

ग्रामीणों के अनुसार सुबह अचानक शुरू हुई अंधाधुंध गोलीबारी से पूरे गांव में दहशत फैल गई। लगातार हो रही फायरिंग के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में छिप गए। कुछ ही देर में पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल खुसरूपुर थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर

- 12 वर्षीया बच्ची सहित तीन घायल
- घटनास्थल पर पुलिस कर रही कैम्प
- कमीशनखोरी को लेकर हुई घटना

पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। पुलिस ने सभी घायलों को खुसरूपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। इस गोलीबारी में विकास कुमार की 12 वर्षीय पुत्री नेहा कुमारी, अरुण सिंह की 50 वर्षीय पत्नी सोना देवी और रविंद्र प्रसाद के 26 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार घायल हुए हैं। घायलों में सोना देवी के पैर में गोली लगी है, जबकि दीपक कुमार के पेट में गोली लगने की जानकारी सामने आई है। चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर कैंप कर रहे हैं। पुलिस ने पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार मामले में शामिल संदिग्धों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद चैनपुर गांव में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और गोलीबारी के कारणों तथा इसमें शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हुई है।

धू-धू कर जली कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। शहर के काको मोड़ स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सीएनजी भराने के तुरंत बाद एक कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार धू-धू कर जलने लगी।

सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि कार पूरी तरह जल गई।एक पुरानी वैगनआर कार में सीएनजी भराई गई थी। सीएनजी भराने के बाद जैसे ही चालक ने वाहन स्टार्ट किया, इंजन के हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा और कुछ ही क्षणों में कार आग की लपटों से घिर गई। चालक ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

मरीजों को खोजने गये परिजनों ने काटा बवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में भीषण आग लगने की घटना के बाद से ही अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। हादसे के बाद से अपने प्रियजनों और स्वजनों को खोजने के लिए बड़ी संख्या में लोग लगातार अस्पताल पहुंच रहे हैं।

हालांकि, अस्पताल प्रशासन की ओर से मरीजों के संबंध में कोई स्पष्ट या सही जानकारी नहीं मिल पा रही है, जिससे परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है और अस्पताल परिसर में रह-रहकर भारी हंगामा हो रहा है।

ताजा मामले में प्रसाद अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों का सब्र उस समय टूट गया जब वे अपने मरीजों को उनके बेड पर नहीं पा सके। आक्रोशित लोगों ने अस्पताल के ओपीडी-1 और ओपीडी-2 के बाहर इकट्ठा होकर जमकर नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया।

इस दौरान रोते-बिलखते परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। हंगामे पर उतरे लोगों का कहना था कि मरीज की मौत हो जाने के बाद उसकी लाश को गायब कर दिया गया है।

परिजनों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि सुबह हुई इस घटना के बाद से वे बिना कुछ खाए-पिए बदहवास हालत में अपने मरीज को तलाश रहे हैं, लेकिन उसका कहीं कोई अता-पता नहीं है।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से लगातार यह बात कही जा रही है कि मरीजों को किसी दूसरे अस्पताल में इलाज के लिए शिफ्ट किया गया है, लेकिन बार-बार पूछने के बाद भी यह जानकारी नहीं दी जा रही है कि आखिर किस मरीज को किस अस्पताल में भेजा गया है।

वहीं मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों का कहना है कि सुरक्षा के मद्देनजर सिर्फ आग से झुलसे मरीज ही नहीं, बल्कि सामान्य वार्ड और आईसीयू में भर्ती जिन भी मरीजों की स्थिति खराब हुई थी, उन्हें तुरंत दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है। पूर्व के स्थान पर मरीज न मिलने से लोग आक्रोशित हैं, जबकि खोजने पर वे दूसरी जगहों पर मिल रहे हैं। अस्पताल में बढ़ते हंगामे, गंभीर आरोपों और तनाव की सूचना मिलते ही सिटी एसपी समेत जिले के कई आला प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

सिटी एसपी ने खुद कमान संभालते हुए आक्रोशित और डरे हुए परिजनों से सीधे बात की।

पर्यावरणविद् ने लोगों से की पर्यावरण रक्षा की अपील

जलवायु परिवर्तन समस्या नहीं जीवन के लिए खतरा : सूदन सहाय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर, एक पर्यावरणविद् सूदन सहाय के रूप में आप सभी से मेरी अपील है कि इस वर्ष की थीम प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए है, जो हमें याद दिलाती है कि जलवायु परिवर्तन अब दूरस्थ समस्या नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए तत्काल खतरा है।

आपसे 5 आसान वादे यथा प्लास्टिक मुक्त जीवन - एकल-उपयोग प्लास्टिक का त्याग करें, कपड़े या कागज के बैग का उपयोग करें,पेड़ लगाएं - कम से कम 5 पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें, पानी बचाएं - जल संरक्षण करें, पानी का पुनः उपयोग करे, ऊर्जा बचाएं - बिजली, ईंधन और पानी की बर्बादी रोकें, प्रदूषण कम करें , सार्वजनिक यातायात का उपयोग करें, वाहन सफेद रखें, याद रखें: प्रकृति ही हमारी सबसे बड़ी शिक्षक है। पेड़ हवा साफ करते हैं, जंगल तापमान नियंत्रित करते हैं, नदियां जीवन देती हैं।

आइए, संकल्प लें: मैं प्रकृति का रक्षक बनूंगा, नष्ट करने वाला नहीं। हर छोटी कार्रवाई बड़ा बदलाव ला सकती है। आइए, मिलकर स्वच्छ, हरित और सुरक्षित भारत बनाएं।

मुजफ्फरपुर अस्पताल कांड के बाद अग्निशमन सेवा विभाग हुआ सख्त

शहर के अधिकांश होटल और अस्पताल सुरक्षा मानकों में फिसड्डी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुजफ्फरपुर अस्पताल अग्निकांड के बाद बिहार सरकार अब सख्त मूड में नजर आ रही है। अग्निशमन सेवा की महानिदेशक शोभा ओहटकर ने राज्य के सभी निजी अस्पतालों और होटलों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं।

आदेश के अनुसार एक सप्ताह के भीतर जरूरी सुरक्षा दस्तावेज जमा नहीं करने वाले संस्थानों पर सीधी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य के सभी निजी अस्पतालों को सात दिनों के भीतर अपना इलेक्ट्रिक लोड सर्टिफिकेट जमा करना होगा। यह प्रमाण पत्र यह सुनिश्चित करेगा कि अस्पतालों में बिजली व्यवस्था निर्धारित मानकों के अनुरूप है और कहीं ओवरलोडिंग जैसी स्थिति नहीं है। विभाग ने साफ कर दिया है कि समयसीमा के भीतर रिपोर्ट नहीं देने वालों पर कार्रवाई होगी।

अग्निशमन विभाग ने चेतावनी दी है कि जिन अस्पतालों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया जाएगा या निर्धारित समय पर दस्तावेज जमा नहीं किए जाएंगे, उन्हें सील किया जा सकता है।

हाल के दिनों में अस्पतालों में हुई आग की घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

केवल अस्पताल ही नहीं, राज्य के सभी होटल संचालकों को भी एक सप्ताह के भीतर अपने यहां उपयोग किए जा रहे गैस सिलेंडरों की संख्या की जानकारी देनी होगी। विभाग यह जांच करेगा कि होटल सुरक्षा मानकों के तहत गैस सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं या नहीं।

अग्निशमन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान यदि किसी होटल में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, सिलेंडरों की गलत स्टोरेज या अन्य खामियां पाई गईं तो संबंधित होटल को भी सील किया जा सकता है। विभाग का कहना है कि लोगों की सुरक्षा के साथ किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। दरअसल, मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद सरकार पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे थे। इसी के बाद अग्निशमन विभाग ने राज्यव्यापी जांच अभियान शुरू करने का फैसला लिया है।

अधिकारियों का कहना है कि अस्पतालों और होटलों में फायर सेफ्टी और बिजली सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। लोगों ने सरकार से पूछा है कि क्या पटना के विभिन्न होटलों और अस्पतालों में भी आकस्मिक घटना से निबटने के साधन मौजूद हैं या फिर राम भरोसे ही चलेगा।

टाना भगतों के विरोध पर बैरंग लौटी प्रशासन की टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। गुमला जिला में 781 करोड़ की लागत से बन रहे सड़क भारत माला परियोजना पर ग्रहण लगता नजर आ रहा है। गुरूवार को परियोजना के तहत घटगांव पंचायत के सतपारा गठ्ठा में चल रहे निर्माण कार्य टाना भगतो के कड़ा विरोध पर रूक गया।

वहां मौजूद मजिस्ट्रेट व दर्जनों पुलिस फोर्स को भी बैरंग लौटना पड़ा। इस दौरान दर्जनों टाना भगत पारंपरिक वेशभूषा में हाथों में करघा वाला झंडा लेकर निर्माण स्थल पहुंचे और सड़क निर्माण कार्य का विरोध करने लगे।

विरोध के कारण निर्माण कार्य में लगे मजदूरों और मशीन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, इधर टाना भगतो का विरोध देखकर निर्माण कार्य में लगे कर्मी को पीछे कदम हटाना पड़ा। टाना भगतों का कहना था कि जल, जंगल और जमीन हमारा है, इसलिए यह जमीन भी हमारी है।उन्होंने कहा कि टाना भगत अपनी जमीन कभी बेचते नहीं हैं और जहां टाना भगतों का रास्ता होता है, वह जमीन और गांव उनका माना जाता है। विरोध के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने उनसे जमीन संबंधी कागजात दिखाने की मांग की, लेकिन इस पर टाना भगत कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सके।

स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से मजिस्ट्रेट और पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया। पुलिस की मौजूदगी में निर्माण कार्य को पुनः सुचारू कराने का प्रयास किया गया। इसी दौरान कुछ टाना भगत निर्माण कार्य में लगी मशीनों और वाहनों के सामने खड़े होकर कार्य रुकवा दिया। बताते चले कि गुमला जिला में परसा से लेकर छत्तीसगढ़ बार्डर कटकईया तक करीब 32 किमी तक भारत माला परियोजना के तहत सड़क बनाना है। जिसमें सड़क निर्माण के बीच में सतपारा गठ्ठा, परसा, कटकईया, बासंडीह व घटगांव के कुछ हिस्सो में लोगों का विरोध चल रहा है।

आरएसपीएल ग्रुप ने पूरे किए 50 गौरवशाली वर्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आरएसपीएल ग्रुप जिसने कानपुर की धरती से अपना सफर शुरू किया और आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में भारतीय गुणवत्ता, भरोसे और मूल्यों का प्रतीक बनकर उभरा है। भारत के अग्रणी एफएमसीजी समूहों में शामिल आरएसपीएल ग्रुप ने अपनी स्थापना के 50 गौरवशाली वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया।

आरएसपीएल के प्रमुख और लोकप्रिय ब्रांड घड़ी डिटर्जेंट ने भी अपने 50 वर्ष पूरे किए हैं। पिछले 50 वर्षों में आरएसपीएल ने सदैव भारत में बना, भारतीयों के लिए बना के अपने मूल विचार को केंद्र में रखा है। देशभर में स्थापित 24 से अधिक विनिर्माण इकाइयों के माध्यम से समूह ने घरेलू उत्पादन को सशक्त बनाया और भारतीय उद्योग की सामर्थ्य को नई पहचान दिलाई है। इसकी शुरूआत उत्तर प्रदेश के कानपुर में मुरलीधर ज्ञानचंदानी और बिमल कुमार ज्ञानचंदानी ने एक साधारण लेकिन बड़े सपने के साथ की थी। आज घड़ी डिटर्जेंट देश के करोड़ों परिवारों का भरोसेमंद साथी बन चुका है और लगभग 32 प्रतिशत भारतीय घरों तक इसकी पहुंच है।

साबुन और डिटर्जेंट से शुरू हुई यह यात्रा आज हाइजीन केयर, पर्सनल केयर, डेयरी एवं आइसक्रीम, केमिकल निर्माण, फैशन एवं लाइफस्टाइल तथा खाद्य एवं पेय पदार्थ जैसे विविध क्षेत्रों तक विस्तार पा चुकी है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश सहित अनेक राज्यों में स्थापित इसकी उत्पादन इकाइयों ने न केवल औद्योगिक विकास को गति दी है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और आधारभूत ढांचे को भी सशक्त बनाया है। 24,000 से अधिक कर्मचारियों के साथ आरएसपीएल आज देश के प्रमुख रोजगार प्रदाताओं में शामिल है।

आरएसपीएल ग्रुप के डायरेक्टर मनोज ज्ञानचंदानी ने कहा 50 वर्षों की इस प्रेरणादायक यात्रा में आरएसपीएल ने एक उत्पाद से शुरूआत कर एक बहुआयामी उपभोक्ता समूह के रूप में अपनी पहचान बनाई है। आरएसपीएल ग्रुप के संयुक्त प्रबंध निदेशक राहुल ज्ञानचंदानी ने कहा, घड़ी डिटर्जेंट से शुरू होकर घरेलू और औद्योगिक क्षेत्रों में एक भरोसेमंद नाम बनने तक की आरएसपीएल की यात्रा हमारे भारत में बना, भारतीयों के लिए बना दर्शन की शक्ति को दर्शाती है। आरएसपीएल ग्रुप के डायरेक्टर रोहित ज्ञानचंदानी ने कहा, हमारी 50 वर्षों की उपलब्धि मजबूत अनुसंधान, नवीनता और उपभोक्ता-केंद्रित सोच पर आधारित है, विशेष रूप से तेजी से विकसित हो रहे हाइजीन और पर्सनल केयर क्षेत्र में।

मानवाधिकार आयोग की टीम पहुंची मुजफ्फरपुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुजफ्फरपुर जिले के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित प्रसाद अस्पताल में आईसीयू में लगी आग से हुई दर्दनाक मौतों का मामला अब मानवाधिकार आयोग पहुंच गया है। इस हादसे में अब तक पांच मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मरीज विभिन्न अस्पतालों में इलाजरत हैं। घटना को लेकर मानवाधिकार अधिवक्ता डॉ. एस.के. झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली और बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग (बीएचआरसी), पटना में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। दायर याचिकाओं में मानवाधिकार अधिवक्ता ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच रिटायर्ड जज की निगरानी में कराने की मांग की है। साथ ही हादसे के लिए जिम्मेदार अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि इतने बड़े हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच आवश्यक है, ताकि घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदार लोगों की पहचान हो सके।

गौरतलब है कि मुजफ्फरपुर के निजी प्रसाद अस्पताल के आईसीयू वार्ड में आग लगने की घटना सामने आई थी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस भीषण हादसे में पांच मरीजों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि कई अन्य मरीज गंभीर रूप से झुलस गए और उनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।

घटना के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। समिति पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। वहीं, घटना को लेकर मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

बैठक में प्रशासन से ट्रस्ट के गेट निर्माण का अनुरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पंडित यदुनंदन शर्मा सेवा आश्रम ट्रस्ट की सदस्यों की बैठक एतिहासिक नेयामतपुर आश्रम परिसर के स्वामी सहजानन्द सरस्वती सभागार में संपन्न हुई। जिसमें एनएचएआई द्वारा एनएच 22 के विस्तारीकरण कार्य के दौरान एतिहासिक नेयामतपुर आश्रम के प्रवेश द्वार को तोड़े जाने के आज निर्माण कार्य नहीं कराए जाने पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। ट्रस्ट के संयोजक रविशंकर कुमार ने बताया केंद्र और राज्य ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने की घोषणा की है लेकिन सरकार के अधिकारियों पर उसका कोई असर होता हुआ नहीं दिख रहा है। वर्ष 2021 में एनएचएआई ने बिना कोई सूचना के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और जमींदारी उन्मूलन का केंद्र रहा एतिहासिक नेयामतपुर

आश्रम का प्रवेश द्वार तोड़ दिया। जिसके पुनर्निर्माण के वर्ष 2022 से लगातार गया के जिलाधिकारी और एनएचएआई के डाइरेक्टर को आवेदन दिया जा रहा है। यहां तक की हाल भी 18 मई जिलाधिकारी शशांक शुभंकर को आवेदन पत्र दिया है।

स्थानीय विधायक मनोरमा से इसके लिए पहल करने की अपील की है। लेकिन अबतक को सकारात्मक पहल पहल समाने नहीं है जिससे लोगों में नाराजगी है। उन्होंने जिलाधिकारी से आग्रह किया इस ऐतिहासिक स्थल के गेट के निर्माण को एनएचएआई के अधिकारियों तत्काल निर्देश दें। अगर 15 दिनों के अंदर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो आन्दोलन की तैयारियों को लेकर भी रूप रेखा तैयार किया जा रहा है। इस दौरान संरक्षक सरोज सिंह रामप्रवेश सिंह कोषाध्यक्ष सुमन कुशवाहा कुनाल किशोर अरविंद सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

खेतों को संवारने में जुटने लगे किसान

नवबिहार टाइम्ससंवाददाता

नवादा। मानसून के आगमन से पहले रजौली प्रखंड के किसान धान की खेती की तैयारियों में जुट गए हैं। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में किसान अपने-अपने खेतों को धान के बीज लगाने के लिए तैयार कर रहे हैं।

परंपरागत कृषि मान्यताओं और अनुभवों के आधार पर किसान रोहिणी नक्षत्र में धान की नर्सरी तैयार करने को शुभ और लाभदायक मानते हैं।

रामदासी गांव के किसान फूलचंद यादव ने बताया कि वर्षों से किसान रोहिणी नक्षत्र में धान का बीज लगाते आ रहे हैं। उनका मानना है कि इस समय बोए गए बीजों का अंकुरण बेहतर होता है और पौधे मजबूत बनते हैं, जिससे आगे चलकर फसल की पैदावार अच्छी होती है।

उन्होंने कहा कि इसी विश्वास और अनुभव के आधार पर किसानों ने खेतों की तैयारी शुरू कर दी है।

किसान इन दिनों खेतों की जुताई, समतलीकरण और मेड़ों की मरम्मत जैसे कार्यों में व्यस्त हैं। साथ ही धान की नर्सरी के लिए उपयुक्त भूमि का चयन कर उसे तैयार किया जा रहा है। कई किसान उन्नत किस्म के धान बीजों की व्यवस्था करने में भी लगे हुए हैं ताकि बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

फूलचंद यादव ने बताया कि इस मौसम में पड़ने वाली तेज धूप का भी किसानों को लाभ मिलता है। खेतों में उगने वाले घास-पतवार और खरपतवार धूप के प्रभाव से काफी हद तक नष्ट हो जाते हैं। इससे खेत साफ-सुथरे रहते हैं और धान की फसल को शुरूआती अवस्था में बेहतर वातावरण मिलता है। साथ ही खरपतवार नियंत्रण पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी कम हो जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों की बढ़ती गतिविधियों से खेतों में रौनक लौट आई है। सुबह से ही किसान परिवार के सदस्य खेतों में पहुंचकर तैयारी कार्यों में जुट जाते हैं।

बीडीओ ने लिया विभिन्न वीपीएमयू केंद्रों का जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह द्वारा पंचायत रजौर, रामभद्रपुर एवं बंधार स्थित वीपीएमयू (वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट) केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों पर साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन व्यवस्था, अपशिष्ट निष्पादन एवं संचालित कार्यों की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया निरीक्षण के क्रम में बीडीओ आलोक कुमार सिंह ने संबंधित कर्मियों एवं स्वच्छता कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा घर-घर से कचरा संग्रहण एवं उसके उचित निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए।

उन्होंने केंद्रों पर नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण तथा संसाधनों के समुचित उपयोग पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पंचायत के निर्माण में वीपीएमयू केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पंचायतों में संचालित स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कर्मियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करना होगा। निरीक्षण के दौरान विभिन्न अभिलेखों एवं

कार्य प्रगति की भी समीक्षा की गई।

इसके उपरांत बीडीओ आलोक कुमार सिंह द्वारा पंचायत करीयन के वार्ड संख्या 2 एवं 3 में शौचालयों की जांच की गई। जांच के दौरान उन्होंने शौचालय निर्माण की स्थिति, उपयोगिता एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया। संबंधित लाभुकों एवं कर्मियों को शौचालय का नियमित उपयोग एवं साफ-सफाई बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया मौके पर पंचायत प्रतिनिधि, स्वच्छता पर्यवेक्षक, कर्मी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी भवनों पर लगेंगे सोलर पैनल

शेखपुरा। बिजली पर निर्भरता समाप्त करने के लिए जिला के सभी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा लगाए जाएंगे। इसके लिए जिला स्तर से कार्यवाही के साथ निगरानी और मॉनिटरिंग किया जा रहा है। इसके लिए जिला में स्थित सरकारी भवनों के आकलन के साथ उसकी सूची भी बनाई जा रही है। सरकारी भवनों की छतों के क्षेत्रफल के अनुसार न्यूनतम 3 मेगावाट से लेकर 500 मेगावाट तक की क्षमता का सौर पैनल स्थापित किया जा रहा है। ब्रेड़ा के अभियंता ने बताया सरकारी भवनों में जिला समाहरणालय से लेकर जेल, अस्पताल, न्यायालय, सरकारी कार्यालय, सरकारी विद्यालय, पंचायत सरकार भवन से लेकर बड़े सरकारी प्रतिष्ठानों अभियंत्रण कॉलेज, पालिटेकनिक कॉलेज, आईटीआई के भवन भी शामिल हैं। बताया गया अभी जिला के 85 सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा का पैनल स्थापित किया हुआ है,जिसकी बिजली इन प्रतिष्ठानों को उपलब्ध हो रही है। इसमें सबसे अधिक 500 मेगावाट का सौर पैनल राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की छतों पर लगाया गया है।

खेत में भिण्डी तोड़ने गए मां-बेटे की करंट से मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। रंगरा प्रखंड के मदरौना गांव में एक दर्दनाक हादसे में मां और उसके इकलौते बेटे की करंट लगने से मौत हो गई।

घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मां को बचाने के प्रयास में बेटे की भी जान चली गई, जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतकों की पहचान मदरौना गांव के वार्ड संख्या छह निवासी सरिता देवी (44), पति मनोज कुमार सिंह और उनके पुत्र सुंदरम कुमार (27) के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार सुंदरम परिवार का इकलौता पुत्र था और उसकी अभी शादी भी नहीं हुई थी।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 10 बजे सरिता देवी घर के पीछे स्थित मुर्गा फार्म के पास भिंडी के खेत में सब्जी तोड़ने जा रही थीं। इसी दौरान बिजली के तार में कटाव होने के कारण मुर्गा फार्म में लगी लोहे की चादरों में करंट प्रवाहित हो गया था।

अनजाने में जैसे ही सरिता देवी लोहे की चादर के संपर्क में आईं, उन्हें तेज करंट का झटका लगा और वह वहीं छटपटाने लगीं। आसपास मौजूद लोगों को कुछ समझ में आता, उससे पहले ही घटना ने गंभीर रूप ले लिया।

मां को करंट की चपेट में देख पुत्र सुंदरम कुमार उन्हें बचाने के लिए दौड़ पड़ा। लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। कुछ ही क्षणों में दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और अचेत हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। किसी तरह दोनों को करंट की चपेट से बाहर निकालकर तत्काल रंगरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया रेफर कर दिया। हालांकि इलाज के लिए ले जाने के दौरान रास्ते में ही मां और बेटे ने दम तोड़ दिया।

बिहार में उर्वरकों की भरपूर उपलब्धता : कृषि मंत्री

उर्वरक माफियाओं पर सख्त कार्रवाई, 29 एफआईआर, 208 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में किसानों के लिए उर्वरकों की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा सभी जिलों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 30 जून 2026 तक राज्य में 2.40 मीट्रिक टन यूरिया, एक मीट्रिक टन डीएपी, 1.25 मीट्रिक टन एनपीके और 0.55 मीट्रिक टन एसएसपी की जरूरत है जबकि 3 जून 2026 तक राज्य में 3.76 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.54 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.38 लाख मीट्रिक टन एनपीके तथा 1.17 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का भंडार उपलब्ध है। श्री सिन्हा ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु व्यापक

प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। मंत्री मीठापुर स्थित कृषि विभाग में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर बिक्री रोकने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क है। उर्वरक दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है और अनियमितता की सूचना मिलने पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष 3 जून 2026 तक अनियमितता के विरुद्ध 29 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 208 प्रतिष्ठानों के उर्वरक प्राधिकार पत्र रद्द किए गए हैं। इन कार्रवाइयों की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों का भी उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल लगातार शिकायतों की जांच कर रहा है। राज्य में उर्वरकों की कालाबाजारी अथवा जमाखोरी संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रखंडवार उर्वरकों का उप-आवंटन स्थानीय आवश्यकता एवं आच्छादन के आधार पर किया जाए तथा प्रतिष्ठानों के पॉस मशीन में प्रदर्शित स्टॉक और भौतिक स्टॉक का नियमित सत्यापन किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में उर्वरकों की अवैध निकासी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। जिलावार कार्रवाई की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि पूर्वी चंपारण में 323 दुकानों की जांच में 18 दुकानों में अनियमितता पाई गई जिनमें 8 दुकानदारों पर प्राथमिकी दर्ज की गई तथा 5 की अनुज्ञप्ति रद्द की गई। पश्चिम चंपारण में 343 दुकानों की जांच के दौरान 25 दुकानों में अनियमितता मिली जिनमें 1 प्राथमिकी दर्ज की गई और 3 लाइसेंस रद्द किए गए। वहीं सीतामढ़ी में 590 दुकानों के निरीक्षण में 46 दुकानों में अनियमितता पाई गई जिनमें 2 प्राथमिकी दर्ज की गईं तथा 7 लाइसेंस रद्द किए गए। श्री सिन्हा ने बताया कि सीमावर्ती 7 जिलों में कुल 2,573 दुकानों का निरीक्षण किया गया जिनमें 275 दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके परिणामस्वरूप 19 प्राथमिकी दर्ज की गईं, 123 दुकानों की अनुज्ञप्ति रद्द की गई तथा 85 दुकानदारों से स्पष्टीकरण मांगा गया। कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों की रक्षा और उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मंत्री समेत अन्य ने की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना एवं जन संपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार समेत अन्य प्रमुख नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर बुधवार को मुलाकात की। मंत्री के साथ बिहार विधानसभा में जदयू के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ संजय गांधी, जिला परिषद एवं पंचायती राज समिति के सभापति दुलालचंद्र गोस्वामी, आश्वासन समिति के सभापति पन्ना लाल पटेल और आवास समिति के सभापति नागेंद्र चन्द्रवंशी ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी जन प्रतिनिधियों ने विधानसभा की

विभिन्न समितियों के सभापति पद का दायित्व सौंपे जाने पर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। सभी नव मनोनित जन प्रतिनिधियों ने विश्वास दिलाया कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जबाबदेही के साथ निभाउंगा। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता की सेवा, विकास, कार्यों की निगरानी तथा लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण में विधानसभा के समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सभी प्रतिनिधि अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ करेंगे।

पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की जरूरत : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह दिवस हमें पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस की आधिकारिक घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 जून 1972 को की गई थी। इसके बाद वर्ष 1973 से इसे मनाने की शुरुआत हुई। यह दिवस प्रदूषण, जनसंख्या विस्फोट, वैश्विक तापन,

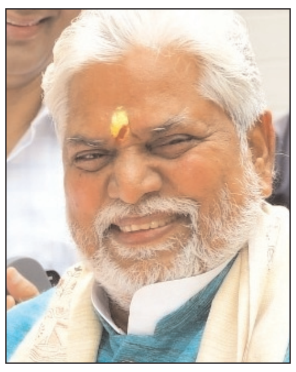

सतत विकास और वन्यजीव अपराध जैसे पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण मानव जीवन के अस्तित्व, विकास और समृद्धि के मूल आधार हैं। स्वच्छ पर्यावरण, संतुलित पारिस्थितिकी तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण केवल वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता नहीं है, बल्कि भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा और स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा प्रकृति के संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लेने की अपील की।

आग से मरीजों की मृत्यु पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में आग लगने से हुई मरीजों की मृत्यु एवं अनेक लोगों के घायल होने की दुःखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अध्यक्ष ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस हृदयविदारक घटना से वे अत्यंत मर्माहत हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा सभी शोकाकुल परिवारों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने इस घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ है।

केवाइपी के नवीनीकरण एवं नामांकन जल्द शुरू होने के संकेत : डॉ. आनन्द रंजन झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केवाइपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनन्द रंजन झा एवं राकेश सिन्हा ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी से मुलाकात कर बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम के नवीनीकरण, नए नामांकन एवं योजना के भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया कि केवाईपी केंद्रों के नवीनीकरण एवं नए नामांकन में हो रही देरी के कारण राज्यभर के हजारों प्रशिक्षण केंद्र, कर्मचारी एवं विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही पूर्व में सौंपे गए ज्ञापन की ओर भी उनका ध्यान आकृष्ट कराया गया जिसमें योजना को पूर्ववत जारी रखते हुए शीघ्र नवीनीकरण एवं नामांकन

प्रारंभ करने की मांग की गई थी। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि कुशल युवा कार्यक्रम से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाएं अब अंतिम चरण में हैं तथा केंद्रों के नवीनीकरण एवं नए नामांकन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के प्रति प्रतिबद्ध है तथा केवाईपी योजना राज्य के युवाओं के लिए पूर्ववत संचालित होती रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कुशल युवा कार्यक्रम ने बिहार के लाखों युवाओं को डिजिटल साक्षरता, संवाद कौशल एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार इस महत्वपूर्ण योजना को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। मुलाकात के उपरांत डॉ. आनन्द रंजन झा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासन से बिहार के हजारों केवाईपी केंद्र संचालकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में नई उम्मीद जगी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शीघ्र ही नवीनीकरण एवं नए नामांकन को लेकर औपचारिक घोषणा की जाएगी जिससे कौशल विकास की प्रक्रिया पुनः गति पकड़ेगी और युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। राकेश सिन्हा ने कहा कि केवाईपी केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि बिहार के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। सरकार द्वारा शीघ्र निर्णय लिए जाने से राज्य के लाखों युवाओं को लाभ मिलेगा तथा कौशल विकास मिशन के उद्देश्यों को नई गति मिलेगी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने 25 स्थानों पर विद्युत ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने भीषण गर्मी को देखते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता को विद्युत उपभोक्ताओं के लिए निर्वाध एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति करने हेतु कटिहार नगर के लगभग 25 स्थानों पर नया बीएसएस सहित विद्युत ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने का निर्देश दिया है। विशेष रूप से खाद फैक्ट्री के पास गांधीनगर में, लाल कोठी में लॉ कॉलेज के नजदीक, ड्राइवर टोला, रामपाड़ा में पेट्रोल पंप के नजदीक, वायरलेस गली, गामी टोला में वरदान बैंक्विट के नजदीक, हाई स्कूल पाड़ा, डीएस कॉलेज, विजन स्टूडियो के नजदीक, सलामत

नगर, बड़ा बाजार नया टोला, मिरचाईबाड़ी, ललियाही, अमला टोला, बिनोदपुर एवं उन सभी स्थानों पर जहां विद्युत अधिभार अधिक है वहां नया ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जिन मुहल्लों से फ्यूज कॉल की शिकायतें लगातार आ रही है वैसे तमाम स्थानों पर विद्युत ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

औद्योगिक क्रांति को नई रफ्तार 16 परियोजनाओं व 7 होटलों को मिली स्वीकृति

प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 1000 करोड़ की लागत से 3 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर होंगे सृजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में औद्योगिक क्रांति को उद्योग विभाग की तरफ से नई रफ्तार प्रदान किया जा रहा है। बुधवार को उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा व आएडा कुंदन कुमार की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक पीसीसी की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें बिहार के औद्योगिक विकास के लिए 1000 करोड़ के निवेश से राज्य भर में 16 परियोजनाओं व 7 होटल (4 स्टार व 5 स्टार) का निर्माण किया जायेगा। विभाग द्वारा मिली स्वीकृति के अनुसार इन औद्योगिक इकाइयों व होटलों से राज्य में 3,200 रोजगार के नये अवसर का विस्तार होगा। वहीं बुधवार को बियाडा की परियोजना समाशोधन समिति की बैठक में 16 परियोजनाओं व 7 होटल प्रस्ताव के लिए 31.78 एकड़ भूमि भी आवंटित की गई जिसके लिए प्रस्तावित परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में 992.63 करोड़ के निवेश का अनुमान है। इन परियोजनाओं से 3,146 लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि नई औद्योगिक परियोजनाओं से बिहार के आर्थिक विकास को नई गति मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार व कौशल आधारित नए अवसर सृजित होंगे। बिहार सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने के साथ राज्य को आधुनिक औद्योगिक व विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा व आएडा कुंदन कुमार ने कहा कि राज्य सरकार संतुलित व समावेशी औद्योगिक विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। बियाडा के माध्यम से पारदर्शी व समयबद्ध प्रक्रिया के तहत निवेशकों को औद्योगिक भूखंड उपलब्ध कराये जा रहे हैं। वहीं समिति द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में खाद्य प्रसंस्करण, राइस मिल, पीइबी स्ट्रक्चर निर्माण, स्टील रूफिंग शीट निर्माण, गारमेंट्स, कॉटन विक व अगरबत्ती निर्माण, करुगेटेड पेपर निर्माण और जनरल मैन्युफैक्चरिंग जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। ये इकाइयां राज्य के अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित की जायेगी जिनमें फतुहा, बैजनाथपुर, गोरौल, समस्तीपुर, डोनार, मरंगा, मुजफ्फरपुर, पाटलिपुत्र व हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया शामिल है।

'मिशन 5 घंटे' योजना राज्य के विकास को नई गति दे रही : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य व पथ निर्माण मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सुशासन में बिहार पथ निर्माण विभाग 'मिशन 5 घंटे' योजना राज्य के विकास को नई गति दे रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा जिसकी नींव पूर्व में रखी गई, उसे सीएम सम्राट चौधरी एक नए आयाम पर ले जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक योजना की नींव आज एक वटवृक्ष समान विकास की नई अवधारणा बन चुकी है। योजनान्तर्गत राज्य के सबसे सुदूर जिले से भी राजधानी पटना तक का सफर अधिकतम 5 घंटे में पूरा करने के लिए सड़कों को चौड़ा और सुगम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पथ निर्माण विभाग की हालिया उच्चस्तरीय समीक्षा के अनुसार राज्य के सभी जिला मुख्यालयों को फोरलेन सड़कों से जोड़ा जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि 2026 तक बिहार के किसी भी जिले से पटना मात्र 5 घंटे में पहुंचा जा सके। कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6-लेन चालू होने से उत्तर बिहार-पटना की दूरी 60 किमी कम होगी। बख्तियारपुर-ताजपुर पुल से समस्तीपुर-बेगूसराय से पटना केवल 1.5 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। पूर्णिया से पटना अब 6-7 घंटे नहीं बल्कि 3 घंटे में, किशनगंज से 8-9 घंटे नहीं, 4.5 घंटे में सफर पूरा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से बिहार को 5 एक्सप्रेसवे की भी सौगात मिली है।

प्लेसमेंट नहीं तो ग्रेडिंग नहीं, प्राचार्यों के लिए मंत्री का सख्त संदेश

विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी ने की प्राचार्यों संग बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ बेहतर रोजगार के अवसर भी राज्य में ही उपलब्ध कराए जाएंगें। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा जिससे वे अन्य राज्यों की ओर पलायन न करें और बिहार प्रतिभा एवं अवसर दोनों का केंद्र बन सके। उक्त बातें विभाग की मंत्री शीला कुमारी ने गुरुवार को विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों व राजकीय पॉलिटेकनिक संस्थानों

के प्राचार्यों के साथ समीक्षात्मक बैठक में कही। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अभियंत्रण महाविद्यालयों एवं पॉलिटेकनिक संस्थानों में एक सक्रिय प्लेसमेंट सेल की स्थापना की जाए। भविष्य में प्राचार्यों के प्रदर्शन का मूल्यांकन और ग्रेडिंग, संस्थानों के प्लेसमेंट रिकॉर्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर की जाएगी। प्लेसमेंट गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कमियों को सुधारने और विद्यार्थियों के नियोजन अवसरों में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने कहा।

विद्यार्थियों को कराया जाएगा एक्सपोजर विजिट्स

मंत्री ने आगे विद्यार्थियों को नियमित एक्सपोजर विजिट्स आयोजित करने पर विशेष बल दिया। कहा कि केवल डिग्री देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके लिए मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे एवं अन्य प्रमुख औद्योगिक और तकनीकी केंद्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए संस्थानों को सक्रिय प्रयास करने होंगे। मंत्री शीला कुमारी ने बिहार में तकनीकी शिक्षा के व्यापक विस्तार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व और योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सोच और संकल्प के परिणामस्वरूप आज तकनीकी शिक्षा बिहार के लगभग प्रत्येक जिले तक पहुंच चुकी है। अभियंत्रण संस्थानों में लगभग 10 रुपये प्रतिमाह और पॉलिटेकनिक संस्थानों में लगभग 5 रुपये प्रतिमाह की नाममात्र की शुल्क व्यवस्था राज्य सरकार की छात्र-केंद्रित नीतियों का परिचायक है। विभाग के सचिव हिमांशु शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को वर्तमान स्तर से और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। मौके पर अपर सचिव-सह-निदेशक, डीएसटीटीई अहमद महमूद, बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रो. (डॉ.) सूर्यकांत वर्मा, कुलपति, एसबीटीई के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, मंत्री के आप्त सचिव पुरुषोत्तम कुमार सहित विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मिला नया प्रशिक्षण केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेनप्लस ने राज्य के पहले अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर की शुरुआत की है। इस सेंटर के माध्यम से बिहार और पूर्वी भारत के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स, मेडिकल छात्रों तथा इमरजेंसी रिस्पॉन्डर्स को अब उन्नत इमरजेंसी केयर प्रशिक्षण स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर जेनप्लस के सीईओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि लंबे समय से स्वास्थ्यकर्मियों को एडवांस इमरजेंसी केयर सर्टिफिकेशन के लिए बड़े शहरों का रुख करना

पड़ता था, लेकिन अब वैश्विक मानकों की ट्रेनिंग पटना में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल जीवनरक्षक कौशल विकसित करेगी, बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार और करियर के नए अवसर भी पैदा करेगी। सेंटर में बेसिक लाइफ सपोर्ट, एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर लाइफ सपोर्ट, हार्टसेवर फर्स्ट एड, सीपीआर-एईडी और इंस्ट्रक्टर प्रोग्राम समेत कई एएचए प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इससे अस्पतालों, एम्बुलेंस सेवाओं और मेडिकल संस्थानों के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार होंगे। इस नई पहल से बिहार के साथ-साथ झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पूर्वी भारत के अन्य राज्यों के स्वास्थ्यकर्मियों को भी लाभ मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पटना स्वास्थ्य शिक्षा और प्रोफेशनल ट्रेनिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर सकेगा।

रोबोटिक तकनीक से की गई दुनिया की सबसे लंबी हृदय टेली-सर्जरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत की विकसित रोबोटिक तकनीक और भारतीय डॉक्टरों की विशेषज्ञता ने एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया है। प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने गुयाना में बैठकर भारत के इंदौर में एक मरीज के हृदय की सफल रोबोटिक टेली-सर्जरी कर चिकित्सा इतिहास में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। करीब 20000 किलोमीटर की दूरी से की गई यह सर्जरी दुनिया की अब तक की सबसे लंबी दूरी की रोबोट-सहायित कार्डियक टेली-

सर्जरी मानी जा रही है। यह ऐतिहासिक प्रक्रिया गुयाना के जॉर्जटाउन पब्लिक हॉस्पिटल कॉर्पोरेशन और भारत के आइआरसीएडी इंडिया, इंदौर के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह है कि सर्जरी पूरी तरह भारत में विकसित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से की गई जिसने भारत को वैश्विक रोबोटिक सर्जरी क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि एसएसआई मंत्रा और उससे जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मदद से गुयाना में रोबोटिक सर्जरी विशेषज्ञों की नई पीढ़ी तैयार होगी और देश कैरेबियाई क्षेत्र में चिकित्सा नवाचार का केंद्र बन सकेगा। वहीं एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक के संस्थापक और सीईओ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि 20000 किलोमीटर की रिकॉर्ड दूरी पर सफल कार्डियक टेली-सर्जरी यह साबित करती है कि भविष्य में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे मरीज तक सर्वश्रेष्ठ सर्जिकल विशेषज्ञता पहुंचाई जा सकती है।

खरीफ मौसम को लेकर किसानों के लिए कर्मशाला आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि विभाग की ओर से खरीफ मौसम में फसलों की उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों को इनपुट तथा विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विहित अनुदान सुलभता से उपलब्ध कराने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु 5 जून को राज्यस्तरीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन बामेती, पटना में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के लिए लक्ष्य का निर्धारण एवं उसकी प्राप्ति हेतु प्रशासनिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी क्षमता के विकास पर जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी। राज्य स्तरीय कर्मशाला के उपरांत 8 जून को सभी जिला मुख्यालय में कृषि विभाग से जुड़े पदाधिकारियों/इनपुट विक्रेताओं/प्रगतिशील किसानों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को नवीनतम तकनीकी जानकारी, जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम, मोटे अनाज की खेती, मक्का की खेती, बेबी कॉर्न/स्वीट कॉर्न, दलहन की खेती, प्याज की खेती, जीरो टिलेज एवं धान की सीधी बुवाई, विभिन्न फसलों की जैविक खेती, खरीफ मौसम में उगायी जाने वाले अन्य फसलों की खेती, कृषि यांत्रीकरण, कृषि में ड्रोन का प्रयोग पर प्रशिक्षित किया जायेगा। अभियान को जमीनी स्तर पर उतारने हेतु 10 जून से 25 जून, 2026 तक सभी प्रखण्ड मुख्यालयों में प्रशिक्षण-सह-उपादान वितरण कार्यक्रम चलाया जायेगा। कृषि विभाग द्वारा इस महाभियान के तहत संकर धान, संकर मक्का, वेबीकॉर्न, स्वीटकॉर्न, अरहर एवं मोटे अनाज यथा रागी, सांवा, रामदाना के प्रमाणित बीज अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया जायेगा। अभियान को जमीनी स्तर पर उतारते हुए 05 जून से 22 जून, 2026 तक सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रशिक्षण-सह-उपादान वितरण कार्यक्रम चलाया जाएगा जहां चयनित किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण देने के साथ-साथ अनुदान पर खरीफ फसलों के बीज वितरित किए जाएंगे। खरीफ महाभियान को हर गांव तक पहुंचाने के लिए 25 जून से 20 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक पंचायत स्तर पर कृषि जन कल्याण चौपाल लगाई जाएगी।

संपादकीय

15 हजार से ज्यादा मामले, हजारों मौतें और हर दिन महिलाओं पर दहेज का दबाव

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने एक बार फिर दहेज प्रथा की भयावहता को सामने ला दिया है। कड़े कानूनों के बावजूद दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्या के मामले यह संकेत देते हैं कि समस्या केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता और व्यवस्था की भी है। कोई भी समाज तभी सभ्य और समग्र रूप से विकसित कहलाता है, जब उसमें ऊंच-नीच और किसी तरह के मतभेद की कोई दीवार नहीं होती तथा सबको उसके हिस्से का अधिकार मिलता है। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि आजादी के दशकों बाद भी भारतीय समाज में ऐसी कुप्रथाएं अपनी जड़ें जमाए हुए हैं, जहां पुरुषवादी मानसिकता के कारण महिलाओं को कमतर आंका जाता है और उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।दहेज प्रथा भी इनमें से एक है, जिसके खिलाफ सख्त कानून होने के बावजूद उस पर रोक नहीं लग पा रही है। दहेज के लिए महिला का उत्पीड़न करने या उसकी हत्या कर देने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। ऐसे ही एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि एक तरफ लड़की के परिवार से उपहार के नाम पर मोटी रकम ली जाती है और फिर उन्हें भिखारी भी कहा जाता है, यह स्थिति बेहद शर्मनाक है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि समाज में यह संदेश जाना चाहिए कि दहेज के लिए बहू और उसके परिवार को प्रताड़ित करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।सवाल यह है कि जब देश में दहेज के खिलाफ कड़े कानूनी प्रावधान लागू हैं, तो आखिर इस कुरीति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? जाहिर है कि यह हमारे शासकीय तंत्र और सामाजिक व्यवस्था में खामियों का ही नतीजा है, जिसका खामियाजा महिलाओं और उनके परिवार को भुगतना पड़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, देश में वर्ष 2017 में दहेज हत्या के 7,466 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2024 के दौरान ऐसे 5,737 मामले दर्ज किए गए।इसी तरह वर्ष 2023 में दहेज प्रताड़ना से जुड़े 15 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए। एनसीआरबी के ही अनुसार, 2024 में दहेज हत्या के 5,737 मामले दर्ज किए गए। यानी वास्तविक स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कई मामलों में महिलाएं मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करती हैं, लेकिन सामाजिक दबाव, परिवार की बदनामी और जागरूकता के अभाव में वे पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा पातीं।इसमें दोराय नहीं कि दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए कानूनी और सामाजिक मोर्चे दोनों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। जब तक समाज की सोच में बदलाव नहीं आएगा और महिलाओं को व्यापक स्तर पर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं किया जाएगा, तब तक कानून बनाने का मकसद और उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी अधूरा ही रहेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी साफ कहा है कि आखिर लड़के शादी क्यों करते हैं, अगर बाद में लड़की और उसके परिवार का अपमान ही करना होता है।दहेज के लिए मानसिक और आर्थिक दबाव डालना एक गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। यह विचित्र बात है कि समाज में दहेज प्रताड़ना को सामान्य घटना मान लिया जाता है, जिस कारण कई बार पुलिस की ओर से भी पीड़ित पक्ष की शिकायत दर्ज करने के बजाय दोनों पक्षों में सुलह कराने को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की भी है कि दहेज से जुड़े मामलों को हर स्तर पर गंभीरता से लिया जाए और सरकारी जांच तंत्र में व्याप्त खामियों को दुरुस्त कर उसे संवेदनशील एवं जवाबदेह बनाया जाए।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

(ललित गर्ग)

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' - मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। (यह लेखक के अपने विचार है)।

दिल्ली अग्निकांड से लें सबक, होटल में रुकने से पहले जान लें ये सुरक्षा नियम

(अभिनय आकाश)

जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या प्रतिष्ठान ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया और क्या उसके संचालन से परिसर में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। जिस आराम और मानसिक शांति की तलाश में हम अपने घरों से दूर घूमने निकलते हैं, वह सफर हमारे लिए इस कदर खतरनाक साबित हो सकता है। यह दिल्ली की घटना ने साफ कर दिया है। बुकिंग करते समय

रेटिंग और कमरों की सजावट देखने के साथ-साथ होटल के सेफ्टी मेजर्स (फायर एग्जिट, स्मोक अलार्म) की भी उतनी ही पड़ताल होनी चाहिए।

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। इस घटना की जांच में अवैध रेस्तरां, तहखाने में बंद ग्रिल, छोटी खिड़कियां और पर्याप्त निकासी मार्गों का अभाव प्रमुख चिंता के विषय बनकर उभरे हैं। हौज रानी के घनी आबादी वाले इलाके में स्थित बहुमंजिला इमारत फ्लोरिश स्टे बी एंड बी में आग लगने के कुछ घंटों बाद ही जांचकर्ताओं ने कई संदिग्ध खामियों की पहचान की, जिनमें होटल का निर्धारित क्षमता से अधिक संचालन, तहखाने में आने-जाने की अपर्याप्त व्यवस्था, निकासी में बाधा डालने वाली छोटी कमरे की खिड़कियां और कथित तौर पर आवश्यक अनुमतियों के बिना संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या इमारत की तंग जगह और आसपास बिछी बिजली की तारों ने अग्निशमन और बचाव कार्यों में बाधा डाली। इमारत के भूतल पर चल रहे रेस्तरां के पास आवश्यक लाइसेंस नहीं था और आरोप है कि वह अवैध रूप से संचालित हो रहा था। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, इमारत में एक तहखाना, भूतल और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या प्रतिष्ठान ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया और क्या उसके संचालन से परिसर में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। जिस आराम और मानसिक शांति की तलाश में हम अपने घरों से दूर घूमने निकलते हैं, वह सफर हमारे लिए इस कदर खतरनाक साबित हो सकता है। यह दिल्ली की घटना ने साफ कर दिया है। बुकिंग करते समय रेटिंग और कमरों की सजावट देखने के साथ-साथ होटल के सेफ्टी मेजर्स (फायर एग्जिट, स्मोक अलार्म) की भी उतनी ही पड़ताल होनी चाहिए।

होटल रूम में एंट्री करते ही करें ये काम - जब भी हम किसी होटल में चेक-इन करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान रूम के व्यू, बेड या एमेनिटीज पर होता है। लेकिन अगली बार जब आप किसी होटल के कमरे में कदम रखें, तो अपना सामान रखने के बाद सिर्फ 2 मिनट अपनी सुरक्षा के लिए जरूर निकालें। यह छोटी सी आदत किसी भी आपातकाल में आपकी जान बचा सकती है।

इवेक्युएशन मैप को समझें - हर होटल के कमरे के दरवाजे के पीछे एक इमरजेंसी इवेक्युएशन मैप (निकासी का नक्शा) लगा होता है. इसे ध्यान से देखें और समझें कि आपके रूम से सबसे नजदीकी फायर एग्जिट (आपातकालीन निकास) किस दिशा में है। सुरक्षा उपकरणों की जांच-कमरे की छत पर लगे स्मोक डिटेक्टर और वॉटर स्प्रिंकलर पर एक नजर जरूर डालें कि वे ठीक स्थिति में हैं या नहीं।

रास्ते की बाधाओं पर नजर - अगर आपको दिखे कि इमरजेंसी सीढ़ियों या एग्जिट गेट के रास्ते में होटल स्टाफ ने गद्दे, कुर्सियां या कोई पुराना कबाड़ रख रखा है, तो तुरंत रिसेप्शन या मैनेजर से शिकायत कर उसे साफ करवाएं।

कोठियां, काफिले और स्मारक- दिल्ली में जमीन की नहीं, उसके इस्तेमाल की कहानी ज्यादा दिलचस्प है

तो अगर इस एक क्लब की जमीन सरकार वापस लेने को तैयार है, इस आधार पर कि सार्वजनिक जमीन का निजी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो क्यों नहीं पूछते हैं हम कि इस आधार पर सरकारी अशोक होटल और सम्राट होटल भी बंद किए जाएं? ये भी तो प्रधानमंत्री के आवास के कुछ ज्यादा नजदीक हैं और उनकी ऊंची छतों से कोई प्रधानमंत्री के आवास पर हमला करना चाहे, तो जिमखाना क्लब से कहीं ज्यादा आसान है। प्रधानमंत्री आवास के पीछे कई कोठियां हैं, जिनमें मंत्री और सांसद रहते हैं।

(तवलीन सिंह)

फिलहाल प्रधानमंत्री के कहने पर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं उनके मुख्यमंत्री और मंत्री। कभी किसी मुख्यमंत्री की पत्नी साइकिल पर सवार होकर निकलती है टीवी पत्रकारों के सामने, तो कभी कोई मुख्यमंत्री स्कूटर पर सवार होकर निकलते हैं पत्रकारों को दिखाने के लिए। जिमखाना क्लब को बंद करने की कोशिश ने एक ऐसा पिटारा खोल दिया है, जिसमें से निकल रहे हैं कई अहम सवाल। जिनको अभी तक इस विवाद के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, उनके लिए संक्षेप में पहले बता दूं कि मुद्दा क्या है। नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बनकर लुटियंस दिल्ली में रहने लगे हैं, उन्होंने दिल लगाकर कोशिश की इस संभ्रांत रिहायशी इलाके की शक्ल बदलने की।इस प्रयास में उन्होंने नया संसद भवन बनाया है रायसीना पहाड़ी पर, और जो सरकारी दफ्तर बने थे अंग्रेजों के जमाने में, उनको खाली कर नए आधुनिक भवनों में भेज दिया है। इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन की ओर जो सड़क जाती है, उसका नाम राजपथ से बदलकर कर्तव्यपथ रखा है और अपने नए कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' का नाम दिया है।

कुछ वर्ष पहले जब जिमखाना क्लब की कार्यसमिति में उन्होंने कुछ सरकारी अफसर नियुक्त किए थे, तो ऐसा लगा था इस क्लब के सदस्यों को कि यह पहला कदम है उस सरकारी जमीन को वापस लेने के लिए, जिस पर यह क्लब बना था 113 साल पहले। ऐसा ही हुआ पिछले सप्ताह, जब क्लब को सूचना भेजी गई कि जून के पहले सप्ताह तक क्लब सरकार को जमीन वापस करे, जिसके लिए सालाना सिर्फ हजार रुपए का किराया सरकार को मिलता रहा है।

क्लब ने इस सूचना को अदालत में चुनौती दी है और ऐसा हो सकता है कि उसको थोड़ी-बहुत मोहलत मिल जाए, लेकिन दिल्ली में अफवाहें अब यह भी उड़ रही हैं कि सरकार का इरादा है प्रधानमंत्री आवास के पास रेसकोर्स और पोलो ग्राउंड की जमीन भी वापस लेने का। यहां याद दिलाना चाहती हूं कि लुटियंस दिल्ली की सारी जमीन सरकारी है, जो लोगों को सौ साल या 99 साल की लीज पर दी गई है।

तो अगर इस एक क्लब की जमीन सरकार वापस लेने को तैयार है, इस आधार पर कि सार्वजनिक जमीन का निजी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो क्यों नहीं पूछते हैं हम कि इस आधार पर सरकारी अशोक होटल और सम्राट होटल भी बंद किए जाएं? ये भी तो प्रधानमंत्री के आवास के कुछ ज्यादा नजदीक हैं और उनकी ऊंची छतों से कोई प्रधानमंत्री के आवास पर हमला करना चाहे, तो जिमखाना क्लब से कहीं ज्यादा आसान है। प्रधानमंत्री आवास के पीछे कई कोठियां हैं, जिनमें मंत्री और सांसद रहते हैं और जिमखाना क्लब के सामने है इंदिरा गांधी का पुराना घर, जो उनके बेटे ने स्मारक बना दिया था और खुद उस घर में रहने लगे, जो आज प्रधानमंत्री आवास कहलाता है। देश के पहले प्रधानमंत्री रहा करते थे तीनमूर्ति भवन में, जिसको उनकी बेटी ने स्मारक बना दिया था अपने पिता की याद में।

सच तो यह है कि इस पहले घर को स्मारक न बनाया होता, तो प्रधानमंत्री का स्थायी और सुरक्षित आवास आज भी होता। स्मारक और समाधियां इतनी हैं दिल्ली में कि कई लोग दिल्ली को मुर्दों का शहर कहते हैं मजाक में, लेकिन जिस तरह सरकारी जमीन का फिजूल इस्तेमाल हो रहा है देश की राजधानी में, वह मजाक नहीं, गंभीर मसला है। मंत्रियों और सांसदों को हमने बसाया है ऐसी कोठियों में, जिनकी कीमत बाजार में कम से कम पांच सौ करोड़ रुपए है। ऊपर से यह भी ध्यान में रखिए कि राष्ट्रपति भवन के बाग-बगीचे 300 एकड़ जमीन पर हैं। क्या राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए 300 एकड़ जरूरी हैं?

सवाल और भी निकल रहे हैं उस पिटारे से। मंत्रियों को अगर इस देश की गरीब जनता के पैसों से बसाना ठीक समझती है भारत सरकार, तो क्यों नहीं इनको राष्ट्रपति भवन की 300 एकड़ जमीन पर कोठियां बनाकर बसाया जाए? रही बात सांसदों की, तो उनके लिए कई सरकारी होटल हैं संसद के आसपास, जिनमें इतने कम ग्राहक आते हैं कि आधे खाली रहते हैं साल भर। इनमें सांसदों के लिए जगह बन सकती है उन महीनों के लिए जब संसद का सत्र चल रहा होता है। उनको क्यों बड़ी-बड़ी कोठियों की जरूरत है?

अब बात करते हैं प्रधानमंत्री की सुरक्षा की। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री आवास स्थायी और सुरक्षित होना चाहिए। न कि ऐसा घर, जिसको जब किसी के मन में आए स्मारक बना दिया जाए। विनम्रता से प्रधानमंत्री को सुझाव देना चाहती हूं कि जब तक उनकी नई कोठी तैयार नहीं होती है इंडिया गेट के पास, वे क्यों नहीं तीनमूर्ति भवन में रहना शुरू करें, नेहरू स्मारक को कहीं और बनवाकर। तीनमूर्ति भवन शानदार भी है और सुरक्षित भी।

युद्ध के इस दौर में जब प्रधानमंत्री ने गरीबों को खर्चा कम करने के लिए कहा है, तो क्यों नहीं अपनी सरकार को ऐसा करने का आदेश देते हैं? जितनी फिजूलखर्ची हम करते हैं मंत्रियों के काफिलों और कोठियों पर, इसको बंद करना क्या 'देशभक्ति' नहीं होगी मुसीबत के इस दौर में? लुटियंस दिल्ली की जमीन भारत में सबसे महंगी मानी जाती है, तो क्यों नहीं इसका व्यावसायिक इस्तेमाल हो? इस तरह की शुरुआत अगर दिल्ली में होगी, तो राज्यों में भी होने लगेगी और खूब पैसा बचेगा देश का।

फिलहाल प्रधानमंत्री के कहने पर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं उनके मुख्यमंत्री और मंत्री। कभी किसी मुख्यमंत्री की पत्नी साइकिल पर सवार होकर निकलती है टीवी पत्रकारों के सामने, तो कभी कोई मुख्यमंत्री स्कूटर पर सवार होकर निकलते हैं पत्रकारों को दिखाने के लिए। जब आर्थिक संकट पूरे देश में आया है, तो इस तरह के तमाशे बंद होने चाहिए और सरकारी अफसरों और राजनेताओं को दिल लगाकर देश का पैसा बचाने की कोशिश करनी चाहिए। यही होगी असली देशभक्ति। कहा था न मैंने कि जिमखाना क्लब बंद होने से खुल गया है सवालों का बहुत बड़ा पिटारा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

हाई कोर्ट ने रचा इतिहास

जस्टिस आर मुखोपाध्याय की पीठ ने अवकाश में निपटाये 853 मामले

891 मामले हुए थे सूचीबद्ध, नियमित जमानत और अग्रिम जमानत याचिकाओं का अनुपात रहा सबसे अधिक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस आर मुखोपाध्याय की अवकाश कालीन पीठ ने 18 मई से चार जून के बीच कुल 853 मामलों का निष्पादन किया है। इस अवधि में सबसे अधिक जमानत और अग्रिम जमानत से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई।

अवकाश कालीन पीठ के समक्ष चार दिनों में कुल 891 मामलों को सूचीबद्ध किया गया था, जिनमें से 853 मामलों का निपटारा कर दिया गया। जस्टिस आर मुखोपाध्याय की एकलपीठ ने मुख्य मामलों और विविध मामलों को मिलाकर कुल 853 मामलों का निष्पादन किया। इनमें नियमित जमानत के 649 मामले, अग्रिम जमानत के 169 मामले, आपराधिक अपील के 15 मामले, रिट याचिका के 10 मामले, आपराधिक रिट के पांच मामले तथा अन्य श्रेणियों के मामले शामिल हैं।

हाई कोर्ट के की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मुख्य मामलों में 809 और विविध मामलों में 44 मामलों का निस्तारण किया गया। निष्पादित मामलों में नियमित जमानत याचिकाओं की संख्या सर्वाधिक रही। ग्रीष्म अवकाश के दौरान 26 मई, 29 मई, दो जून और चार जून को बड़ी संख्या में जमानत और अग्रिम जमानत याचिकाओं की सुनवाई हुई। इस कोर्ट में 18 मई से चार जून तक कुल 891 मामले सूचीबद्ध किए गए थे। इनमें 29 मई को सबसे अधिक 331 मामले सूचीबद्ध हुए, जबकि 26 मई को 224, दो जून को 180 और चार जून को 152 मामलों की सुनवाई के लिए सूची जारी की गई थी।

सूचीबद्ध मामलों में नियमित जमानत और अग्रिम जमानत याचिकाओं का अनुपात सबसे अधिक रहा।

फायरिंग के आरोप में दो लोग धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना में खान सर के कोचिंग सेंटर पर 2 जून की रात हुई फायरिंग के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। इस पूरे विवाद से जुड़ा एक नया वीडियो सामने आया है, जिसे ज्ञान बिंदु कोचिंग की ओर से जारी किया था। वीडियो के जरिए दावा किया गया कि हंगामे के दौरान फायरिंग किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि खुद खान सर के सुरक्षाकर्मियों ने ही की थी। यह वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन तुरंत एक्शन में आ गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फायरिंग करने वाले खान सर के दोनों सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, इस मामले में खुद खान सर की मुश्किलें भी बढ़ती दिख रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक पटना पुलिस ने खान सर को थाना पर बुलाया और वहीं उनसे पूछताछ कर रही है।

झारखंड फिल्म फेस्टिवल-2026 में फिल्म जमा करने की तिथि निर्धारित

विजेताओं को किया जायेगा पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। चित्रपट झारखंड के तत्वावधान में तीन दिवसीय झारखंड फिल्म फेस्टिवल-2026 का आयोजन 26 से 28 जून तक रांची स्थित सरला बिरला यूनिवर्सिटी परिसर में किया जाएगा। फेस्टिवल के माध्यम से झारखंड के उभरते फिल्मकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा राज्य की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का अवसर मिलेगा।

गुरुवार को शहर के ज्योति लोक में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन समिति के सचिव सह फिल्मकार पुलिन मित्रा व सदस्य नवीन कुमार सहाय ने ने बताया कि फेस्टिवल में केवल एक जुलाई 2023 के बाद निर्मित फिल्मों को ही शामिल किया जाएगा। फिल्मों को जमा करने की अंतिम तिथि 10 जून निर्धारित की गई है, जबकि चयनित फिल्मों की सूची 15 जून को जारी की जाएगी। प्रतियोगिता में लघु फिल्म (20 मिनट), वृत्तचित्र (30 मिनट) और कैंपस फिल्म (15 मिनट) की श्रेणियां रखी गई हैं।

झारखंड के इतिहास, जनजातीय समाज, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नशामुक्ति, खेल, पलायन और भ्रष्टाचार जैसे विषयों पर आधारित फिल्में प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगी।

उन्होंने बताया कि लघु फिल्म और वृत्तचित्र श्रेणी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः 35 हजार, 25 हजार और 15 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। वहीं कैंपस फिल्म श्रेणी में विजेताओं को 20 हजार, 15 हजार और 10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। यह फेस्टिवल राज्य के फिल्म निर्माण क्षेत्र को नई पहचान देने के साथ-साथ युवा रचनाकारों को अपनी सृजनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराएगा।

गर्मी से सड़कें हो रहीं सूनी

बेतिया । बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान और उमसभरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण सड़कें लगभग सुनी नजर आ रही हैं।

घर से बाहर निकलने वाले लोग सिर और चेहरे को कपड़े से ढंककर चलने को मजबूर हैं। गुरुवार को रास्ते में तेज धूप से बचने के लिए महिलाएं अपने चेहरे को साड़ी और दुपट्टे से ढंककर सड़क पार करती दिखाई दिए। जबकि, बुजुर्ग व बच्चों को दोपहर में बाहर निकलने से परहेज किया। बादलों की आवाजाही के बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिली। दिन चढ़ने के साथ ही धूप की तपिश बढ़ती गई।

महाराष्ट्र पुलिस ने दो साइबर ठगों को दबोचा

दोनों को ले गयी अपने साथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। साइबर ठगी के एक मामले में महाराष्ट्र के पालघर थाना की पुलिस धनबाद पहुंची। यहां सरायढेला थाना की पुलिस के सहयोग से टीम ने दो युवकों को गिरफ्तार कर अपने साथ महाराष्ट्र ले गई।

गिरफ्तार युवकों की पहचान गोविंदपुर के गोसाईडीह निवासी राजू रवानी और मनोरम नगर निवासी बलवंत कुमार के रूप में हुई है। दोनों को सरायढेला स्थित जिमखाना के पास से पकड़ा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, साइबर ठगी से जुड़े मामले की जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों युवकों की संलिप्तता सामने आई थी।

जांच में यह भी पता चला कि ठगी की रकम इनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। इसी आधार पर महाराष्ट्र पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद महाराष्ट्र पुलिस दोनों आरोपितों को अपने साथ पालघर ले गई। वहां उनसे मामले में पूछताछ की जाएगी। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ से साइबर ठगी नेटवर्क और धन के लेन-देन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

गर्मी का सितम जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। मई के अंतिम सप्ताह में आई आंधी और बारिश से मिली राहत अब धीरे-धीरे खत्म होती दिख रही है। मौसम का मिजाज फिर गर्म हो गया है और तापमान लगातार ऊपर चढ़ रहा है।

महज एक सप्ताह पहले 29 मई को तेज आंधी और वर्षा के बाद जिले का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, लेकिन अब यह बढ़कर 39 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच चुका है। यानी सात दिनों के भीतर पारा करीब 10 डिग्री सेल्सियस चढ़ गया है। गुरुवार को दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। शाम छह बजे तक भी तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हवा की गति महज आठ किलोमीटर प्रति घंटा रहने और औसत आर्द्रता 41 प्रतिशत तक सिमट जाने से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। दिनभर चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल रखा। बिजली की लगातार आंख-मिचौली ने परेशानी और बढ़ा दी।

महज पांच घंटे में अपहृत को गढ़वा पुलिस ने किया सकुशल बरामद

दो चढ़े पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। अपहरण के महज पांच घंटे के भीतर ही पुलिस ने अपहृत मुरारी तिवारी को सकुशल बरामद कर दो अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपहरणकताओं को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इसकी जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकार वार्ता के दौरान दी। एसडीपीओ ने बताया कि गत तीन जून को पुलिस अधीक्षक गढ़वा को सूचना मिली कि एक व्यक्ति मुरारी तिवारी जो एलएनटी कंपनी में पाइप फिटर के पद पर कार्यरत हैं, उनका अपहरण अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा कर फिरौती की मांग की जा रही है।

सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक द्वारा एसडीपीओ को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक से मिले निर्देश के आलोक में एसडीपीओ ने तकनीकी साक्ष्य एकत्रित कर एक छापेमारी टीम का गठन किया। एसडीपीओ ने बताया कि तकनीक साक्ष्य के आधार पर मझिआंव थाना क्षेत्र के चंदना गांव में छापेमारी की गई तथा शेख अंसार व नदीम खान को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। पुछताछ के दौरान दोनों ने अपहत मुरारी तिवारी के स्वजनों से स्कैनर के माध्यम से 30,000 रुपये लेने की बात स्वीकार करते हुए अपहरण व फिरौती कांड में शामिल अन्य अपहरणकर्ताओं का नाम बताया।

तत्पश्चात शेख अंसार पिता शेख तसउवर व नदीम खान पिता शमीम खान दोनों ग्राम चंदना, थाना मझिआंव को विधिवत गिरफ्तार कर थाना लाया गया। इधर बढ़ते पुलिसिया दबाव के कारण अपहरणकर्ता अपहत 32 वर्षीय मुरारी तिवारी पिता राम नरेश तिवारी को छोड़कर भाग गए। इस तरह घटना के पांच घंटे के भीतर मुरारी तिवारी को चंदना और रमना के बीच से सकुशल बरामद कर लिया गया। मुरारी तिवारी के बयान पर धुरकी थाना में मामला दर्ज कर पुलिस अनुसंधान प्रारंभ कर दी है।

मुरारी तिवारी ने बताया कि गत तीन जून को सेंट्रल बैंक आफ इंडिया शाखा सगमा के पास काम करा रहे थे, तभी करीब 2:30 बजे एक सफेद बोलेरो में आए चालक सहित 6 अपराधकर्मियों के द्वारा अपहरण कर लिया गया

तथा साढ़े सात लाख रुपये की फिरौती की मांग की जाने लगी।

बकौल मुरारी तिवारी इस बीच स्वजनों से अपहरणकताओं के द्वारा स्कैनर के माध्यम से 30,000 रुपये ले लिया गया। बढ़ते पुलिसिया दबाव के कारण सभी अपराधकर्मी छोड़कर भाग गए। गिरफ्तार अपहरणकताओं के पास से पुलिस ने दो मोबाइल बरामद किया है।

छापेमारी दल में एसडीपीओ के अलावे जितेंद्र कुमार आजाद, पुलिस निरीक्षक श्री बंशीधर नगर, बृज कुमार, पुलिस निरीक्षक मझिआंव, रजनी रंजन, थाना प्रभारी भवनाथपुर, अमित कुमार, थाना प्रभारी मझिआंव, पुअनि नसीम अंसारी, ओपी प्रभारी हरिहरपुर, पुअनि सुभाष कांत अकेला, धुरकी थाना, पुअनि शेखर कुमार धुरकी थाना व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

मालगाड़ी के डीरेल होने से यातायात प्रभावित

आज भी रांची-सासाराम सवारी ट्रेन रहेगी रद्द, कई ट्रेनों के रूट बदले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद रेल मंडल के राजहरा रेलवे स्टेशन के समीप एक लंबी मालगाड़ी (लान्ग हाल) के 15 वैगन पटरी से उतर गए। मालगाड़ी के डिरेल होने का असर यात्री ट्रेनों पर साफ देखने को मिला। गुरुवार को हुई दुर्घटना के कारण रांची-सासाराम सवारी गाड़ी रद कर दी गई, जिससे रांची रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे की ओर से सूचना विलंब से मिलने के कारण कई यात्री स्टेशन पहुंच चुके थे। ट्रेन रद होने की जानकारी मिलने के बाद यात्रियों में नाराजगी और मायूसी देखी गई।

बताया गया कि धनबाद रेल मंडल के रजौरा स्टेशन के समीप 116 वैगन वाली लांग हाल मालगाड़ी के 15 वैगन पटरी से उतर गए। हादसा उस समय हुआ जब मालगाड़ी को अप लाइन (तीसरी लाइन) से रिवर्सिबल लाइन पर डायवर्ट किया जा रहा था। दुर्घटना में रेलवे ट्रैक के साथ-साथ ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) पोल और विद्युत तार भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसके बाद रेल परिचालन बाधित हो गया।

रांची-सासाराम ट्रेन रद होने की सूचना मिलते ही स्टेशन पर कई यात्री टिकट लेकर प्लेटफार्म तक पहुंच चुके थे। कुछ यात्रियों को मजबूरी में दूसरी ट्रेनों से सफर करना पड़ा, जबकि कई यात्री टिकट रद कराकर वापस लौट गए।

यात्रियों का कहना था कि यदि समय पर सूचना मिल जाती तो उन्हें स्टेशन तक आने की परेशानी नहीं उठानी पड़ती। रेलवे अधिकारियों

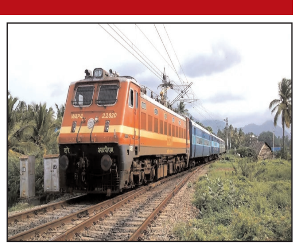

के अनुसार ट्रैक मरम्मत और ओएचई दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। दुर्घटनास्थल पर एआरटी और क्रेन भेजी गई है ताकि जल्द से जल्द रेल सेवा बहाल की जा सके।

रांची-सासाराम सवारी गाड़ी शुक्रवार को भी रद रहेगी। वहीं कई अन्य ट्रेनों के मार्ग में भी परिवर्तन किया गया है। रांची-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग से चलाया गया।

हरियाली रिपोर्ट में उभरा जमुई

जमुई। बिहार के वन मानचित्र पर जमुई जिले ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारतीय वन सर्वेक्षण की हालिया रिपोर्ट में जमुई को राज्य का तीसरा सबसे अत्यंत सघन वन वाला जिला घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ जमुई बिहार के सर्वाधिक हरित जिलों की श्रेणी में शामिल हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार अत्यंत सघन वन श्रेणी में पश्चिमी चंपारण पहले स्थान पर, मुंगेर दूसरे स्थान पर, जमुई तीसरे स्थान पर और लखीसराय चौथे स्थान पर है। 70 प्रतिशत या उससे अधिक वृक्ष आच्छादन वाले क्षेत्रों को इस श्रेणी में रखा जाता है।

जिला वन पदाधिकारी के अनुसार पिछले चार वर्षों में जिले के पांच वन प्रक्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और संरक्षण कार्य किए गए हैं। क्षतिपूरक वनरोपण योजना, जल-जीवन-हरियाली अभियान और प्राकृतिक वनों के विकास जैसे कार्यक्रमों के तहत अब तक 21 लाख 24 हजार 862 पौधे लगाए जा चुके हैं। वर्षवार आंकड़ों के अनुसार 2022 में 5,53,408 पौधे, 2023 में 3,24,500 पौधे, 2024 में 5,16,530 पौधे और 2025 में 7,30,432 पौधे लगाए गए।

महिलाओं के लापता होने के मामलों में वृद्धि से परिजन हो रहे सशंकित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। देवघर जिले में पिछले कुछ दिनों से महिलाओं, युवतियों और किशोरियों के लापता होने के मामलों में अचानक तेजी आई है। खासकर पिछले दो दिन की चार घटनाएं पेरेंट्स को चिंता में डालनेवाली है।

इन घटनाओं के पीछे समलैंगिक संबंध, प्रेम प्रसंग और मोबाइल फोन व इंटरनेट के जरिए अजनबियों से दोस्ती जैसी चौंकाने वाली वजहें सामने आ रही हैं। मधुपुर से लेकर जसीडीह तक, पुलिस लगातार इन मामलों को सुलझाने और लापता लोगों की बरामदगी में जुटी है।

मधुपुर थाना क्षेत्र से लापता हुई एक युवती का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जो सीधे तौर पर समलैंगिक संबंधों से जुड़ा है। मधुपुर के मीना बाजार मोहल्ले में किराए के मकान में रहने वाली बंगाल की एक युवती से स्थानीय युवती की दोस्ती हुई थी।

देखते ही देखते यह दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद सहेली उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले भागी। परिजनों की शिकायत पर मधुपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की। पुलिस को पता चला कि युवती गुजरात के कच्छ में है।

मधुपुर पुलिस तुरंत गुजरात पहुंची और वहां की स्थानीय पुलिस की मदद से युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया।

कानूनी प्रक्रिया पूरी कर युवती को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है, जबकि उसकी सहेली को अहमदाबाद में रहने वाले उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया है। इलाके में इस घटना की खूब चर्चा हो रही है। पिछले एक सप्ताह से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता है। युवती की शादी महज तीन महीने पहले हुई थी।

अचानक उसके लापता होने से मायके और ससुराल, दोनों पक्षों के लोग गहरे सदमे में हैं। मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

महिला के पास अपना कोई मोबाइल फोन नहीं है, जिसके कारण पुलिस को उसका सुराग लगाने यानी लोकेशन ट्रेस करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्राथमिक जांच के आधार पर पुलिस इसे प्रेम प्रसंग का मामला मान रही है। पुलिस ने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही महिला को बरामद कर लिया जाएगा, जिसके बाद ही पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी।

मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार- 2025-26 में गिरिडीह अव्वल

गिरिडीह। जिला के 228 विद्यालयों का चयन मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार- 2025-26 के लिए हुआ है। पूरे राज्य में इस पुरस्कार के लिए चयनित विद्यालयों की संख्या 2582 है। सर्वाधिक विद्यालय गिरिडीह जिला से ही हैं। इन विद्यालयों को मूल्यांकन के आधार पर राज्य, प्रमंडल, शहरी स्थानीय निकाय, प्रखंड और पंचायत स्तरीय पुरस्कार मिलना है। सभी स्तर के पुरस्कार की राशि अलग-अलग है। राज्य परियोजना निदेशक ने सभी उपायुक्त, डीडीसी, आरडीडीई, डीईओ और डीएसई को पत्र प्रेषित कर चयन से संबंधित जानकारी दी है। विद्यालयों का चयन उक्त पुरस्कार के लिए किया गया है। उक्त पुरस्कार के लिए गिरिडीह जिला से ही सबसे अधिक विद्यालयों का चयन किया गया है। गिरिडीह के आठ विद्यालयों का राज्य स्तरीय, दो का शहरी स्थानीय निकाय, 13 का प्रखंड स्तरीय और 205 का पंचायत स्तरीय पुरस्कार के लिए चयन हुआ है।

लापरवाही के आरोप में सिटी मैनेजर से कारण पृच्छा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। कार्य दायित्व में शिथिलता व लापरवाही बरतने के आरोप में जामताड़ा नगर पंचायत के सिटी मैनेजर शोकाज किया गया। वहीं वेतन स्थगित रखने का निर्देश कार्यपालक पदाधिकारी को दिया है। असामाजिक तत्वों द्वारा नगर भवन दुलाडीह के रास्ते में लगाई गई स्ट्रीट लाइट को तोड़ फोड़ देने के मामले में आवश्यक कार्रवाई करें। यह आदेश गुरुवार को डीसी आलोक कुमार ने नगर निकाय जामताड़ा व मिहिजाम के विकास कार्यों एवं संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान दिया।

कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान डीसी ने नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी से पिछले वित्तीय वर्ष एवं चालू वित्तीय वर्ष में ली गई योजनाओं, पूर्ण योजनाओं, लंबित योजनाओं आदि की जानकारी ली। इसके अलावा राजस्व संग्रहण की समीक्षा करते हुए होल्डिंग टैक्स, ट्रेड लाइसेंस एवं अन्य का वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध शत प्रतिशत राजस्व संग्रहण करने का निर्देश दिया।डीसी ने निर्देश देते हुए कहा कि अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। कोई भी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। साथ ही जो भी कार्य किए जा रहे हैं, उसे विभागीय गाइडलाइन के अनुरूप नियमानुसार पूर्ण कराएं। निविदा से जुड़ी प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता एवं सावधानी बरतें।नगर क्षेत्र में जो भी बड़ी योजनाएं संचालित हैं, उसका नियमित निरीक्षण नगर प्रशासक स्वयं करें। कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। योजना चयन में पारदर्शिता रखने, नियम विरुद्ध कार्य नहीं करने सहित अन्य दिशा निर्देश दिया गया।

डीसी ने कहा कि शहर को स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखने में नगर वासियों में अवेयरनेस फैलाएं, पब्लिक प्लेस पर गंदगी न फैलें।

एडीआरएम ने गोड्डा स्टेशन का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिये निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। मालदा डिवीजन के अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) अमरेन्द्र कुमार मौर्य ने कहा है कि अगले माह गोड्डा रेलवे स्टेशन में कोचिंग डिपो बन कर तैयार हो जाएगा।इससे यहां ट्रेनों के मेंटनेंस की समस्या दूर होगी। एडीआरएम मौर्य गुरुवार को अपनी टीम के साथ गोड्डा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यहां संचालित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

कहा कि गोड्डा रेलवे स्टेशन में आनेवाले दिनों में यात्री सुविधा बढ़ेगी। इसके साथ ही अब ट्रेनों का रखरखाव कार्य भी गोड्डा में ही होगा। इसके साथ ही अधिकारियों ने इस संभावना को भी तलाशा है कि अगर गोड्डा से चलने वाली ट्रेनें आगे किसी स्टेशन पर किसी दूसरे ट्रेन से मेल कर सकती है तो यात्री की सुविधा के लिए इसके लिए भी प्रयास होंगे।

गुरूवार को मालदा डिवीजन के अपर मंडल रेल प्रबंधक मौर्य अपनी टीम के साथ गोड्डा रेलवे स्टेशन के फ्लेट फार्म नंबर दो पर विशेष ट्रेन से पहुंचे। उन्होंने गोड्डा रेलवे स्टेशन में बन रहे कोचिंग डिपो व अन्य कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के उपरांत एडीआरएम ने कहा कि यह उनका सामान्य निरीक्षण है। जहां सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। सुरक्षात्मक रूप से ट्रेन परिचालन को भी देखा जा रहा है। कहा कि आनेवाले दिनों में गोड्डा यात्री सुविधा और बढ़ेगी इसके साथ ही अब ट्रेन का रखरखाव कार्य भी गोड्डा में ही होगा।

बताया कि कोचिंग डिपों का काम लगभग माह भर में पुरा हो जायेगा संभावना है कि जुलाई में यह कार्य करने लगेगा इससे गोड्डा से खुलनेवाली यात्री ट्रेन का मेंटनेंस अब गोड्डा में ही होगा बताया कि फिलहाल गोड्डा से खुलनेवाली दो सप्ताहिक ट्रेन दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस व मुम्बई जानेवाली एलटीटी का मेंटनेंस भागलपुर में हो रहा है यहां कोचिंग पीट बन जाने से असुविधा दूर हो जायेगी।

एडीआरएम ने कहा कि जल्द ही गोड्डा स्टेशन पर रनिंग रूम का कार्य भी शुरू हो जायेगा इसके साथ ही प्लेटफार्म नंबर चार पर लिफ्ट लगाने का काम लगभग पूरा हो चुका है जल्द ही यह लिफ्ट चालू होगा साथ ही प्लेटफार्म चार पर यात्री शेड का भी निर्माण जल्द होगा। वही उन्होंने का कहा कि फ्लेटफार्म नंबर दो व तीन पर भी लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव है यात्री को ज्यादा से ज्यादा सुविधा देने का प्रयास रेलवे कर रही है।

वहीं उन्होंने कुछ लोगों द्वारा पूछ जाने कि गोड्डा से खुलनेवाली कई ऐसी ट्रेन है जहां इसका मेल अगर जसीडीह भागलपुर दुमका व हंसडीहा ट्रेन पर हो तो यात्री को और सुविधा मिल सकेगी। कहा कि लोग यह बतायें कि कौन ट्रेन का किससे मेल हो सकता है इस पर रेलवे मेल को लेकर आवश्यक पहल करेगी पहला प्रयास रेलवे का है कि यात्री को अधिक से अधिक सुविधा मिल सके।

मालूम हो कि गोड्डा में कोचिंग डिपो के चालू होने के बाद ट्रेन की संख्या में बढ़ोतरी के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि जुलाई के अंत तक कोचिंग डिपो पीट का पहले चरण का पूरा हो जायेगा। इससे गोड्डा से नई ट्रेन परिचालन की संभावना और बढ़ जायेगी ओर ट्रेन का रखरखाव भी हो सकेगा।

इसके साथ ही इससे भागलपुर कोचिंग डिपो पर लोड भी कम होगा जो ओवरलोड है। वही आनेवाले दिनों में दुमका-भागलपुर के बीच रेलवे के दोहरीकरण का भी काम होना है जिससे और व्यवस्था बेहतर होगी एडीआरएम के इसके बाद अडाणी पावर प्लांट के लिए रवाना हो गये।

सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, दो नाबालिग सहित पांच धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिले में पुलिस ने मानव तस्करी और देह व्यापार के संगठित नेटवर्क के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। एनएच-27 पर स्थित 'शाही रेस्ट हाउस' में चल रहे एक बड़े अंतरजिला सेक्स रैकेट का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने दो नाबालिगों समेत पांच युवतियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देश पर बुधवार रात चलाए गए इस विशेष ऑपरेशन के बाद गिरोह के संचालक पति-पत्नी समेत चार लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मधुबनी न्याय केंद्र और बिहार सेवा समिति से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता संजीव कुमार से इस अवैध धंधे की पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि हाईवे हवेली रेस्टोरेंट के पास सीमा चौक स्थित शाही रेस्ट हाउस में युवतियों और नाबालिग बच्चियों को बंधक बनाकर जबरन जिस्मफरोशी के दलदल में धकेला जा रहा है।

सॉफ्टबैंक ने लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में 3% से अधिक हिस्सेदारी 2,873 करोड़ में बेची

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रौद्योगिकी निवेशक सॉफ्टबैंक समूह ने चश्मा बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट

सॉल्यूशंस में अपनी 3.25 प्रतिशत हिस्सेदारी बुधवार को खुले बाजार के सौदे के जरिये 2,873 करोड़ रुपए में बेच दी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर उपलब्ध थोक सौदों के आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक ने अपनी सहयोगी कंपनी एसवीएफ लाइटबल्ब (केमैन) लिमिटेड के माध्यम से लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में 3.25 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 5,65,00,000 शेयर बेचे। यह औसतन 508.55 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए, जिससे सौदे का मूल्य 2,873.30 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद अब सॉफ्टबैंक की सहायक कंपनी के माध्यम से लेंसकार्ट में उसकी हिस्सेदारी 13.13 प्रतिशत से घटकर 9.88 प्रतिशत रह गई।

सरकार की पॉलिसी पड़ गई उलटी, टॉप इकोनॉमिस्ट ने कहा- कड़वे सच को स्वीकार करना होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत खुद को दुनिया के सबसे बड़े इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के तौर पर पेश करता है। लेकिन, जाने-माने अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला का कहना है कि भारत को एक कड़वे सच को स्वीकार करना होगा। आईएमएफ में भारत, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुरजीत भल्ला ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' में अपने एक लेख में कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में कई सालों से गिरावट आ रही है। इसकी वजह ग्लोबल अनिश्चितताएं नहीं हैं। उनके मुताबिक, इस समस्या की जड़ में 2015 की एक निवेश संधि है। नई दिल्ली को इस 'खामियों वाले सिस्टम' को सिर्फ सजाने-संवारने के बजाय इंडोनेशिया से सही सबक सीखना चाहिए। पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने समझाया कि यह भारत के विवाद-समाधान ढांचे को लेकर निवेशकों की चिंताओं का संकेत है। 2015 का 'इंडिया मॉडल बाइलेट्रल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी' 'व्हाइट इंडस्ट्रीज' मध्यस्थता मामले की वजह से अस्तित्व में आया था। इस मामले में भारतीय अदालतों की ओर से कई सालों तक विवाद का निपटारा न कर पाने के बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को मामला सौंपा गया था। भल्ला ने कहा, 'इस शर्मिंदगी पर भारत की प्रतिक्रिया यह थी कि उसने 2025 में एक नया पारित किया। यह किसी भी सरकार की ओर से पारित अब तक का सबसे ज्यादा रिस्ट्रिक्टवि मॉडल है जो 'रक्षात्मक राज्य संरक्षण' का नमूना है।' इस संधि के अनुसार, निवेशकों के लिए यह जरूरी है कि वे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का सहारा लेने से पहले देश के भीतर उपलब्ध सभी कानूनी उपायों को आजमा लें।

नवरत्न कंपनी बीईएल में मिला बड़ा ऑर्डर, डिफेंस कंपनी का शेयर बन गया रॉकेट

नईदिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर एक बड़ा ऑर्डर मिलते ही रॉकेट बन गए हैं। पारस डिफेंस के शेयर गुरुवार को में 7 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 904.65 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पारस डिफेंस को यह ऑर्डर नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से मिला है। पिछले 3 साल में डिफेंस कंपनी के शेयरों में 235 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज अपने शेयरों का बंटवारा भी कर चुकी है। डिफेंस कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज को नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम्स की सप्लाई करने के लिए ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की वैल्यू 52.82 करोड़ रुपये है। पारस डिफेंस के मुताबिक, कंपनी को यह ऑर्डर सितंबर 2027 से पहले पूरा करना है। डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन से एयर डिफेंस एप्लीकेशंस के लिए हाई-प्रिसीशन ऑप्टिकल सिस्टम डिवेलप करने के लिए ऑर्डर मिला था।

फिजिक्सवाला छात्र वित्तपोषण कारोबार से बाहर निकलेगा

अब एनबीएफसी के साथ करेगा साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह छात्रों को सीधे वित्तपोषण (ऋण देने) के कारोबार से बाहर निकलने की योजना बना रही है और अब शिक्षा ऋण के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के साथ साझेदारी करेगी। यह कदम कंपनी की उस हालिया घोषणा के बाद आया है, जिसमें उसने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी फिनज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में 120 करोड़ रुपए के इक्विटी निवेश की बात कही थी।

कंपनी ने कहा, फिजिक्सवाला लिमिटेड अपनी ऋण रणनीति का पुनर्गठन कर रही है और छात्र ऋण की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई प्रमुख विनियमित तृतीय-पक्ष एनबीएफसी के साथ उसने समझौता किया है। यह निर्णय कंपनी के पहले के दृष्टिकोण को उलटता है और इसका उद्देश्य बही-खाते और ऋण से जुड़े जोखिमों को काफी कम करना है। फिजिक्सवाला के अनुसार, फिनज फाइनेंस की रणनीतिक दिशा का

निर्णय निदेशक मंडल और अन्य नियामकीय मंजूरियों के बाद निकट भविष्य में किया जाएगा। पीडब्ल्यू के सह-संस्थापक प्रतीक माहेश्वरी ने कहा, हमें अपने साझेदारों से यह प्रतिक्रिया मिली कि हमारी मुख्य ताकत समुदाय बनाना और ऑनलाइन कारोबार है। ऋण कारोबार को उन विनियमित एनबीएफसी के पास ही रहना चाहिए जिनकी अंडरराइटिंग क्षमता मजबूत है। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन और शेयरधारक मूल्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और साझेदारों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर हमने अपने इस निर्णय की पुनर्समीक्षा की है तथा अब छात्र ऋण के लिए एनबीएफसी के माध्यम का विकल्प चुना है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी फिनज फाइनेंस को लेकर कई विकल्पों पर विचार कर रही है, जिसमें उसकी बिक्री या लाइसेंस सरेंडर करना भी शामिल है।

यूजर्स की सहमति के बिना लिया 10 का दान

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने एडटेक कंपनी फिजिक्सवाला पर 5 लाख रुपये और साइबर सिक्योरिटी कंपनी मैक्एफ़ी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों पर डार्क पैटर्न का इस्तेमाल करने का आरोप है। डार्क पैटर्न का मतलब है वेबसाइट या ऐप का ऐसा धोखेबाज डिजाइन, जिसके जरिए यूजर्स को ऐसे काम करने के लिए मजबूर किया जाता है, जो वे नहीं करना चाहते। फिजिक्सवाला पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है जबकि 1 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई गई है। कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म से ऐसी चीजों के तुरंत हटाने का निर्देश दिया गया है। नवंबर 2023 में डार्क पैटर्न की रोकथाम और रेगुलेशन के लिए गाइडलाइंस जारी की थीं।

अब कंबोडिया में भी यूपीआई, दुनिया के 8 देशों में यह सर्विस बढ़ा रही भारत का रुतबा

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले ही आठ देशों में पहुंच चुकी भारतीय यूपीआई सर्विस अब कंबोडिया में भी अपना जलवा बिखरेगी। इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने कंबोडिया में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई की सुविधा शुरू करने के लिए साझेदारी की है। यह पार्टनरशिप के साथ की गई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की इंटरनेशनल शाखा है। यह साझेदारी नोम पेन्ह में एक औपचारिक समारोह के बाद शुरू हुई। इसमें नेशनल बैंक ऑफ कंबोडिया की गवर्नर डॉ. चिया सेरे और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम ने बेकोंग के केएचक्यूआर के जरिए दोनों देशों के बीच सीमा-पार क्यूआर पेमेंट लिंक स्थापित करने के पहले चरण के पूरा होने का संकेत दिया। केएचक्यूआर कंबोडिया का नेशनल क्यूआर कोड है। पहला चरण लाखों भारतीय यात्रियों को 45 लाख से ज्यादा कंबोडियाई व्यापारियों के पास आसानी से क्यूआर पेमेंट करने की सुविधा देता है। इसके बाद एक दोतरफा कॉरिडोर भी शुरू किया जाएगा। जहां पहला चरण आने वाले भारतीय यात्रियों को प्राथमिकता देता है। वहीं यह साझेदारी विशेष रूप से बड़े पैमाने पर विस्तार करने के लिए डिजाइन की गई है। अगले चरण में यह कॉरिडोर पूरी तरह से दोतरफा हो जाएगा। भारत आने वाले कंबोडियाई नागरिक जल्द ही अपने घरेलू बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट ऐप्स का इस्तेमाल करके पूरे भारत में लाखों यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन कर पाएंगे।

ब्रोकरेज भी गदगद

नए बिजनेस में एंट्री लेगी सुजलॉन एनर्जी, शेयर पर टूट पड़े निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर पोर्टफोलियो में सुजलॉन एनर्जी के शेयर हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, सुजलॉन एनर्जी ने कारोबार विस्तार का ऐलान किया है। सुजलॉन 2.0 के तहत कंपनी अब केवल विंड टरबाइन निर्माता नहीं रहेगी बल्कि सोलर, बैटरी एनर्जी

स्टोरेज सिस्टम और अन्य रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्युशंस में भी विस्तार करेगी। कंपनी की इस घोषणा के बाद गुरुवार को सुजलॉन के शेयरों में 3 फीसदी की तेजी देखी गई। हालांकि, ब्रोकरेज का अनुमान है कि यह शेयर अभी और मुनाफा देगा। आइए डिटेल जान लेते हैं। बीएसई पर 54.38 रुपये की पिछली क्लोजिंग के बाद गुरुवार को शेयर 55.75 रुपये तक गया। यह करीब 3 पर्सेंट का उछाल है। ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल के अनुसार सुजलॉन के शेयर ?65 तक जा सकते हैं। यह करीब 20 फीसदी के उछाल का अनुमान है। जून 2025 में यह शेयर 69.48 रुपये तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मार्च 2026 में शेयर 38.17 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। पिछले एक वर्ष में शेयर में 17 फीसदी की गिरावट रही है, लेकिन तीन वर्षों में इसने 405 फीसदी और पांच वर्षों में 725 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है। सुजलॉन ने एक बयान में कहा कि कंपनी अब बैटरी स्टोरेज सहित कई नए व्यवसायों में प्रवेश करेगी। इसके साथ ही यह एक प्लेटफॉर्म भी शुरू करेगी, जिसके जरिये रिन्यूएबल एनर्जी की संभावनाओं को बड़े पैमाने पर परियोजनाओं में बदला जाएगा। इस प्लेटफॉर्म को कंपनी ने आरइ देवको नाम दिया है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि केवल इस देवको इकाई में वित्त वर्ष 2026-27 में 500 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके अलावा अन्य व्यवसाय क्षेत्रों में भी 600 से 700 करोड़ रुपये खर्च किया जाएगा। सुजलॉन ने अपने अगले पांच वर्षों के लक्ष्य भी साझा किए। इसके तहत कंपनी का लक्ष्य है कि उसकी वार्षिक रिन्यूएबल एनर्जी बिक्री चार गुना बढ़कर 10 गीगावाट तक पहुंच जाए और वर्ष 2031 तक कंपनी की ऑर्डर बुक 15 गीगावाट तक बढ़े। कंपनी का लक्ष्य सुजलॉन का लक्ष्य एफवाय31 तक 15 जीडब्लू का ऑर्डर बुक तैयार करना, भारतीय विंड एनर्जी बाजार में लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करना है। इसके अलावा, निर्यात बाजार से 3 जीडब्लू के ऑर्डर प्राप्त करना है। कंपनी को उम्मीद है कि उसका नया रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट बिजनेस आरई देवको अगले पांच वर्षों में कुल कारोबार का लगभग 60 फीसदी योगदान देगा।

हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 3 प्रतिशत उछले, कंपनी ने लॉन्च की भारत की पहली 100 सीसी फ्लेक्स-फ्यूल बाइक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के शेयर गुरुवार को करीब 3त्न तक चढ़ गए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 4,980 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। भारत की पहली 100 सीसी फ्लेक्स-फ्यूल बाइक की लॉन्चिंग के बाद निवेशक इस ऑटो स्टॉक पर टूट पड़े।

हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी लोकप्रिय कम्यूटर बाइक स्प्लेंडर प्लस फ्लेक्स फ्यूल और एचएफ डीलक्स फ्लेक्स ईंधन को लॉन्च किया है। ये दोनों मोटरसाइकिलें पेट्रोल के साथ 85त्न तक एथेनॉल मिश्रण पर चल सकती हैं। यह भारत में फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक वाली पहली 100 सीसी श्रेणी की मोटरसाइकिलें हैं।

फ्लेक्स-फ्यूल वाहन ऐसे इंजन से लैस होते हैं जो पेट्रोल और एथेनॉल के विभिन्न मिश्रणों पर चल सकते हैं। एथेनॉल एक बायो फ्यूल है, जो गन्ने और अन्य कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है। इसका इस्तेमाल पेट्रोल पर निर्भरता कम करने और प्रदूषण घटाने के लिए किया जाता है। इन मोटरसाइकिलों की लॉन्चिंग केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मौजूदगी में किया गया। सरकार लंबे समय से एथेनॉल बेस्ड फ्यूल को बढ़ावा देने की नीति पर काम कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प का यह कदम उसी दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक भारत में भविष्य की मोबिलिटी का अहम हिस्सा बन सकती है। इससे देश का तेल आयात बिल कम होगा, किसानों को एथेनॉल उत्पादन से फायदा मिलेगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। हीरो मोटोकॉर्प की शुरुआती बढ़त को बाजार ने सकारात्मक संकेत के रूप में लिया है।

भारत की ग्रीन मोबिलिटी की दिशा में बड़ा कदम

हीरो मोटोकॉर्प की नई फ्लेक्स-फ्यूल मोटरसाइकिलें देश में वैकल्पिक ईंधन आधारित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं। आने वाले समय में अन्य कंपनियां भी इस तकनीक को अपनाती हैं या नहीं, इस पर ऑटो सेक्टर की नजर रहेगी।

हवाई जहाज व ट्रक की तरह अब मालगाड़ी भी किराये पर मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। किराये पर ट्रक लेकर या हवाई जहाज लेकर उसे ऑपरेट करने का काम काफी पहले से हो रहा है। लेकिन मालगाड़ी के क्षेत्र में लीजिंग सिस्टम भारत में नहीं था। अब वह भी शुरू हो रहा है। मतलब कि भारतीय रेल से लेकर कोई भी कंपनी किराये पर मालगाड़ी लेकर उसे ऑपरेट कर सकेगी।

किसने की है शुरुआत: रेलवे के वैगन बनाने वाली कोलकाता की एक कंपनी है टैक्समेको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड इसी ने फ्रांस की लीजिंग कंपनी और नॉर्थ अमेरिकी ग्रुप के साथ हाथ मिलाया है। यहां जारी एक बयान के मुताबिक जो सहायक कंपनी है, ने घोषणा की है। उनके विश्वस्तरीय रेलकार लीजिंग संयुक्त उद्यम में शामिल हो गई है। रेलवे के मैकेनिकल डिपार्टमेंट से रिटायर एक सेक्रेटरी स्तर के अधिकारी ने बताया कि इसे भारतीय रेलवे में भी प्राइवेटाइजेशन की शुरुआत मान सकते हैं। अभी तक मालगाड़ी के डिब्बे रेलवे की संपत्ति होती थी। उसकी खरीद रेलवे की तरफ से होता है,

उसका मेंटनेंस और रिपेयरिंग भी रेलवे की तरफ से ही किया जाता है। प्राइवेट लीजिंग कंपनी के आ जाने के बाद से रेलवे इन सब झंझटों से दूर हो जाएगी क्योंकि यह सब काम प्राइवेट कंपनी का ही होगा। चेयरमैन सरोज कुमार पोद्दार ने बताया 'यह साझेदारी भारत के मालगाड़ी रेल इकोसिस्टम के लिए एक निर्णायक क्षण है। लीजिंग विशेषज्ञता, की वैश्विक रेल तकनीकी नेतृत्व क्षमता और की निर्माण एवं बाजार ताकत को मिलाकर हम एक स्केलेबल, मजबूत और वैश्विक मानकों पर आधारित प्लेटफॉर्म बना रहे हैं। यह भारत के दीर्घकालिक लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें माल परिवहन में रेल की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।' यह साझेदारी भारत के मालगाड़ी रेल इकोसिस्टम के लिए एक निर्णायक क्षण है। लीजिंग विशेषज्ञता, की वैश्विक रेल तकनीकी नेतृत्व क्षमता और की निर्माण एवं बाजार ताकत को मिलाकर हम एक स्केलेबल, मजबूत और वैश्विक मानकों पर आधारित प्लेटफॉर्म बना रहे हैं। इस साझेदारी को भारत में रेल ट्रांसपोर्ट के लिए फायदेमंद बताया जा रहा है। दरअसल, यह डेवलपमेंट ऐसे समय में हुआ है जबकि भारत माल परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहता है।

चढ़ता ही जा रहा है क्रूड, दिल्ली में पेट्रोल 102 तो डीजल 95 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूड ऑयल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा हुआ है। हालांकि, इंडियन बॉस्केट क्रूड के दाम में दो दिनों से कोई परिवर्तन नहीं दिखा है। शायद इसका ही असर है कि भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी गुरुवार, 4 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। बीते 12 दिनों से इसके दाम स्थिर हैं।

11 दिनों में 4 बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम: पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। कच्चा तेल का ग्लोबल बाजार बुधवार को गरम ही रहा था। इसके बाद गुरुवार की सुबह इस बाजार में जो शुरुआती रूझान दिखे, उसमें मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में 1.89 फीसदी की बढ़ोतरी दिख रही है। सुबह के कारोबार में यह 97.81 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता दिख रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में भी 0.69 फीसदी की तेजी दिख रही है। इस समय यह 95.36 प्रति बैरल पर ट्रेड होता दिख रहा है। हां, इंडियन बॉस्केट क्रूड के भाव में पिछले दो दिनों से कोई बदलाव नहीं दिखा है और यह अभी भी 96.12 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड होता दिख रहा है। पेट्रोल-डीजल के भाव जब भी बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप स्स्र के जरिए भी जान सकते हैं।

डीजल की कीमत क्या है

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

99 प्रतिशत बढ़ाकर दिखाया रेवेन्यू! राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर हुए धड़ाम, सेबी ने लगाया मालिक पर बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की रिफाइनिंग और जूलरी मेकिंग कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर आज बाजार खुलते ही लोअर सर्किट पर पहुंच गया। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने कंपनी और उसके प्रमोटर राजेश मेहता के खिलाफ एक अंतरिम आदेश जारी किया है। कंपनी पर बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं, जांच के दौरान सहयोग न करने और कंपनी के रेवेन्यू को 97 से 99 प्रतिशत तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप है। सेबी ने अगले आदेश तक राजेश मेहता को कंपनी के शेयर खरीदने, बेचने या किसी भी तरह का लेन-देन करने से रोक दिया है।

राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 110.15 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 5 फीसदी गिरावट के साथ 104.65 रुपये पर खुला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 239 रुपये और न्यूनतम स्तर 80.11 रुपये है। सेबी ने 3 जून को जारी अंतरिम आदेश में कहा कि उसकी जांच और फोरेंसिक जांच में वित्तीय अनियमितताओं के कई प्रमाण मिले हैं। कंपनी ने अपना रेवेन्यू 97-99 प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया। रेगुलेटर ने इसे बेहद गंभीर और अभूतपूर्व मामला बताया है।

क्या है मामला

सेबी ने कंपनी को जांचकर्ताओं के साथ सहयोग करने और अपने वित्तीय विवरणों तथा संबंधित पक्षों के साथ किए गए लेन-देन की सही जानकारी देने को कहा है। मार्च 2024 में सेबी को एक शिकायत मिली थी। इसमें कंपनी के खातों में दिखाए गए बड़े पैमाने

पर ट्रेड रिसीवेबल्स पर चिंता जताई गई थी। सेबी ने अप्रैल 2020 से मार्च 2024 के बीच की अवधि को कवर करते हुए एक विस्तृत जांच शुरू की। साथ ही फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया।राजेश एक्सपोर्ट्स एनएसई तथा बीएसई दोनों पर लिस्टेड है। कंपनी घरेलू और विदेशी बाजारों में सोने के उत्पादों की मार्केटिंग करती है। साथ ही शुभ जूलर्स ब्रांड के तहत आभूषणों के आउटलेट चलाती है। स्विट्जरलैंड में राजेश एक्सपोर्ट्स की सहायक कंपनियों की वित्तीय रिपोर्टिंग की भी जांच की। राजेश मेहता को कंपनी की सिक्योरिटीज में लेन-देन करने से रोकने के अलावा ने राजेश एक्सपोर्ट्स 30 दिन के भीतर सारी जानकारी देने को का है।

सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं स्नेहा उल्लाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने हाल ही में अपने करियर और निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही ऐश्वर्या राय से उनकी तुलना होने पर भी खुलकर चर्चा की।

इंटरव्यू में स्नेहा ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का ऑफर मिला, तब वो सिर्फ 17 साल की थीं और हाल ही में कॉलेज में एडमिशन लिया था। उसी दौरान उनकी मां कैंसर का इलाज करवा रही थीं। घर का माहौल काफी उदास था। ऐसे में उन्होंने ये फिल्म सिर्फ इसलिए साइन की ताकि परिवार का ध्यान थोड़ी देर के लिए उस मुश्किल समय से हट सके। उन्होंने कहा, 'मां को घूमना-फिरना बहुत पसंद था, इसलिए मैंने इस ऑफर को हां कह दिया। उस फैसले ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी, चाहे मुझे एक्टिंग में दिलचस्पी थी या नहीं।' स्नेहा ने यह भी माना कि रातोंरात मिली शोहरत की अपनी कीमत होती है। उन्होंने कहा कि स्टार बनने के बाद उनकी आजादी, कॉलेज लाइफ और टीनएज सब कहीं पीछे छूट गया। उन्होंने कहा, 'मैं 16 साल की उम्र से सीधे बड़ी हो गई। उस समय समझ नहीं आया, लेकिन अब एहसास होता है कि मैंने बहुत कुछ मिस किया।'

बातचीत में स्नेहा ने ऐश्वर्या राय बच्चन से होने वाली तुलना पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड बनी थीं, तभी से लोग कहते थे कि दोनों की शक्ल काफी मिलती है। बाद में सलमान खान के साथ डेब्यू करने की वजह से लोगों ने अलग-अलग बातें बनानी शुरू कर दीं, लेकिन मैं उस समय बहुत छोटी थी, इसलिए इन चीजों का मुझ पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। वर्कफ्रंट की बात करें तो बॉलीवुड के बाद स्नेहा ने साउथ फिल्मों में भी काम किया। अब वो धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। स्नेहा का कहना है कि वो इंडस्ट्री में अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और अब उन्हें साफ पता है कि वो किस तरह की एक्ट्रेस बनना चाहती हैं।

मगर मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।'

साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

बाबिल खान ने शुरू की इस मलयालम फिल्म की शूटिंग

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है।

मलयालम सिनेमा से प्रभावित हैं बाबिल

अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं।

मलयालम सिनेमा की तारीफ की

उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

ईशा सिंह ने याद किए संघर्ष के दिन

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया, 'मुझे यहां पर बहुत अच्छे लोग मिले, जिन्होंने कभी यह एहसास होने नहीं दिया कि मैं बाहर से आई हूं। हां, शुरुआत में कुछ मुश्किलें आईं क्योंकि मैं बिल्कुल नई थी और काम सीख रही थी, लेकिन तब से लेकर अब तक मैंने एक लंबा सफर तय किया है। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया उसके लिए मैं उनकी शुक्रगुजार हूं। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब आईएएनएस ने अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं। आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है? अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

लस्ट स्टोरीज 3 में नजर आएंगी राधिका मदान; स्ट्रगल्स पर की खुलकर बात

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है।

'12वीं फेल' के हिट होने के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

फ्रेंच ओपनः अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- **फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक**

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

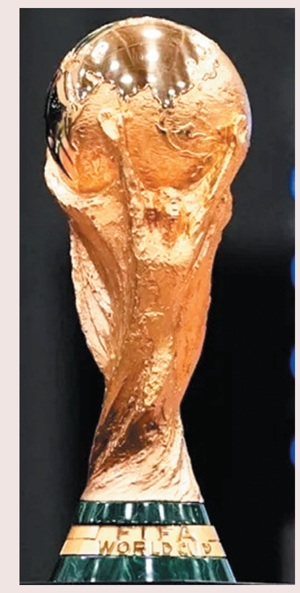

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह- उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।
भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में राजनीतिक दलों की भूमिका अहम

बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर जाकर उपलब्ध कराएंगे गणना प्रपत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। मतदाता सूची के गहन विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर -2026) को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिले के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और अद्यतन प्रक्रिया को लेकर विस्तृत चर्चा की गई उपायुक्त ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) प्रत्येक मतदाता के घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करेंगे। यदि कोई मतदाता घर पर नहीं मिलता है तो बीएलओ तीन बार संपर्क का प्रयास करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर दूरभाष के माध्यम से भी संपर्क स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर -2026 को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। किसी भी पात्र मतदाता का नाम जानबूझकर नहीं हटाया जाएगा। केवल मृत, डुप्लीकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित अथवा लंबे समय से अनुपस्थित मतदाताओं के नाम निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटाए जाएंगे। बैठक में राजनीतिक दलों से निर्धारित समय सीमा के भीतर बीएलए -2 की नियुक्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी और पारदर्शिता बनी रहे निर्वाचन विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम के अनुसार 20 जून से 29 जून तक प्रशिक्षण एवं मुद्रण कार्य, 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर सत्यापन अभियान तथा मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त 2026 को होगा। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जबकि उनका निष्पादन 3 अक्टूबर तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित होगी। बैठक में यह भी बताया गया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अनुपस्थित, मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित अथवा एक से अधिक स्थानों पर नामांकित मतदाताओं एएसडीडी की सूची तैयार की जा रही है। इस सूची को राजनीतिक दलों के उख्इ के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा तथा मतदान केंद्रों और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसलिए सभी राजनीतिक दल, बीएलओ बीएलए तथा आम मतदाता इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें, ताकि गिरिडीह जिले की मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बन सके बैठक में बहुजन समाज पार्टी, आजसू, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस, राजद, सीपीएम तथा आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधियों सहित निर्वाचन विभाग एवं जिला प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित थे।

26 से 28 जून तक होगा चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड के युवा फिल्मकारों और मास कम्युनिकेशन के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर लेकर चित्रपट झारखंड फिल्म फ़ेस्टिवल 2026 का आयोजन आगामी 26 से 28 जून तक सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची परिसर में किया जाएगा। यह तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव राज्य की फिल्म प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें एक सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस सिलसिले में आयोजन समिति के सचिव पुलिन मित्रा और नवीन सहाय ने गुरुवार सुबह 11 बजे पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के ज्योति लोक होटल में प्रेस को संबोधित किया। पुलिन मित्रा ने कहा कि फ़ेस्टिवल की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल झारखंड के फिल्मकारों द्वारा निर्मित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। चयनित फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग भी आयोजित होगी, जहां दर्शकों के साथ-साथ फिल्म विशेषज्ञों को भी इन रचनाओं को देखने और समझने का अवसर मिलेगा। इससे नए और उभरते फिल्मकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच प्राप्त होगा। लघु एवं वृत फिल्म के लिए 500-500 जबकि कैंपस फ़िल्म के लिए 250 रुपए पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है।

बाइक सवार युवक-युवती की सड़क हादसे में मौत

- तेज रफ्तार बाइक आई ट्रक की चपेट में
- मोरांगी के समीप हुआ भीषण सड़क हादसा
- पुलिस कर रही मामले की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। रांची-पटना मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक और युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोरांगी के समीप हुआ, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ट्रक की चपेट में आ गई। मृतकों की पहचान केशुरा घुघलिया निवासी तौफिक अंसारी (पिता- रियासत अंसारी) और रेशमा (पिता-जेनुअल) के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक तेज गति से हजारीबाग की ओर जा रही थी। मोरांगी के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से मोटरसाइकिल ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर ट्रक के नीचे आ गए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

परिजनों के मुताबिक रेशमा हजारीबाग के केबी महिला महाविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी और अपनी बहन के घर रह रही थी। वहीं तौफिक अंसारी अपने पिता के इलाज के सिलसिले में हजारीबाग आया था। बताया जाता है कि दोनों किसी काम से मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। मुफस्सिल थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

हजारीबाग पुलिस के विशेष अभियान में 31 गिरफ्तार

महिलाओं से संबंधित अपराधों और पॉक्सो मामलों में फरार आरोपियों पर पुलिस का शिकंजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। महिलाओं से संबंधित अपराधों एवं पॉक्सो मामलों में फरार चल रहे आरोपियों, वारंटियों और अभियुक्तों के विरुद्ध हजारीबाग पुलिस ने विशेष समकालीन छापेमारी अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 3 जून 2026 की रात्रि जिलेभर में यह विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के तहत जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षकों एवं पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में कुल 29 टीमों का गठन किया गया। इन टीमों में लगभग 87 पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर कुल 31 फरार अपराधियों एवं वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 31 वारंट एवं कुर्की आदेशों का भी निष्पादन किया गया। हजारीबाग पुलिस ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि यदि उनके क्षेत्र में कोई अपराधी गिरफ्तारी के डर से छिपा हुआ है या फरार चल रहा है, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाना को दें। सूचना प्राप्त होने पर उसका सत्यापन कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा तथा महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश से नाबालिग किशोरी बरामद

चौपारण पुलिस की तत्परता से परिजनों को मिली राहत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण थाना पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी की बरामदगी के मामले में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत के आधार पर दर्ज कांड में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किशोरी को उत्तर प्रदेश से सकुशल बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार, चौपारण थाना क्षेत्र की निवासी एक महिला ने ने 17 मई 2026 को अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की सूचना देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं का विश्लेषण किया। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के दुर्गागंज थाना क्षेत्र पहुंची, जहां से किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बरामदगी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। किशोरी का बयान दर्ज करने एवं अन्य औपचारिकताओं के उपरांत उसे परिजनों को सौंपा जाएगा। वहीं, मामले में शामिल संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नाबालिगों से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है तथा इस प्रकरण में भी सभी तथ्यों की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ के बाद इलाके में तनाव, पुलिस बल तैनात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के तीनमहुआ गांव में हुड़दंगीयों के द्वारा एक धार्मिक स्थल को नुकसान पहुंचाने के बाद दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना पाकर जमुआ थाना पुलिस के अलावा जिला पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। घटना में एक चौकीदार के भी घायल होने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिबंधित पशु का कटा हुआ सर पाए जाने के बाद से ही दो समुदाय के बीच तनाव की स्थिति थी। इसके बाद धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ की घटना हुई है। घटना के बाद गिरिडीह एसपी डा. विमल कुमार की त्वरित कार्रवाई की वजह से स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है। अभी भी सैकड़ो की संख्या में पुलिस लगातार कैंप कर रही है और पूरे इलाके को ब्लॉक कर दिया गया है ताकि कोई बाहरी असामाजिक तत्व आकर स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश ना करे। इधर मामले को लेकर हजारीबाग के ग्रामीण वीरू चौधरी ने बताया कि घटना के बाद पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है। माहौल को शांत करने के बाद से पूरे इलाके में नजर रखी जा रही है और कुछ 9-10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल गांव में शांति बनी हुई है, लेकिन प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ हालात पर नजर रखे हुए है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है।

निरसा में पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, इलाज के दौरान मौत, आरोपित मामा गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

निरसा। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक 5 वर्षीय आदिवासी बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि रिश्ते में मामा लगने वाले व्यक्ति ने बच्ची को घर में अकेला पाकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। गंभीर हालत में बच्ची को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, निरसा में रहने वाली 5 वर्षीय बच्ची घर में अकेली थी। इसी दौरान रिश्ते में मामा लगने वाले मनोज मरांडी ने कथित रूप से उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद बच्ची गंभीर रूप से घायल और बेसुध अवस्था में मिली। परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। मासूम की मौत की खबर फैलते ही इलाके में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। पूरे बस्ती में मातम का माहौल है और लोग पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही धनबाद पुलिस सक्रिय हो गई। ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया और फरार आरोपी मनोज मरांडी को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बच्ची के शव का वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि दुराचार और बच्ची की मौत की सूचना मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। रिश्तों को कलंकित करने वाली इस घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। अब पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों की मांग है कि मामले की सुनवाई त्वरित न्यायालय में हो और दोषी को कठोरतम सजा मिले।

एसपी ने की लंबित कांडों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग द्वारा चौपारण थाना परिसर में लंबित कांडों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न थानों में दर्ज मामलों की प्रगति, अनुसंधान की स्थिति एवं लंबित कांडों के निष्पादन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों एवं अनुसंधानकर्ताओं से लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त की तथा उनके शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने महिला अपराध, पोक्सो, साइबर अपराध, हत्या, लूट एवं अन्य गंभीर मामलों की जांच में तेजी लाने और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राधा किशोर प्रसाद, पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार, चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार सहित अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे। इस दौरान वारंट एवं कुर्की के निष्पादन, लंबित आरोप पत्रों के समर्पण तथा अपराध नियंत्रण को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लंबित कांडों का समयबद्ध निष्पादन पुलिस की प्राथमिकता है तथा अनुसंधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विधि-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया गया।

बैठक के अंत में थाना अभिलेखों एवं प्रशासनिक कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा सभी पदाधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं बेहतर पुलिसिंग के लिए प्रेरित किया गया।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

निर्धारित समय पर कार्य संपन्न करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम की अध्यक्षता में गढ़वा जिला समाहरणालय के सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतेंद्रनाथ तिवारी, भवनाथपुर विधान सभा क्षेत्र के विधायक अनंत प्रताप देव, जिला परिषद, नगर परिषद, नगर निगम अध्यक्षों, सभी प्रखंड के प्रमुखों के साथ उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्र और संबंधित विभाग अध्यक्ष उपस्थित थे। सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि केंद्र और राज्य द्वारा संचालित योजनाओं/परियोजनाओं का विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त सहित संबंधित विभाग के विभाग अध्यक्ष को समय के साथ और गुणवत्ता के साथ त्रुटि पूर्ण कार्य करने को निर्देशित किया गया है। बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता के तौर पर पूर्ण करने को कहा गया है। गढ़वा विधायक सतेंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि बुनियादी जरूरतों के साथ ही भूमि माफियाओं पर अंकुश के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की बिगड़ती हालत को सुधारने की बात कही है।

कई जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

जवइनिया में गंगा कटाव की शिकायत पर मुख्यमंत्री सचिवालय सख्त

पूर्व विधायक की शिकायत पर जल संसाधन विभाग को जांच का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शाहपुर (भोजपुर)। भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत जवइनिया गांव में गंगा पर कटाव निरोधी कार्य में कथित अनियमितता की शिकायत को मुख्यमंत्री सचिवालय ने गंभीरता से लिया है। इस संबंध में जल संसाधन विभाग के सचिव को जांच कर आवश्यक कारवाई करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री सचिवालय के विशेष कार्य पदाधिकारी इन्द्रवीर कुमार द्वारा जारी पत्र के अनुसार पूर्व विधायक मुन्नी देवी ने ई-मेल के माध्यम से मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी थी। शिकायत में जवइनिया गांव में चल रहे गंगा कटाव निरोधी कार्य में अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाया गया है तथा इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय ने जल संसाधन विभाग को भेजे गए पत्र में कहा है कि शिकायत से संबंधित सभी तथ्यों की जांच कर नियमानुसार उचित निर्णय लिया जाए। साथ ही की गई कारवाई की जानकारी पूर्व विधायक मुन्नी देवी को उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री सचिवालय को भी सूचित करने का निर्देश दिया गया है। पत्र में उल्लेख है कि शिकायत 18 मई 2026 को ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई थी। जिसे कारवाई के लिए संबंधित विभाग को अग्रसारित किया गया है। मुख्यमंत्री सचिवालय के इस निर्देश के बाद गंगा कटाव निरोधी कार्य की जांच को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है।

विधायक मुन्नी देवी ने की थी शिकायत

सदर अस्पताल गेट पर ट्रैक्टर चालकों से अवैध वसूली का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अररिया। अररिया में मक्का लेकर गुलाबबाग मंडी जा रहे ट्रैक्टर चालकों ने पुलिसकर्मियों पर अवैध वसूली, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में रामपुर मोहनपुर (पश्चिमी) पंचायत के डमहैली निवासी अशरफ आलम ने नगर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि 4 जून की रात करीब 3:10 बजे वह मक्का लदी ट्रैक्टर लेकर गुलाबबाग मंडी जा रहे थे। उनके साथ दो अन्य ट्रैक्टर चालक सुबोध कुमार ऋषिदेव और सरवर आलम भी थे। आरोप है कि अररिया सदर अस्पताल के मुख्य गेट के पास मोटरसाइकिल पर सवार दो पुलिसकर्मियों ने उनकी गाड़ियों को रोक लिया और प्रति ट्रैक्टर 500 रुपये की मांग करने लगे। आवेदन के अनुसार जब चालकों ने पैसे देने में असमर्थता जताई तो पुलिसकर्मियों ने अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की तथा झूठे मुकदमे में फंसाने और भारी चालान काटने की धमकी दी। आरोप है कि बाद में उनसे 100 रुपये लेकर जाने दिया गया।

अशरफ आलम ने बताया कि घटना के समय अस्पताल गेट के सामने स्थित चाय दुकान खुली थी और वहां मौजूद दुकानदार समेत अन्य लोग घटना के प्रत्यक्षदर्शी हैं। उन्होंने दावा किया कि संबंधित पुलिसकर्मियों की पहचान वह चेहरा देखकर कर सकते हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अन्य ट्रैक्टर चालकों से जानकारी मिली कि उनके साथ भी इसी प्रकार की अवैध वसूली और दुर्व्यवहार किया गया है।

पीड़ित ने कहा कि मक्का किसान पहले से ही कम उपज, बेमौसम बारिश, आंधी और फसल के उचित दाम नहीं मिलने जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में कथित अवैध वसूली और उत्पीड़न से किसान मानसिक रूप से परेशान हैं। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता फैसल यासीन ने कहा कि मक्का किसानों के साथ इस तरह का गलत है, मक्का किस ऐसे ही परेशान रहते हैं।

उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों की पहचान करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नगर थाना में दिया गया आवेदन

इंटर्नशिप कर रहे छात्र छात्राओं ने किया सर्वेक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोईलवर। 'नई आशा' के अंतर्गत इंटर्नशिप कर रहे छात्र-छात्राओं ने आज गिद्धा पंचायत के पूर्वी मुसहर टोली का सर्वेक्षण किया। इस दरमियान अमन बिहारी, रुचि यादव, शिवानी, श्रुति, शीतल कुमारी, मोहित, प्रदुमन, समीर एवं विष्णु आदि छात्र-छात्राओं ने विभिन्न बिंदुओं पर 49 घरों का सर्वे किया। सर्वे में ये लोग मुसहर टोली की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति का विस्तृत सर्वे कर रहे हैं। संस्था के जिला समन्वयक कुंदन कुमार सिंह ने बताया की सर्वे के क्रम में इंटर्नशिप कर रहे छात्र-छात्राओं का मोहल्ला के लोगों ने काफी सहयोग किया।

प्रापर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

भागलपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भागलपुर जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र में आज कुछ अपराधियों ने एक प्रापर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि मृतक की पहचान श्याम साह 45 वर्ष के रुप में हुई है और वह इस क्षेत्र के पोखरिया गांव का रहने वाला था। हादसे के समय श्याम साह गुरुवार की सुबह अपने खेत से वापस घर लौट रहा था, तभी रास्ते में पोखरिया चौक के पास पहले से घात लगाए मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने उसे रोककर गोली मार दी और भाग गया। सूत्रों ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने गंभीर रुप से घायल श्याम साह को तुरंत नवगछिया के अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच में उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि मृतक जमीन की खरीद-बिक्री का काम करता था।

जियाडा क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर पीसीसी एलएसी की बैठक आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को जियाडा भवन, बोकारो सभागार में उपायुक्त सह क्षेत्रीय निदेशक,जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र की अध्यक्षता में पीसीसी/एलएसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 13 मामलों पर निर्णय लिया गया। इनमें 04 मामले लीज होल्ड राइट ट्रांसफर तथा 09 मामले अतिरिक्त आइटम एवं आइटम परिवर्तन से संबंधित थे। बैठक के दौरान विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा उनके त्वरित निष्पादन पर बल दिया गया।

सड़क, नाला एवं आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण का निर्देश

उपायुक्त-सह-क्षेत्रीय निदेशक ने जियाडा क्षेत्र की आंतरिक सड़कों की जर्जर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इनके शीघ्र मरम्मतीकरण का निर्देश दिया। साथ ही, नालों की सफाई एवं मरम्मत, जलापूर्ति व्यवस्था, वाटर बॉडी के संरक्षण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सभी कंपनियों को समन्वित रूप से कार्य करने तथा एक साझा विकास बजट तैयार करने का सुझाव दिया, ताकि क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं का बेहतर विकास सुनिश्चित किया जा सके।

यातायात, पार्किंग एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

बैठक में औद्योगिक क्षेत्र में पार्किंग,यातायात प्रबंधन तथा भारी वाहनों की ओवरलोडिंग की समस्या पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने कहा कि अवैध पार्किंग एवं यातायात अव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी पहल की जाए। उन्होंने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर जुमार्ना लगाने एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही निष्क्रिय एवं नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों के विरुद्ध कारण पृच्छा जारी कर आवश्यकतानुसार लीज निरस्तीकरण की कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जियाडा क्षेत्र के लिए अलग फायर स्टेशन गठन का प्रस्ताव

उपायुक्त ने औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जियाडा क्षेत्र के लिए पृथक फायर स्टेशन की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को इस दिशा में आवश्यक पहल करने एवं प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित अग्निशमन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं उद्यमी प्रतिनिधि रहे उपस्थित

बैठक में क्षेत्रीय उप निदेशक, जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र, जिला जन संपर्क पदाधिकारी,सहायक विकास पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल चास, क्षेत्रीय पदाधिकारी, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद धनबाद, अग्रणी जिला प्रबंधक, अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, अनुसूचित जाति एवं जनजाति उद्यमी विकास संघ के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर व आशा भोसले की याद में सजी सुरों की महफिल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हाल ही में दिवंगत हुई फिल्म संगीत की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर व इसके पूर्व अप्रैल में दिवंगत हुई प्रख्यात पार्श्व गायिका आशा भोसले की याद में सेक्टर 12 में संगीत संध्या आयोजित कर बोकारो के कलाकारों ने उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी। स्वरागिनी म्युजिकल ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित इस संगीत संध्या की शुरूआत गायक अरुण पाठक, रमण चौधरी, पूर्णेन्दु कुमार सिंह, गायिका रंजू सिंह व श्वेता प्रियदर्शिनी द्वारा आशा भोसले व सुमन कल्याणपुर की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से हुई। कलाकारों ने कहा कि संगीत के प्रति समर्पण, उत्कृष्ट गायन कौशल व सुमधुर आवाज की बदौलत इन दोनों पार्श्वगायिकाओं ने फिल्म संगीत को एक नया आयाम दिया। फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर में स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के बाद जिन गायिकाओं ने फिल्म संगीत में उल्लेखनीय योगदान दिया उनमें आशा भोसले व सुमन कल्याणपुर प्रमुख नाम हैं। जब भी सुरीले और यादगार गीतों की बात होती है तो लता जी के साथ ही इन दोनों गायिकाओं का नाम भी आदर के साथ लिया जाता है। अपने स्वर माधुर्य के लिए ये सदैव स्मरणीय रहेंगी। इस अवसर पर कलाकारों ने इनके गाए कुछ यादगार गीतों की प्रस्तुति से इन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमिका ने ही रची आशिक की हत्या की साजिश, गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भौरा ओपी क्षेत्र के काली मेला स्थित दामोदर नदी तट के पास श्मशान घाट में 31 मई को मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हत्या के पीछे प्रेम संबंधों का विवाद सामने

आया है। पुलिस ने मृतक की प्रेमिका 21 वर्षीय कोमल वर्णवाल को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान बोर्रागढ़ होरलाडीह निवासी 24 वर्षीय दिलशाद अंसारी के रूप में हुई थी। गला रेतकर हत्या की गई थी। सिंदरी एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्य व मोबाइल डाटा के आधार पर खुलासा किया। जांच में सामने आया कि दिलशाद का कोमल वर्णवाल से प्रेम संबंध था। इसी बीच कोमल की शादी रोशन कुमार से तय हो गई। इसी प्रेम त्रिकोण के चलते हत्या की साजिश रची गई। पुलिस ने कोमल की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतक का मोबाइल फोन व घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। पुलिस का दावा है कि अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार तकनीकी व वैज्ञानिक अनुसंधान से मामले का पर्दाफाश हुआ। फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रेलवे ट्रैक से तीन शव बरामद, ट्रेन की चपेट में आने की आशंका

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में गुरुवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब राधानगर पंचायत के समीप लावाटांड़ क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर तीन युवकों के शव बरामद किए गए। घटना बोकारो रेलवे स्टेशन से करीब 9 किलोमीटर दूर की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही जीआरपी बोकारो की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से मिले आधार कार्ड के आधार पर एक युवक की पहचान गोमिया प्रखंड के मडवाडीह, टीकाहारा, बरकी पुनु गांव निवासी बबलू सोरेन के रूप में हुई है। दूसरे युवक की पहचान दीपक सोरेन के रूप में की गई है, जबकि तीसरे युवक की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने घटनास्थल के पास से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। प्रारंभिक जांच में तीनों युवकों के ट्रेन की चपेट में आने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि घटना दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। जीआरपी पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

कुष्ठ रोगियों की हुई जांच, दी गई दवा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आशादान कुष्ठ कॉलोनी, बोकारो में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चास के तत्वाधान में स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलोनी में रहने वाले सभी कुष्ठ पीड़ित परिवार की स्वास्थ्य जांच की गई। सभी मरीजों को आवश्यकता अनुसार दवा उपलब्ध कराया

गया। साथ ही साथ जिला कुष्ठ निवारण कार्यालय के सहयोग से 54 कुष्ठ रोगी को एमसीआर चप्पल का वितरण किया गया। उक्त अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार डॉक्टर मोहम्मद सज्जाद आलम जिला कुष्ठ सलाहकार भुनेश्वर महतो राकेश मिश्रा एवं कॉलोनी के प्रधान मधुसूदन तिवारी उपस्थित थे।

अग्निकांड में युवती की मौत पर उपायुक्त ने जताई संवेदना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने नई दिल्ली में हुई होटल अग्निकांड की घटना में जिले के जैनामोड़ निवासी सुरभि कुमारी की असामयिक मृत्यु पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की है।

डीपीआरओ ने पिंड्राजोरा पंचायत सचिवालयों का किया औचक निरीक्षण, मिली गड़बड़ी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को जिला पंचायती राज पदाधिकारी (डीपीआरओ) मो. सफीक आलम द्वारा पंचायत दिवस पर चास प्रखंड अंतर्गत उल्गोडा एवं पिंड्राजोरा ग्राम पंचायत का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों पंचायतों में कई गड़बड़ी एवं विभागीय निदेर्शों की अवहेलना सामने आई। निरीक्षण में पाया गया कि विभाग के स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद दोनों ग्राम पंचायतों में साप्ताहिक पंचायत दिवस का आयोजन नहीं किया जा रहा था। इससे ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जन शिकायतों के निवारण के प्रति उदासीनता परिलक्षित हुई। पिंड्राजोरा पंचायत सचिवालय में निरीक्षण के दौरान पंचायत सचिव एवं मुखिया दोनों अनुपस्थित पाए गए। वहीं, उल्गोडा ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव एवं मुखिया उपस्थित पाए गए, किंतु प्रज्ञा केंद्र संचालक (वीएलई) अनुपस्थित थे। साथ ही, पंचायत सचिवालय में कोई विशेष गतिविधि संचालित नहीं हो रही थी तथा पंचायत दिवस का आयोजन भी नहीं किया जा रहा था। कार्यालय की कार्यप्रणाली अत्यंत सुस्त एवं निष्क्रिय अवस्था में थी, जिससे ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जाने वाली आवश्यक सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ प्रभावित हो रहा था। इसको लेकर संबंधित पंचायत सचिव व कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछा है।

जनगणना 2027 के हाउस-टू-हाउस सर्वे कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त

07 जून तक सर्वे कार्य पूर्ण करने का निर्देश, डाटा प्रविष्टि में त्रुटि पर होगी कार्रवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को उपायुक्त सह जिला जनगणना पदाधिकारी अजय नाथ झा ने जनगणना 2027 के अंतर्गत संचालित हाउस-टू-हाउस सर्वे कार्य की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा सभी संबंधित कर्मियों को आगामी 07 जून तक कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

डाटा की शुद्धता पर दिया विशेष जोर

उपायुक्त सह जिला जनगणना पदाधिकारी ने कहा कि डाटा प्रविष्टि में किसी भी प्रकार की त्रुटि स्वीकार्य नहीं होगी। गलत अथवा त्रुटिपूर्ण डाटा प्रविष्टि पाए जाने पर संबंधित प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जनगणना राष्ट्रहित का महत्वपूर्ण कार्य

उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रहित से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। सभी कर्मी इसे गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर लापरवाह कर्मियों को उनके मूल कार्य से भी मुक्त किया जा सकता है।

प्रतिदिन वीडियो संवाद के माध्यम से होगी समीक्षा

उपायुक्त सह जिला जनगणना पदाधिकारी ने नोडल पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता को प्रतिदिन अपराह्न वीडियो संवाद (वीसी) के माध्यम से जनगणना कार्य के प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी चार्ज पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी, प्रगणक एवं पर्यवेक्षक निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करें। नियमित समीक्षा के माध्यम से कार्य की सतत निगरानी की जाएगी। बैठक में नोडल पदाधिकारी, जनगणना सह अपर समाहर्ता (एसी) सुनील चन्द्र, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अशोक खलखो, डीपीआरओ रवि कुमार, सभी चार्ज पदाधिकारी सह बीडीओ - सीओ, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। बैठक के उपरांत उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) एवं अंचल अधिकारियों (सीओ) को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यालयों - अधिनस्थ कार्यालयों में कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई हेतु जिला को अनुशंसा भेजें। उन्होंने कहा कि जो कर्मी अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के होटल अग्निकांड में जैनामोड की इंजीनियर बेटी की भी मौत

शव बोकारो पहुंचते ही मचा कोहराम, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग ने बोकारो के जैनामोड़ के एक परिवार की खुशियां छीन लीं। होटल में लगी आग में जैनामोड़ की रहने वाली 26 वर्षीय सुरभि कुमारी की दर्दनाक मौत हो गई। सुरभि जैनामोड़ स्थित विकास आटा चक्की के संचालक रमेश प्रसाद बरनवाल की पुत्री थीं। घटना की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार सुरभि कुमारी इंजीनियर थीं और मुंबई की एक निजी कंपनी में कार्यरत थीं। कंपनी के कार्य से जुड़े इंटरव्यू में शामिल होने के लिए वह दिल्ली गई थीं। बताया जाता है कि इंटरव्यू से एक दिन पहले वह अपनी बड़ी बहन के घर रुकी थीं। वह मालवीय नगर स्थित होटल में इंटरव्यू के लिए पहुंची थीं, जहां अचानक आग लगने की घटना में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद दिल्ली से उनका पार्थिव शरीर जैनामोड़ स्थित उनके आवास लाया गया। जैसे ही पार्थिव शरीर घर पहुंचा, परिजनों में कोहराम मच गया। अंतिम दर्शन के लिए आसपास के लोगों, रिश्तेदारों और बरनवाल समाज के सदस्यों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने नम आंखों से सुरभि को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। सुरभि की असमय मौत से पूरे जैनामोड़ क्षेत्र में मातम का माहौल है। एक होनहार इंजीनियर और परिवार की उम्मीद मानी जाने वाली सुरभि की मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

शराब दुकान में चोरी का खुलासा, चोरी गई शराब बरामद, चार गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के सेक्टर-12 मोड़ स्थित कम्पोजिट शराब दुकान में हुई लाखों रुपये की विदेशी शराब चोरी मामले का पुलिस ने महज 6 घंटे में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी गई शराब बरामद करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जप्त शराब की कीमत लगभग साढ़े तीन लाख रुपए है। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की। डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि 4 जून की सुबह करीब 6 बजे सूचना मिली कि सेक्टर-12 मोड़ स्थित लाइसेंसी कम्पोजिट शराब दुकान में सेंधमारी कर विदेशी शराब चोरी कर ली गई है। सूचना मिलने पर बीएस सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। जांच में पाया गया कि दुकान के पीछे लगे चदरे को उखाड़कर अज्ञात चोरों ने बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की चोरी की है। दुकान संचालक संदीप कुमार के लिखित आवेदन के आधार पर बीएस सिटी थाना कांड संख्या 114/2026 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर राजीव रंजन के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 6 घंटे के भीतर पूरे मामले का उद्भेदन कर लिया। छापेमारी के दौरान चोरी की गई करीब साढ़े तीन लाख रुपये मूल्य की शराब बरामद की गई। बरामद सामान में विभिन्न ब्रांड की 750 बोतल विदेशी शराब, 137 बोतल और कैन बीयर तथा चोरी में इस्तेमाल किया गया। विदेशी शराब और बीयर मिलकर 335 लीटर की चोरी की गई थी। एक लोहे का कटर शामिल है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में हिमांशु पटेल उर्फ सूटर, राजकुमार उर्फ लोला, नितिश कुमार उर्फ गोलू और नंदु कुमार शामिल हैं। सभी आरोपी बोकारो के विभिन्न क्षेत्रों के रहने वाले हैं।

बच्ची से दुष्कर्म के बाद मौत, आरोपित मामा गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिले के निरसा थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक और संवेदनशील मामला सामने आया है. यहां पांच वर्षीय एक बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म किए जाने के बाद उसकी मौत हो गई. इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मृत बच्ची आदिवासी समुदाय से संबंधित थी और उसके निधन के बाद गांव में शोक का माहौल है. जानकारी के अनुसार, निरसा थाना क्षेत्र के मालिकडीह बस्ती में रहने वाली पांच वर्षीय बच्ची घटना के समय घर में अकेली थी. आरोप है कि इसी दौरान रिश्ते में मामा लगने वाला मनोज मरांडी वहां पहुंचा और बच्ची के साथ दुष्कर्म किया.

बोकारो जिले के होटल - गेस्ट हाउसों की होगी जांच: उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा ने जिले में संचालित सभी होटल एवं गेस्ट हाउसों की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। नई दिल्ली में हाल ही में हुई होटल अग्निकांड की गंभीर घटना के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। उक्त घटना में बोकारो जिले की एक युवती की भी मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी चास एवं अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो (तेनुघाट) को पत्र जारी कर जिले में संचालित होटल एवं गेस्ट हाउसों की राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) के तहत निर्धारित मानकों के अनुरूप जांच करने का निर्देश दिया है। जांच के क्रम में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित होटल एवं गेस्ट हाउस निर्धारित भवन मानकों के अनुरूप संचालित हैं अथवा नहीं। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि कहीं आवासीय भवनों को परिवर्तित कर होटल अथवा गेस्ट हाउस के रूप में संचालित तो नहीं किया जा रहा है।

एनओसी, लाइसेंस एवं भवन उपयोग की होगी जांच

उपायुक्त ने निर्देश दिया है कि होटल एवं गेस्ट हाउसों द्वारा प्राप्त अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी), लाइसेंस की वैधता, स्वीकृत कमरों की संख्या, एनओसी निर्गत होने एवं उसकी समाप्ति तिथि की भी जांच की जाए। इसके अतिरिक्त भवन के बेसमेंट अथवा तहखाने का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप हो रहा है अथवा नहीं, इसकी भी समीक्षा की जाएगी।

राष्ट्रीय भवन संहिता एवं अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन की होगी समीक्षा

अग्नि सुरक्षा उपकरणों एवं आपात निकास व्यवस्था का होगा सत्यापन

जांच के दौरान प्रत्येक मंजिल एवं गलियारे में धुआं एवं ताप संवेदक (स्मोक एवं हीट डिटेक्टर) की उपलब्धता एवं कार्यशीलता का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि संबंधित प्रतिष्ठान ऐसे स्थान पर तो संचालित नहीं हैं, जहां अग्निशमन वाहनों के पहुंचने में कठिनाई हो। होटल एवं गेस्ट हाउसों में प्रवेश एवं निकास के लिए पृथक एवं पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है अथवा नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी। अग्नि सुरक्षा से संबंधित सभी मानकों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा।

नगर निकायों एवं प्रखंड स्तर पर भी होगी जांच

उपायुक्त ने सभी जांच प्रतिवेदन 15 दिनों के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस कार्य में अग्निशमन विभाग बोकारो, चास एवं तेनुघाट आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही, अपर नगर आयुक्त - चास नगर निगम, कार्यपालक पदाधिकारी - नगर परिषद फुसरो तथा जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में संचालित होटल एवं गेस्ट हाउसों की जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इससे जिले में संचालित आवासीय प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com